शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 07 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 121 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.2	23.4
डालटनगंज	34.0	24.7
धनबाद	31.8	26.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

संघ की लेक्चर सीरीज में कई नेताओं को न्योता!

नयी दिल्ली। आरएसएस अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है, और ऐसे में संवाद का दायरा बढ़ाने पर ज्यादा जोर है. दशहरा को स्थापना के 100 साल पूरे होने के मौके पर होने वाले शताब्दी समारोह से पहले बड़े पैमाने पर विशेष लेक्चर सीरीज आयोजित होना जा रही है - दिल्ली में तीन दिनों का संवाद 26, 27 और 28 अगस्त को होने हैं.संवाद कार्यक्रम को संघ प्रमुख संबोधित करेंगे, पर विपक्षी खेमे से भी वक्ता शामिल करने की कोशिश चल रही है.

मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024 लोस से पारित

नयी दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को व्यापारिक जहाज़ों के स्वामित्व के लिए पात्रता मानदंड का विस्तार करने और समुद्री दुर्घटनाओं की जांच और पूछताछ का प्रावधान करने वाले विधेयक को पारित कर दिया. हंगामे के बीच मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने विधेयक पेश किया. इसका उद्देश्य इससे जुड़े 1958 के अधिनियम को प्रतिस्थापित करना है. सदस्यों का आभार प्रगट करते हुए मंत्री ने कहा कि इससे भारत के समुद्री क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी.

बेऊर जेल से बाहर आए बाहुबली नेता अनंत सिंह

पटना। चर्चित बाहुबली नेता अनंत सिंह बेऊर जेल से बाहर आ गए हैं, जेल के बाहर भारी संख्या में समर्थकों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया. अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से राहत मिली है. लंबे समय से जेल में बंद अनंत सिंह को हाईकोर्ट ने बेल दे दी. बाहर आते ही अनंत सिंह ने ऐलान किया कि वह नीतीश की पार्टी से चुनाव लड़ेंगे. कहा कि नीतीश कुमार अभी और 25 साल तक काम करेंगे. नीतीश कुमार ने जनता के लिए सब काम किया है और आगे भी करेंगे.

शाह कल जानकी मंदिर की रखेंगे आधारशिला

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को बिहार दौरे पर आ रहे हैं. दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को वे सीतामढ़ी स्थित माता सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम में बनने वाले जानकी मंदिर का भूमि पूजन करेंगे. उनके साथ सीएम नीतीश कुमार समेत अन्य लोग भी मौजूद रहेंगे. जानकी मंदिर की भव्यता को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. इस मंदिर का वास्तु डिजाइन अयोध्या राम मंदिर के प्रमुख वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा ने तैयार किया है.

नाम काटा तो मेरे शव पर से गुजरना होगा

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झाड़ग्राम में भाषा आंदोलन मंच से एसआईआर को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला और इसे एनआरसी लागू करने की साजिश बताया. उन्होंने कहा कि अगर किसी का नाम मतदाता सूची से हटाना है, तो पहले उनके शव के ऊपर से गुजरना होगा. ममता ने बुधवार को कहा, एनआरसी मानती नहीं और मानूंगी भी नहीं. नाम काटने की साजिश हो रही है, लेकिन मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगी.

यादों में : विश्व कवि रवींद्र नाथ टैगोर और हजारीबाग, गुरुदेव की रचनाओं का सृजन स्थल रहा है शहर

अंग्रेज अगर जमीन मुहैया कराते तो हजारीबाग में ही बनता शांति निकेतन!

प्रो. प्रमोद कुमार

गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर की रचनाओं का सृजन स्थल रहा है हजारीबाग. उनकी कविता की यह पंक्ति " जोदी तोर डाक शुने केऊना, आसे तोबे एकला चलो रे''...आज भी साहित्य प्रेमियों की जुबान पर अनायास ही प्रस्फुटित होती रहती है. इसकी रचना एकीकृत हजारीबाग जिले के गिरिडीह में विश्व कवि ने की थी. हजारीबाग में गुरुदेव का आगमन होना पूरी इलाके के लिए गौरव का विषय है. एक ऐसे विराट व्यक्तित्व के स्वामी, जिन्होंने पूरे एशिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया. गुरुदेव ने विश्व के मानचित्र पर अपने देश का नाम सर्वोच्च स्थान पर स्थापित करने का काम किया. हजारीबाग शहर इस मामले में काफी सौभाग्यशाली रहा है. यहां गुरुदेव के चरण पड़े, प्रवास हुआ, सृजन की धारा प्रवाहित हुई तथा इतिहास के अध्याय में कई अविस्मरणीय पन्ने जुट गए.

विश्वकवि पर पिछले 55 वर्षों से लगातार शोध कर रहे 86 वर्षीय अमल सेन गुप्ता की चर्चा करना यहां लाजमी होगा. सेनगुप्ता न तो विश्वविद्यालय, न किसी कॉलेज और न किसी स्कूल के मास्टर रहे. वे डाक विभाग में पोस्ट मास्टर थे, इसके बावजूद गुरुदेव की रचनाओं के मास्टरपीस के रूप में उनकी चर्चा बांग्ला साहित्य जगत में की जाती रही है. सेन गुप्ता से लिए गए साक्षात्कार के

84वीं पुण्यतिथि पर विशेष

- यह तस्वीर अमल सेन गुप्ता के सौजन्य से प्राप्त हुई है, जो हजारीबाग प्रथम आगमन के अवसर पर ली गई थी.

अनुसार रविंद्रनाथ टैगोर 1885 ई की अप्रैल माह में पहली बार हजारीबाग पधारे थे. उनके साथ भतीजी इंदिरा देवी तथा भतीजा सुरेंद्रनाथ टैगोर थे. इंदिरा जी के स्वास्थ्य लाभ के क्रम में यहां प्रवास हुआ था.

इंदिरा जी कोलकाता के लोरेटिव कॉन्वेंट की छात्रा थी. उन्होंने अपनी स्मृति गाथा में हजारीबाग के डाक बंगला में ठहरने का वर्णन किया है. प्रवास के क्रम में उनका यदुगोपाल मुखर्जी के घर आना जाना होता था. मुखर्जी स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेता थे. प्रो. प्रशांत कुमार पाल ने अपनी पुस्तक रवि जीवनी के खंड 2 के पृष्ठ संख्या 235 में रवि बाबू से जुड़ी यात्रा का उल्लेख किया है. इस पुस्तक में अमल सेनगुप्ता के बारे में उल्लेख करते हुए कहा गया है कि तमाम जानकारी उनके पुस्तक के आधार पर प्रस्तुत की गई है. उसे समय गुरुदेव अपने परिजनों के साथ हजारीबाग रोड में ट्रेन से उतरने के बाद पुश- पुश गाड़ी से हजारीबाग पहुंचे थे.

गुरुदेव का हजारीबाग में दूसरी बार 1903 में आगमन हुआ था. लकड़ा गोदाम के जूलु पार्क में बने डाक बंगला में प्रवास हुआ था. लकड़ा गोदाम 29 बीघा जमीन में बसा हुआ था जिसके मालिक गुरुदेव के रिश्तेदार काली कृष्ण ठाकुर थे. लोक निर्माण विभाग के इस निरीक्षण बंगला में रोशनी और हवा की सही व्यवस्था नहीं थी,परिणाम यह हुआ कि गुरुदेव समेत उनके सभी परिजन बीमार पड़ गए.

इस संबंध में अमल दा अपनी प्रकाशित पुस्तकों के पन्ने पलटते हुए बताते हैं कि शहर के नामी बंगाली सज्जन गिरेंद्र कुमार गुप्ता आग्रह पूर्वक गुरुदेव को अपनी बाड़ी में ले गए. गुरुदेव की देखभाल करने वालों में ऋषिकेश दास गुप्ता, हेमनलिनी देवी और शीर्ष मजूमदार की साली थी. गिरेंद्र बाबू की बाड़ी अभी भी मेन रोड में पैगोड़ा होटल के पीछे स्थित है.

"नौका डूबी'' गुरुदेव की महत्वपूर्ण कृति है जिसकी रचना गिरेंद्र बाबू की बाड़ी में हुई थी और इसकी नायिका शीर्ष मजूमदार की साली हेमनलनी देवी थी. सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अंग्रेज सरकार हजारीबाग में गुरुदेव को जमीन उपलब्ध अगर कराती, तो शांति निकेतन की स्थापना यही होती. गुरुदेव ने अपने मित्र शिर्ष मजूमदार को पत्र लिखकर इच्छा जतायी थी कि जमीन अगर मिलती तो शांतिनिकेतन के विद्यार्थियों के लिए तपोवन एवं हेल्थ रिजॉर्ट बनाया जाता. शिर्षदा 1903 में रेलवे एक्विजिशन ऑफीसर के पद पर यहां कार्यरत थे.

गुरुदेव के हजारीबाग में आए 140 वर्ष पूरे हो गए हैं. उनकी स्मृतियों को सहेजने एवं संरक्षित करने का काम बखूबी अमल दा ने किया है.

भोरे पाखी डाके कोथाए....... की रचना हजारीबाग की प्राकृतिक खूबसूरती को देखकर हुई थी. इस शहर में एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का प्रवास हुआ, जिसमें गुरुदेव का नाम सर्वोपरि है. भावी पीढ़ी को इसकी जानकारी होनी चाहिए, कि एक ऐसा कलम का संवेदनशील व्यक्ति हजारीबाग में सृजन का महाजाल फैलाकर शब्दों को कैद किया था जिसकी 28 वर्षों बाद नोबेल पुरस्कार अपने देश की झोली में आई.

(लेखक सहायक प्राध्यापक (अवकाश प्राप्त) राजनीति विज्ञान विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग हैं)

भारत के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ टेररिज्म आया सामने

अमेरिका ने 25 के बाद अब और 25 फीसदी एक्स्ट्रा का फोड़ा बम

एजेंसियां।वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर टैरिफ बम फोड़ने की घोषणा की है. बुधवार शाम को ट्रंप की तरफ से भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने का आदेश साइन किया गया है. अमेरिका ने कहा कि यह फैसला भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के जवाब में लिया गया है. इसके साथ ही भारत पर अमेरिका ने कुल 50% टैरिफ की घोषणा कर दी है.

ट्रंप द्वारा साइन आदेश के अनुसार, यह टैरिफ 21 दिनों में प्रभाव में आएगा, यानी 27 अगस्त से भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर लागू होगा. हालांकि, वे वस्तुएं जो इस तारीख से पहले जा चुकी होंगी और 17 सितंबर से पहले अमेरिका पहुंच जाएंगी, उन्हें शुल्क से छूट मिलेगी. आदेश में कहा गया है कि यह टैरिफ अन्य सभी शुल्कों और टैक्स के अतिरिक होगा और कुछ खास मामलों में छूट भी दी जा सकती है. ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि यदि कोई और देश भी रूस से परोक्ष या सीधे तौर पर तेल आयात करता है, तो उस पर भी ऐसी कार्रवाई की जा सकती है. साथ ही, यदि रूस या कोई प्रभावित देश अमेरिका की नीतियों के अनुरूप कदम उठाता है, तो आदेश में बदलाव भी संभव है.

आदेश में क्या कहा गया: आदेश का आधार 2022 में घोषित वह राष्ट्रीय आपातकाल है, जिसमें अमेरिका ने रूस की यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई को देखते हुए रूसी तेल के आयात पर बैन लगाया था. अब ट्रंप ने कहा है कि भारत इस बैन को दरकिनार करते हुए रूस से तेल खरीद जारी रखे है. इसी वजह से भारत पर यह टैरिफ लगाया गया है. ट्रंप ने आदेश में यह भी कहा है यदि कोई और देश रूस से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से तेल खरीदता पाया गया, तो उस पर भी इसी तरह के टैरिफ या प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाएंगे.

अमेरिका से दुश्मनी मंजूर, लेकिन रूस से रखेंगे दोस्ती!

नयी दिल्ली। भारत अपने परंपरागत दोस्त रूस को गंवाना नहीं चाहेगा. रूस से तेल खरीदने पर भले ही अमेरिका धमकी दे, मगर भारत डरने वाला नहीं है. यही वजह है कि भारत ने न तो रूस से तेल मंगाना बंद किया है और न ही अमेरिका से किसी तरह की 'भीख' मांगी है. उल्टा रूस से संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दो आला 'कमांडर' एसएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर को कमान सौंपी है. डोभाल तो मॉस्को के दौरे पर पहुंच गए हैं, वहीं जयशंकर अगस्त के आखिर में रूस का दौरा भी करेंगे.

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत रूस से पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट भी खरीदने का प्लान बना रहा है. एस-400 के लिए एमआरओ फैसिलटी बनाने की योजना है. ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऐसी खबरें थीं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को एफ-35 फाइटर

जे देने का ऑफर दिया था. मगर, भारत ने अभी तक विचार नहीं किया है. इस विमान को कभी ट्रंप के सहयोगी रहे स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क भी कबाड़ बता चुके हैं.

आर्कटिक रीजन में रूस से सहयोग बढ़ाएगा भारत : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत रूस से अपनी दोस्ती इसलिए बढ़ा रहा है, क्योंकि रूस से दोस्ती के चलते उसे मिनरल्स से भरपूर आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा. इसके अलावा भारत का रूस को निर्यात और बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा. ये बातें तब होंगी, जब जयशंकर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पहले उप प्रधानमंत्री डेनिस मानतुरोव से मिलेंगे.

भारत-रूस समिट में शामिल हो सकते हैं पुतिन : मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि भारत इस साल भारत-रूस समिट के अगले एडिशन का आयोजन करने जा रहा है. इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शिरकत करेंगे. अगर ऐसा होता है तो 2021 के बाद यह पहली बार होगा, जब पुतिन नई दिल्ली का दौरा करेंगे. भारत रूस के साथ ज्यादा से ज्यादा रक्षा समझौते करेगा. इसके अलावा, वह ऊर्जा क्षेत्र में भी समझौते करेगा. दरअसल, यूरोपीय यूनियन ने रूस से एनर्जी को लेकर पाबंदी लगा रखी है. इसमें सिविल न्यूक्लियर पार्टनरशिप, आर्कटिक कोऑपरेशन समेत हाईटेक सेक्टर में सहयोग को और बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा.

एससीओ की बैठक : गलवान घाटी संघर्ष के बाद पहला दौरा

चीन जाएंगे मोदी, बैठक में हिस्सा लेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जाएंगे. जापान का दौरा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से है, जबकि पीएम मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेंगे. पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान के लिए रवाना होंगे, जहां वे जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. इस बैठक में दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा

होने की संभावना है. इसके बाद पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाली एससीओ समिट में हिस्सा लेंगे. 2019 के बाद ये पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी. एससीओ बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, व्यापार सहयोग और बहुपक्षीय सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी.पीएम मोदी की ये यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर रूस से तेल खरीदने के लिए निशाना साधा है और अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि ब्रिक्स देश डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती दे रहे हैं. ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा रणनीतिक तौर पर बेहद अहम माना जा रहा है.

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया सख्त निर्देश

6 सितंबर तक लागू हो पेसा

शुभम संदेश।रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह 6 सितंबर 2025 तक पेसा नियमावली को लागू करे. यदि इस तारीख तक नियमावली लागू नहीं की जाती है, तो अगली सुनवाई में पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देना होगा. कोर्ट ने कहा कि आदेशों की अनदेखी न्यायालय की अवमानना है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता.

यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने दिया है. यह आदेश आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया. मंच के राष्ट्रीय संयोजक विक्टर माल्टो ने बताया कि हाईकोर्ट ने पहले ही जुलाई 2024 में सरकार को दो महीने के भीतर पेसा नियमावली लागू करने का निर्देश दिया था. आदेश का पालन नहीं होने पर मंच ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है. याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार ने दलील पेश करते हुए कहा कि झारखंड की स्थापना ही आदिवासियों के अधिकारों और विकास के उद्देश्य से हुई थी, लेकिन 1996 में बने पेसा कानून की नियमावली आज तक राज्य में लागू नहीं की गई है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है.

सरकार की दलील : सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पेसा नियमावली तैयार करने की प्रक्रिया अभी जारी है. फिलहाल पंचायती राज अधिनियम और अन्य विधानों के जरिए पेसा के कुछ प्रावधान आंशिक रूप से लागू किए गए हैं.

बुद्धिजीवी मंच लंबे समय से पेसा कानून की कर रहा मांग: सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि नियमावली को तैयार करने की प्रक्रिया जारी है और वर्तमान में पंचायती राज अधिनियम और अन्य कानूनों के माध्यम से पेसा के कुछ प्रावधान लागू किए जा रहे हैं. बता दें कि आदिवासी बुद्धिजीवी मंच लंबे समय से पेसा नियमावली लागू करने की मांग कर रहा है. इसी क्रम में 29 जुलाई को रांची में मंच की एक बैठक भी हुई थी, जिसमें इस विषय पर चर्चा की गई और सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति तय की गई थी.

खंडपीठ ने क्या कहा

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि 29 जुलाई 2024 को आदेश दिया गया था कि दो माह के भीतर पेसा नियमावली लागू की जाए. अब तक ऐसा नहीं हुआ है. यह अवमानना का गंभीर मामला है. 25 जून को अवमानना याचिका स्वीकार की गई थी, नोटिस भी जारी हुआ था, बावजूद इसके पंचायती राज विभाग ने अब तक कोई जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है. यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार न्यायालय के आदेश को गंभीरता से नहीं ले रही है, जो कि उचित नहीं है. कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि पेसा अधिनियम लागू करने के लिए अब तक क्या–क्या कदम उठाए गए, उसकी तिथि–वार जानकारी अगली सुनवाई में दे.

रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने 5.50% पर बरकरार रखा

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक के बाद रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला किया है. लगातार तीन बार रेपो रेट में कटौती के बाद इस बार केंद्रीय बैंक ने बदलाव नहीं किया. इस फैसले से साफ है कि इस बार लोन की ईएमआई पर भी असर नहीं पड़ेगा. आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि रेपो रेट को 5.50% पर स्थिर रखा गया है. वित्त वर्ष 2025 में अब तक रेपो रेट में कुल 1 प्रतिशत की कटौती हो चुकी है. फरवरी में 0.25%, अप्रैल में 0.25% और जून में 0.50% की कटौती हुई थी. जून की बड़ी कटौती के बाद यह अनुमान पहले से लगाया जा रहा था कि अगस्त में आरबीआई दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा.

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को आदेश

बिहार की वोटर लिस्ट से हटे 65 लाख वोटरों की डिटेल दें

एजेंसियां।नयी दिल्ली

चुनाव आयोग बिहार की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिये गये 65 लाख वोटरों की डिटेल शनिवार तक पेश करे.सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह आदेश जारी किया. कोर्ट ने यह आदेश भी दिया कि आयोग ये जानकारी एनजीओ एडीआर व उन दलों को भी दे, जिन्होंने रिट दाखिल की हैं. आयोग ने बिहार में 24 जून से एसआईआर शुरू किया.

इस क्रम में आयोग ने 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी. लिस्ट में 7.24 करोड़ वोटरों के नाम दर्ज हैं. 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं. चुनाव आयोग के अनुसार हटाये गये लोगों की या तो मृत्यु हो चुकी है, या वे दूसरी जगह चले गये हैं. जस्टिस सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने आयोग को आदेश दिया कि कोर्ट को हर उस वोटर की जानकारी दें, जिनके नाम हटे हैं और वे किस आधार पर हटाये गये हैं. एडीआर की ओर से पेश प्रशांत भूषण ने कहा कि राजनीतिक दलों को हटाये गये वोटरों की सूची तो मिली है, लेकिन उसमें यह जानकारी नहीं दी गयी कि किनकी मृत्यु हो चुकी है, कौन शिफ्ट हुआ है. मौत की वजह से 22.34 लाख लोगों के नाम हटे हैं व दूसरी जगह गए 36.28 लाख वोटरों के नाम मतदाता सूची से काट दिये गये हैं.

सेहत की बात : आरएसवी वायरस से विशेषज्ञों ने किया सावधान

निमोनिया-फेफड़ों में संक्रमण वाले वायरस का बढ़ा खतरा

संक्रमण से कैसे बचें?

- स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एक बार आरएसवी होने के बाद, आप दोबारा संक्रमित हो सकते हैं. यह भी संभव है कि यह उसी सीजन में हो, हालांकि, लक्षण आमतौर पर उतने गंभीर नहीं होते. वैक्सीनेशन के साथ लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव आपको इस बीमारी से बचाए रखने में सहायक हो सकता है.
- अपने हाथ को बार–बार धोएं. बच्चों को हाथ धोने का महत्व सिखाएं.
- संक्रमण से बचाव और इसके प्रसार को रोकने के लिए खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक ढकें.
- तंबाकू के धुएं के संपर्क में आने वाले शिशुओं में संक्रमण होने का खतरा ज़्यादा होता है और संभावित रूप से ज्यादा गंभीर लक्षण भी हो सकते हैं.
- शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने वाले उपाय करें ताकि इस प्रकार के श्वसन रोगों का खतरा कम हो सके.

शुभम संदेश डेस्क

वैश्विक स्तर पर पिछले एक दशक में कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से उभरते हुए देखा गया है, जिसके कारण न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है बल्कि लाखों लोगों की इससे मौतें भी हुई हैं. साल 2019 के आखिरी के महीनों में शुरू हुई सार्स-सीओवी-2 (कोरोना महामारी) हो या फिर इसी दौरान फैला ब्लैक फंगस का संक्रमण, बर्ड फ्लू हो या फिर मार्स सीओवी के मामले इन सबने दुनियाभर के वैज्ञानिकों को काफी परेशान किया है.

इसी क्रम में हालिया रिपोर्ट में यूनाइटेड किंगडम के कई हिस्सों में एक और वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर अलर्ट किया गया है. ब्रिटेन में स्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस का जोखिम देखा जा रहा है जो छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा हो सकता है.

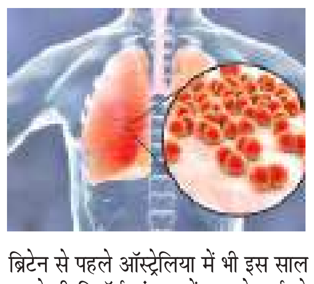

ब्रिटेन से पहले ऑस्ट्रेलिया में भी इस साल पहले ही रिकॉर्ड संख्या में मामले दर्ज हो चुके हैं. पतझड़ में इस वायरस का प्रकोप बढ़ जाता है, जिससे अस्पतालों में श्वसन समस्याओं के रोगियों के मामलों में उछाल दर्ज किया जाता रहा है. भारत में भी इस वायरस के संक्रमण का खतरा हो सकता है.

निमोनिया और फेफड़ों के संक्रमण वाले वायरस का खतरा : नेशनल हेल्थ सर्विसेज (एनएचएस) विशेषज्ञों का मानना है कि खांसी और छींक से फैलने वाले इस वायरस के कारण हर साल ब्रिटेन में लगभग 30,000 बच्चे और 18,000 वयस्क निमोनिया और फेफड़ों के संक्रमण जैसी गंभीर सांस संबंधी जटिलताओं के कारण अस्पताल में भर्ती होते हैं. यह वायरस शिशुओं में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है. सर्दियों में लगभग 20 से 30 बच्चे इस वायरस के कारण मौत का शिकार होते हैं. अनुमान है कि इसी अवधि में 8,000 वयस्कों की मृत्यु भी इसी वायरस के कारण होती है, क्योंकि यह संक्रमण रोगियों के हृदय पर दबाव बढ़ाता है और हृदय से संबंधित जटिलताओं का कारण हो सकती है. अधिकारियों ने सभी लोगों को इस वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाने की सलाह दी है. पिछले हफ़्ते, यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से यह भी पता चला है कि गर्भवती का टीकाकरण हो जाता है तो ये उनके बच्चों को अस्पताल में भर्ती होने से लगभग तीन-चौथाई (72 प्रतिशत) तक बचा सकता है.

गुरुजी के श्राद्धकर्म तक सीएम हेमंत सोरेन 10 दिनों तक नेमरा में रहेंगे

शुभम संदेश।रांची/नेमरा

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर का मंगलवार को अंतिम संस्कार करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब 10 दिनों तक अपने पिता के श्राद्धकर्म तक पैतृक गांव नेमरा में ही रहेंगे. गुरुजी का श्राद्धकर्म 10 दिन का होगा. इस दौरान पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी. पारंपरिक विधि विधान के अनुसार वे अपने पिता और राजनीतिक गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मरांग बुरु देवता से प्रार्थना करेंगे. दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित होने वाले अनुष्ठान में हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्य और गांव के लोग शामिल होंगे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक गांव में रहेंगे तो अस्थाई रूप से

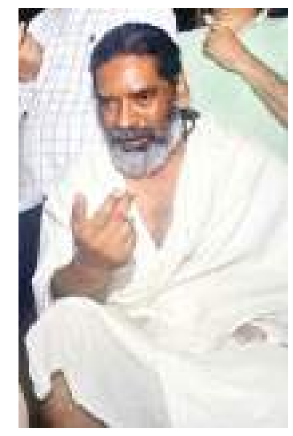

कार्यालय का संचालन भी वहीं से होगा. रामगढ़ जिला प्रशासन भी अपना अस्थाई कार्यालय इसी गांव में स्थापित कर रहा है. कार्यालय के संचालन के लिए इंटरनेट का इंतजाम भी किया जा रहा है. नेमरा गांव में लगे बीएसएनएल के टावर पर ही जिओ कंपनी का सेटअप तैयार किया जा रहा है. पिछले दो दिनों से जिला प्रशासन के सारे अधिकारी और सुरक्षा में लगे पुलिस पदाधिकारी नेमरा गांव में ही मौजूद हैं. इस दौरान उन्हें वॉकी टॉकी से अपना संपर्क स्थापित करना पड़ा. मोबाइल नेटवर्क नहीं होने की वजह से भारी परेशानी हुई. लेकिन अगले 13 दिनों तक मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है. बता दें कि कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक आवास नेमरा (रामगढ़) में मंगलवार को संपन्न हुआ. इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन, समर्थक और राजनीतिक प्रतिनिधि मौजूद रहे. हजारों लोगों की उपस्थिति ने मुख्यमंत्री को इस कठिन घड़ी में सांत्वना और संबल प्रदान किया.

भाजपा विधायक सीपी सिंह ने साझा की शिबू सोरेन के साथ की ऐतिहासिक तस्वीर, कहा-

विचारधारा अलग थी, लेकिन दिल एक थे

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के वरिष्ठ नेता सह विधायक सीपी सिंह ने झारखंड निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक बड़ा भावुक पोस्ट किया है. सीपी सिंह ने अपने फेसबुक पर एक तस्वीर साझा की है और लिखा है कि 25 वर्ष पुरानी यह ऐतिहासिक तस्वीर 25 अप्रैल 2000 की है, जब बिहार विधानसभा में बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 पारित हुआ और झारखंड के निर्माण का सपना साकार होने की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठा. हम अलग-अलग दलों से थे, विचारधाराएं भी भिन्न थीं, लेकिन उस क्षण दिल एक था

झारखंड की माटी, उसकी पहचान और उसके अधिकार के लिए".

सीपी सिंह ने शिबू सोरेन को याद करते हुए लिखा-गुरुजी शिबू सोरेन जी के साथ विजय का यह संकेत सिर्फ राजनीति का नहीं था, यह झारखंड की आकांक्षाओं, संघर्षों और आत्मसम्मान का प्रतीक था. आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब यह तस्वीर एक स्मृति बनकर दिल को छू जाती है. लोकतंत्र की गरिमा, राजनीति की मर्यादा और झारखंड की आत्मा की एक झलक."

बता दें कि बीते दिन सोमवार की सुबह को दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में शिबू सोरेन का निधन हो गया था. जिसके बाद उन्हें झारखंड लाया गया और बीते कल मंगलवार को विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा में अंतिम संस्कार कर दिया गया. जिसके बाद सीपी सिंह ने दुःख जताते हुए यह भावुक पोस्ट किया है.

पीएचडी शोध निर्देशन में भारी गड़बड़ी का आरोप

आदिवासी भाषाओं के साथ हो रहा अन्याय : देवकुमार धान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के विश्वविद्यालयों में पीएचडी शोध कार्यों में हो रही भारी अनियमितताओं को लेकर आदिवासी भाषा एवं संस्कृति से जुड़े कार्यकर्ता देवकुमार धान ने गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि मुंडारी, नागपुरी, करमाली, पपरगनिया, कुड़ुख, संथाली, खड़िया जैसी आदिवासी भाषाओं में शोध कार्य को लेकर बड़ी धांधली हो रही है धान ने आरोप लगाया है कि जिन शिक्षकों के पास पीएचडी की उपाधि तक नहीं है, उन्हें शोध निदेशक (गाइड) बना दिया गया है. इसके अलावा एक भाषा के शिक्षक, दूसरी भाषा के शोध निदेशक बने हुए हैं, जो यूजीसी के

7 नवंबर 2022 के पीएचडी रेगुलेशन के खिलाफ है.

उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा खेल पूर्व कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा और संकाय प्रमुख डॉ. अर्चना दुबे की छत्रछाया में चल रहा है. यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जनजातीय भाषाओं और साहित्य को कमजोर करने की एक साजिश है. उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि नवंबर 2022 के यूजीसी रेगुलेशन का सख्ती से पालन किया जाए, जिन शिक्षकों के पास पीएचडी की डिग्री नहीं है, उनका पीएचडी शोध निर्देशन पंजीयन रद्द किया जाए, जो शिक्षक अपने विभाग की भाषा के बजाय अन्य भाषाओं में गाइड बने हैं, उनका भी पंजीयन रद्द हो. धान ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह न केवल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक साख को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि आदिवासी समाज के लिए एक बड़ी सांस्कृतिक क्षति भी होगी.

सीएम हेमंत सोरेन बोले : आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था...

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन राज्य ही नहीं, देश के लिए अपूरणीय क्षति है. उनका पार्थिव शरीर मंगलवार को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुआ. अंतिम विदाई के मौके पर हजारों की संख्या में लोग उमड़े, जिन्होंने नम आंखों से अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दी.

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को नेमरा गांव में हुआ था. उन्होंने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लंबा संघर्ष किया और कई बार जेल भी गए. वे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और आदिवासी राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक रहे. देश के कोयला मंत्री रह चुके शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री भी बने.

उनके पुत्र और विधायक बसंत सोरेन ने एक्स कर लिखा –

₹मेरे पिता, मेरे पथ प्रदर्शक दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी पंचतत्व में विलीन हो गए. उनके बिना मैं टूट गया हूं. उनका संघर्ष, आदर्श और आशीर्वाद ही मेरी अंतिम पूंजी है. जब तक सांस चलेगी, उनके सपनों के अनुरूप झारखंड को सजाने-संवारने के लिए अपना पल-पल समर्पित करूंगा.

उन्होंने आगे लिखा – 'बाबा आप चले गए, पर आपकी छाया, आपके संस्कार और आपके सपने हमेशा मेरे साथ रहेंगे. मैं निःशब्द हूं आज सिर्फ आपका आशीर्वाद और आपकी यादें हैं. ॐ शांति.'

शिबू सोरेन के निधन के बाद से पूरे झारखंड में शोक की लहर है. राज्य सरकार ने दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया है. सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम जनता ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है. दिशोम गुरु ने जो आंदोलन शुरू किया था, आज उसकी विरासत उनके बेटे हेमंत सोरेन और झामुमो पार्टी के कंधों पर है. झारखंड की राजनीति में उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी, लेकिन उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को अपने ट्वीट में एक्स पर लिखा-

"आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था... वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें! अमर रहें! अमर रहें!" इस संक्षिप्त संदेश के जरिए उन्होंने उस गहरे दुख और भावुकता को साझा किया, जो एक बेटे, एक राजनीतिक उत्तराधिकारी और झारखंडी जनता के प्रतिनिधि के रूप में वह महसूस कर रहे हैं.

गुरुजी के निधन के बाद राज्य में दिखेंगे कई तरह के बदलाव

समन्वय समिति का पुनर्गठन और रास उपचुनाव जल्द

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के असामयिक निधन के बाद अब राज्य में कई तरह बदलाव दिखेंगे. झारखंड राज्य समन्वय समिति का पुनर्गठन और समय पूर्व राज्यसभा का चुनाव अवश्यंभावी हो गया है. नवंबर 2022 में गुरुजी की अध्यक्षता में राज्य समन्वय समिति का गठन किया गया था. राज्यसभा सदस्य सरफराज अहमद, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय और झामुमो के वरिष्ठ नेता फागू बेसरा को समन्वय समिति का सदस्य हैं. लेकिन गुरुजी के निधन के बाद समन्वय समिति अब हेडलेस हो गया है. इस कारण सरकार के लिए समन्वय समिति का पुनर्गठन करना अचानक मजबूरी बन गयी है. वैसे 25 नवंबर को राज्य समन्वय समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और गठबंधन दलों के सामने अब दोहरी चुनौती है. एक ओर जहां समन्वय समिति के नेतृत्व के लिए सर्वमान्य चेहरा तय करना जरूरी हो गया है. वहीं दूसरी ओर राज्यसभा उपचुनाव के लिए उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करना है.

छह महीने में कराना होगा राज्यसभा चुनाव

इधर गुरुजी के निधन से झारखंड से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गयी है. नियमानुसार छह महीने के भीतर रिक्त सीट के लिए चुनाव कराने की बाध्यता है. मालूम हो कि झामुमो सुप्रीमो स्वर्गीय गुरुजी 22 जून 2020 को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे. राज्यसभा के इस चुनाव में भाजपा से दीपक प्रकाश का भी निर्वाचन हुआ था. इन दोनों ही नेताओं का 21 जून 2026 तक कार्यकाल है. लेकिन लगभग एक साल पूर्व गुरुजी का निधन हो गया. इसलिए गुरुजी के निधन से रिक्त हुई सीट के विरुद्ध निर्वाचन आयोग को छह महीने के भीतर चुनाव कराना होगा.

एचईसी परिसर में जमीन आवंटन को लेकर ईडी और राज्य सरकार आमने-सामने, हाईकोर्ट में पहुंचा मामला

शुभम संदेश। रांची

एचईसी परिसर में कार्यालय निर्माण के लिए जमीन आवंटन के मुद्दे पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य सरकार के बीच कानूनी टकराव तेज हो गया है. ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि 4.10 करोड़ रुपये की पूरी राशि जमा करने के बावजूद अब तक उसे जमीन ट्रांसफर नहीं की गई है. ईडी ने अदालत से जमीन के हस्तांतरण का आदेश देने की अपील की है. ईडी की याचिका के अनुसार, उसने 2018 में राज्य सरकार से पांच एकड़ जमीन की मांग की थी. इसके बाद समिति की अनुशंसा पर ग्रेटर रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीआरडीए)

ने 1.98 एकड़ जमीन आवंटित करने की स्वीकृति दी थी. जमीन का मूल्य पहले 3.91 करोड़ रुपये तय किया गया और ईडी ने 80% अग्रिम राशि जमा कर दी थी.

हालांकि, 2022 में अचानक जमीन का मूल्य संशोधित कर 14.16 करोड़ रुपये कर दिया गया और ईडी से 11.33 करोड़ की मांग की गई. ईडी ने इसे मनमाना मूल्य बताते हुए मुख्य सचिव से शिकायत की. इसके बाद 2023 में मूल्य घटाकर 4.10 करोड़ रुपये कर दिया गया, जिसे ईडी ने मार्च 2023 में पूरी तरह जमा कर दिया. इसके बावजूद अब तक जमीन का ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिससे ईडी को रांची में अपना क्षेत्रीय कार्यालय बनाने में बाधा आ रही है. अब यह विवाद हाईकोर्ट में पहुंच चुका है, जहां ईडी ने न्याय से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है.

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत गंभीर

रांची। झारखंड के ओर जहां दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरा राज्य शोकाकुल है. तो वहीं शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है. उनका इलाज दिल्ली के अपोलो अस्पताल में चल रहा है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है. बुधवार को भी एक उच्चस्तरीय चिकित्सा बोर्ड की बैठक हुई, जिसमें मंत्री की मौजूदा स्थिति की समीक्षा के बाद ऑपरेशन को लेकर निर्णय उनकी सेहत को देखते हुए फिलहाल टाल दिया गया. अस्पताल द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, मंत्री अभी बेहोशी की अवस्था में हैं. चिकित्सकों का मानना है कि जब तक उनकी हालत में संतोषजनक सुधार नहीं होता, तब तक ऑपरेशन करना जोखिम भरा हो सकता है. हालांकि, उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है.

झारखंड में शराब दुकानों की बंदोबस्ती की प्रक्रिया आज से

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य में उत्पाद नीति 2025 के तहत शराब की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती प्रक्रिया कल से शुरू होगी. सरकार की ओर से इससे संबंधित आदेश गुरुवार को कल जारी किया जाएगा. साथ ही दुकानों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए कल से वेबसाइट पर आवेदन दिया जा सकेगा. शराब की खुदरा बिक्री के लिए निर्धारित दुकानों के लिए आवेदन देने के लिए वेब साइट तैयार कर लिया गया है.

लॉटरी के लिए बनाये गये वेबसाइट (exciselottery.jharkhand.gov.in) को गुरुवार से आम लोगों के लिए खोल दिया जायेगा. इस वेबसाइट पर दुकानों से संबंधित जानकारी होगी. साथ ही लोग इसके लिए अपना आवेदन दे सकेंगे. इसके बाद जिला स्तर पर दुकानों की बंदोबस्ती की जाएगी. बंदोबस्ती की प्रक्रिया को 20-22 अगस्त तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है. उत्पाद नीति के तहत शराब की खुदरा बिक्री विभिन्न जिलों के लिए निर्धारित दुकानों में होगी. सरकार ने उत्पाद नीति के तहत राज्य में कुल 1343 दुकानें चिह्नित की है. दुकानों की यह संख्या उत्पाद नीति 2022 में निर्धारित दुकानों की संख्या से कम है. उत्पाद नीति 2022 के तहत राज्य में शराब की खुदरा बिक्री के लिए 1453 दुकानें चलायी जा रही थी. इन्हें प्लेसमेंट एजेंसियों से वापस लेकर फिलहाल JSBCL के माध्यम से चलाया जा रहा है.

चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता की अपील खारिज, सजा बरकरार

शुभम संदेश। रांची

रांची के अपर न्यायायुक्त एके तिवारी की अदालत ने बुधवार को चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता कांके थाना क्षेत्र निवासी लालू जॉब की अपील को खारिज कर दिया है. अदालत ने इसी मामले में निचली अदालत के जरिए सुनाई गई छह महीने की साधारण कारावास की सजा और जुर्माना को भी बरकरार रखा है.

अपर न्यायायुक्त की अदालत ने अपील खारिज करने के साथ ही पहले से मिली जमानत भी रद्द कर दी है. आरोपित लालू को ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है. यह मामला वर्ष 2022 का है, जब लालू ने शिकायतकर्ता मनोज कुमार सिंह को 2,50,000 (ढ़ाई लाख) रुपये का चेक सौंपा था. चेक पंजाब नेशनल बैंक, एचईसी शाखा, धुर्वा से जारी किया गया था. शिकायतकर्ता ने उसे 14 सितंबर 2022 को बैंक में जमा किया, लेकिन अपर्याप्त राशि के कारण चेक 15 सितंबर 2022 को बाउंस हो गया. इसके बाद शिकायतकर्ता ने 22 सितंबर 2022 को नोटिस भेजा, लेकिन आरोपित की ओर से कोई जवाब नहीं मिला. उल्लेखनीय है कि 04 सितंबर 2024 को न्यायिक दंडाधिकारी एकता सक्सेना ने आरोपित लालू जॉब को दोषी ठहराते हुए छह महीने की सजा सुनाई थी. लालू जॉब पर 3.5 लाख का मुआवजा और 5,000 का जुर्माना भी लगाया था. लालू ने इस सजा के खिलाफ अपर न्यायायुक्त की अदालत में अपील की थी. लेकिन अदालत ने उसकी अपील को खारिज करते हुए सजा के साथ-साथ मुआवजा और जुर्माना भी बरकरार रखा है.

वोटर पुनरीक्षण से दलित, मजदूर, किसान, कमजोर वर्ग मताधिकार से वंचित हो जाएंगे : कैलाश यादव

रांची। झारखंड प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने चुनाव आयोग द्वारा वोटर पुनरीक्षण कार्यक्रम पर सवाल उठते हुए कहा कि बिहार में 65 लाख वोटर इस बार चुनाव में अपना मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकेंगे. विदित हो कि विगत लोकसभा

चुनाव के दौरान बिहार से हटाए गए सभी 65 लाख लोगों ने वोट दिया था. यादव ने कहा, एसआईआर के नाम पर चुनाव आयोग भाजपा का काम कर रही है, लाखों शिकायतें और लगातार विपक्षी दलों के सवाल के बावजूद चुनाव आयोग हठधर्मिता पर अड़ा हुआ है, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अत्यंत चिंता का विषय है. यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इशारे में चुनाव आयोग को बताया था कि लोगों का आधार, राशन कार्ड की मान्यता रहने पर विचार करना चाहिए, लेकिन इसे नजरअंदाज कर आयोग एसआईआर लागू करने में सफल रहा. यादव ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों एसआईआर को लेकर ठप है, लेकिन मोदी सरकार इस पर चर्चा करना नहीं चाहती है. देश की संवैधानिक व्यवस्था को ताक पर रख चुनाव आयोग एसआईआर लागू कर भाजपा को खुश करने का काम कर रही है. निश्चित रूप से वोटर लिस्ट पुनरीक्षण से समाज में बिखराव आएगा और इससे दलित, मजदूर, किसान, कमजोर वर्ग बड़े पैमाने पर प्रभावित होंगे.

जमीन घोटाला मामला

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

शुभम संदेश। रांची

जमीन घोटाले में फंसे रांची के पूर्व उपायुक्त और आ ई ए ए स अधिकारी छवि रंजन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की एकल पीठ ने बुधवार को यह फैसला सुनाया. इससे पहले 25 जुलाई को कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था.निचली अदालत से बेल याचिका खारिज होने के बाद छवि रंजन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. यह मामला रांची के बरियातू (बड़गाईं अंचल) क्षेत्र में स्थित सेना की जमीन से जुड़ा है, जिसे फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से निजी व्यक्तियों को बेचने का आरोप है.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छवि रंजन सहित 12 लोगों के खिलाफ इस घोटाले में चार्जशीट दाखिल की है. इनमें उनके अलावा कारोबारी विष्णु अग्रवाल, राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित फर्जी रैयत प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान, मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के नाम शामिल हैं. ईडी का कहना है कि जाली दस्तावेजों के जरिए सेना की जमीन को निजी लोगों के नाम पर कर करोड़ों रुपये के अवैध सौदे किए गए.

पर्व-त्योहार: रक्षाबंधन पर सखी मंडल की महिलाएं बना रही हैं आकर्षक राखियां

बढ़ा रहीं स्वरोजगार के अवसर, बनीं आकर्षण का केंद्र

शुभम संदेश। रांची

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर झारखंड की ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक और जैविक सामग्रियों से सुंदर राखियाँ तैयार कर रही हैं, जो इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. राज्य के विभिन्न जिलों—रांची, हजारीबाग, पलामू, गिरिडीह, धनबाद, कोडरमा और खूंटी में जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल की महिलाएं राखी निर्माण कर रही हैं. उन्हें प्रशिक्षण देकर 'पलाश' ब्रांड के तहत अपने उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने का मंच प्रदान किया गया है. इससे न केवल उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिल रहा है, बल्कि आत्मनिर्भरता

और आर्थिक मजबूती की ओर भी एक ठोस कदम उठाया गया है.इन महिलाओं द्वारा बनाई जा रही राखियां पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक सामग्रियों से बनी होती हैं. धान, चावल, मौली, सूती और रेशमी धागे, बुरादा, हल्दी, मोती आदि जैसी सामग्रियों से तैयार की गई 20 से 25 तरह की हस्तनिर्मित राखियां स्थानीय बाजारों में विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. 'पलाश' ब्रांड के जरिए इन महिलाओं को एक नई पहचान मिली है और उनकी आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है. यह पहल पारंपरिक शिल्प को जीवित रखने और ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है.

खूंटी जिले की सखी मंडल से जुड़ी महिलाएं इस वर्ष 'अदिवा' ब्रांड के तहत विशेष प्रकार की चांदी और ऑक्सीडाइज़्ड राखियां बना रही हैं. इन राखियों की कीमत 150 से 200 रुपए (ऑक्सीडाइज़्ड) और 800 से 1200 रुपए (चांदी) तक है. इन डिज़ाइनों में पारंपरिक कला और आधुनिक आकर्षण का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है, जिससे ये राखियां उपभोक्ताओं के बीच खासा पसंद की जा रही हैं. ये राखियां रांची के हेहल स्थित जेएसएलपीएस कार्यालय में संचालित पलाश मार्ट और राज्य के अन्य जिला मुख्यालयों में विशेष स्टॉल के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं.

'पलाश ब्रांड' को ग्रामीण उत्पादों के लिए एक मजबूत पहचान के रूप में देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सितंबर 2020 में लॉन्च किए गए इस ब्रांड के अंतर्गत अब तक 30 से अधिक उत्पाद बाजार में लाए जा चुके हैं. पिछले वर्ष गोड्डा, पलामू, बोकारो, सिमडेगा और धनबाद जिलों की 115 सखी मंडल इकाइयों ने राखियों की बिक्री से लगभग 10 लाख की आमदनी की थी. इस वर्ष भी महिलाओं को बेहतर बिक्री और आमदनी की आशा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिला भागीदारी को नई दिशा दे रही है.

सहायक आचार्यों की परीक्षा में सफल 129 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति के लिए आयोग की ओर से कक्षा छह से आठवीं के सफल घोषित अभ्यर्थियों की जिला स्तरीय काउंसिलिंग आठ अगस्त को दो पालियों में होगी.

रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग समाहरणालय भवन, ए ब्लॉक कमरा संख्या जी-14 और जी-15 में होगी. सफल घोषित और अनुशंसित कुल 129 अभ्यर्थियों की सूची और जांच-पत्रक, दिशा-निर्देश एवं शेडयूल दिया गया है, जो जिले

के अधिकारिक बेबसाईट www.ranchi.nic.in पर भी उपलब्ध है. उन्होंने बताया कि जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर विभाग की ओर से सफल घोषित 129 अभ्यर्थियों की सूची अधिकारिक बेबसाईट पर उपलब्ध करवा दी गयी है. जिला शिक्षा अधीक्षक ने सफल अभ्यर्थियों से अपील की है कि जांच-पत्रक को सही-सही भरकर काउंसिलिंग की तिथि और निर्धारित समय पर अपने सभी शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण-पत्र सहित (दो प्रति) में स्वः अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित हों. उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों को क्रम विन्यास के अनुसार दो फोल्डर के साथ काउसिंलिग में आने का निर्देश दिया है. उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी फोल्डर के ऊपरी भाग में साफ-साफ बड़े अक्षरों में सफल घोषित और अनुशंसित अभ्यर्थियों का नाम, पिता का नाम, क्रमांक, कोटि और विषय आवश्यक रूप से लिखें. इस संबंध में सफल घोषित अभ्यर्थियों को उनके वाट्सएप, एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया गया है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 07 अगस्त 2025 I श्रावण शुक्ल पक्ष 13, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 121 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

बोकारो के कलाकार ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

बालू पर उकेरीं गुरुजी की भावुक यादें

शुभम संदेश I बोकारो

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रखर नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन का मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया. वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका निधन हो गया था. उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है. शिबू सोरेन को पूरे देश से लोग अपने-अपने अंदाज़ में श्रद्धांजलि दे रहे हैं. इसी क्रम में बोकारो के प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो ने अपनी कला के ज़रिए उन्हें एक खास और भावुक श्रद्धांजलि दी. उन्होंने चंदनक्यारी के दामोदर नदी के किनारे बालू पर दिशोम गुरु की खूबसूरत आकृति उकेरकर उन्हें नमन किया.

यह कलाकृति न सिर्फ देखने वालों को भावुक कर गई, बल्कि दिशोम गुरु के संघर्षों और आदिवासी समाज के लिए किए गए योगदान को भी एक नई पहचान दी. बालू पर उभरी यह छवि, न सिर्फ एक कलाकार की ओर से श्रद्धांजलि है, बल्कि झारखंड के जननेता को जन-जन से जोड़ने वाला एक भावनात्मक माध्यम भी बन गई है.

अजय शंकर महतो ने कहा, ₹दिशोम गुरु न होते तो शायद झारखंड का अस्तित्व न होता. यह मेरी छोटी-सी कोशिश है उन्हें नमन करने की.₹ शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और जनसेवा की मिसाल रहा है. झारखंड और आदिवासी समाज के लिए उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा.

झारखंड में फिर सक्रिय हुआ मानसून

कई जिलों में चार दिन तक भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी

शुभम संदेश I रांची

झारखंड में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है. बीते दो दिनों तक बारिश की रफ्तार धीमी रही, लेकिन अब मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है. 7 अगस्त से राज्य में तेज बारिश के आसार हैं और कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है.

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर

मौसम विभाग के अनुसार, बांग्लादेश के उत्तरी हिस्से और उससे सटे क्षेत्रों में ऊपरी वायुमंडल में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है. इसका प्रभाव झारखंड में देखने को मिलेगा और बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी. राजधानी रांची में 1-2 बार बारिश की संभावना जताई गई है.

इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

7 अगस्त से पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, बोकारो और धनबाद जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश, आंधी-तूफान और वज्रपात की चेतावनी दी गई है. इन इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. इसके अलावा आठ अगस्त को राज्य के दक्षिण पूर्वी और उत्तर पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है. इन स्थानों में भी कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है.

बीते 24 घंटे में कहां कितनी बारिश हुई

- जमशेदपुरः 41.6 मिमी
- गोड्डाः 37 मिमी
- दुमकाः 25.2 मिमी
- धनबादः 19.4 मिमी

1 जून से 5 अगस्त तक झारखंड में कुल 810.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य (559.8 मिमी) से 45% अधिक है। रांची में अब तक 1010.5 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 74% ज्यादा है.

तापमान में भी वृद्धि

बारिश में आई कमी के चलते तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से ढाई डिग्री ज्यादा है. सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 37.4 डिग्री दर्ज किया गया.

ब्रीफ न्यूज

पलामूः नदी में नहाने के दौरान डूबा बच्चा, मौत

मेदिनीनगर I जिले के पांडू प्रखंड क्षेत्र के कजरूखुर्द गांव में बुधवार सुबह एक हादसे में छह वर्षीय मासूम की नदी में डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान इंदल सिंह के रूप में हुई है, जो अजित सिंह का पुत्र था. मिली जानकारी के अनुसार इंदल सिंह अपने दोस्तों के साथ गांव के पास बह रही बांकी नदी में नहाने गया था. नहाने के दौरान गहराई का अंदाज़ा न लग पाने के कारण वह पानी में डूबने लगा और बहते हुए लगभग एक किलोमीटर दूर चला गया. गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी, तो तत्काल उसे पानी से बाहर निकाला गया और पांडू स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर है. सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया.

प्रेमी युगल ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर I जिले में बुधवार सुबह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक प्रेमी युगल ने जंगल के एक पेड़ से लटककर खुदकुशी कर ली. यह घटना पटमदा थाना के पोकलाबेड़ा गांव के पास बुधवार को घटी, जहां दोनों के शव एक नीम के पेड़ पर अलग-अलग दुपट्टों के सहारे लटकते पाए गए. शवों से बदबू आने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत दो दिन पहले ही हो चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही पटमदा थाना प्रभारी करमपाल भगत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा. पुलिस ने युवक के परिजनों से पूछताछ कर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतकों की पहचान पोकलाबेड़ा गांव निवासी देवेंद्र नाथ सिंह के पुत्र जामिनी सिंह (25) और गाड़ीग्राम निवासी एक महिला के रूप में हुई है, जो पहले से विवाहित थी और अपनी तीन वर्षीय बच्ची को छोड़कर लगभग तीन महीने पहले घर से भाग गई थी. दोनों जमशेदपुर में दिहाड़ी मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे थे.

70 से ज्यादा संगीन मामलों में शामिल 15 लाख का इनामी

मोस्ट वांटेड मार्टिन केरकेट्टा पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

शुभम संदेश I गुमला

झारखंड पुलिस को नक्सल अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के चंगाबारी बनटोली जंगल में मुठभेड़ में पीएलएफआई के रीजनल कमांडर मार्टिन केरकेट्टा को मार गिराया. जंगल में मंगलवार दोपहर से ही पीएलएफआई उग्रवादियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ चल रही थी. वहीं, रीजनल कमांडर मार्टिन केरकेटा के मारे जाने की खबर देर रात मिली. उस पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था. एसपी हारिस बिन जमां को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के शीर्ष कमांडर मार्टिन केरकेट्टा अपने साथियों के साथ इलाके में मौजूद है. सूचना के आधार पर बसिया के एसडीपीओ नाजिर अख्तर के नेतृत्व में सैट, क्यूआरटी व अन्य थानों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की. इसी दौरान उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में मार्टिन केरकेटा मारा गया. पुलिस ने घटनास्थल से एक 5.76 मिमी पिस्तौल, जिंदा गोलियां और उग्रवादी साहित्य बरामद किया.

बता दें कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के जेल जाने के बाद से मार्टिन केरकेट्टा ही पूरे संगठन को ऑपरेट कर रहा था. मार्टिन केरकेटा गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के रेड़वा चुवाटोली गांव का रहने वाला था. उस पर झारखंड के गुमला, सिमडेगा, खूंटी, चाईबासा, रांची व अन्य जिलों में कुल 70 से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज थे. इनमें हत्या, पुलिस पर हमला, रंगदारी, आगजनी, अपहरण, आर्म्स एक्ट व विस्फोटक अधिनियम से जुड़े कई मामले शामिल हैं. अकेले कामडारा थाना में ही उस पर 30 से अधिक केस थे. इस एनकाउंटर को एसपी हारिस बिन जमां ने सुरक्षा बलों की बड़ी उपलब्धि बताया है. मार्टिन की मौत से पीएलएफआई को बड़ा झटका लगा है. उसके मारे जाने के बाद संगठन में कमर टूट गयी है. इलाके में अन्य उग्रवादियों की तलाश में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. खूंटी पुलिस ने पीएलएफआई के कुख्यात नक्सली मार्टिन केरकेट्टा के घर और ससुराल में छापेमारी की थी. यह कार्रवाई पिछले साल 9 अगस्त 2024 को हुई थी. तलाशी के दौरान पुलिस ने कई सामान भी बरामद किए थे, लेकिन मार्टिन केरकेट्टा पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका था.

7 जिलों में आतंक का पर्याय था 15 लाख का इनामी उग्रवादी मार्टिन केरकेट्टा

शुभम संदेश I रांची

पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के कमांडर 15 लाख इनामी मार्टिन केरकेट्टा को गुमला पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया. वह झारखंड के सात जिलों में आतंक का पर्याय बना हुआ था. जिनमें खूंटी, गुमला, रांची, सिमडेगा, चाईबासा, चतरा और हजारीबाग जिला शामिल है. इन सभी जिलों में उसके खिलाफ कुल 62 मामले दर्ज है. पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के पकड़े जाने के बाद यह संगठन को लीड कर रहा था.

दिनेश गोप के बचपन का साथी था, साथ पढ़ाई भी की : मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था. लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था. पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी. दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था. मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथी थे. दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे. बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया.

मार्टिन केरकेट्टा के निशाने पर थे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो

मार्टिन केरकेट्टा के निशाने पर आजसू सुप्रीमो झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो थे. इसकी सूचना खुफिया विभाग ने भी झारखंड पुलिस से साझा की थी. पूर्व में गिरफ्तार पीएलएफआइ के दस लाख के इनामी जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप ने भी पुलिस की पूछताछ में इसका खुलासा किया था. रांची पुलिस ने तिलकेश्वर गोप को 25 जनवरी 2023 को अनगड़ा थाना क्षेत्र के जोन्हा इलाके से पकड़ा था. पुलिस ने तिलकेश्वर के साथ एक अन्य माओवादी सूरज गोप को भी गिरफ्तार किया था. सुदेश महतो को उग्रवादियों ने निशाने पर क्यों रखा था, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं हो पाई है. बताया जा रहा है कि इसका राजनैतिक कारण था. हालांकि अब मार्टिन के मारे जाने के बाद आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का भी खतरा टल गया है.

जमशेदपुर में शूटआउट!

अपराधियों ने बरसाईं गोलियां, युवक गंभीर

शुभम संदेश I जमशेदपुर

शहर के परसुडीह थाना क्षेत्र में एक बार फिर गोलियों की गूंज सुनाई दी. अज्ञात अपराधियों ने एक युवक रवि यादव पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना तब हुई जब रवि किसी काम से इलाके में निकला था. पुलिस के अनुसार, रवि यादव को चार गोलियां लगी हैं. स्थानीय लोगों ने उसे पहले सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) रेफर किया गया, जहां वह आईसीयू में भर्ती है. डॉक्टरों ने उसकी हालत को नाजुक बताया है.

हमलावरों ने पहले से रची थी साजिश : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर पहले से इलाके में घात लगाए बैठे थे. रवि के आते ही उस पर दो अलग-अलग हथियारों से फायरिंग शुरू कर दी गई. पुलिस ने मौके से चार राउंड गोली के खोखे बरामद किए हैं. डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकीर आलम ने बताया कि रवि यादव एक माह पहले ही जेल से छूटकर बाहर आया था. पुलिस फिलहाल सभी संभावित एंगल से जांच कर रही है, जिसमें पुरानी रंजिश और आपराधिक कनेक्शन भी शामिल हैं.

इलाके में दहशत पुलिस की जांच जारी

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों के बीच डर और गुस्सा दोनों देखने को मिल रहा है. फिलहाल, पुलिस सीसीटीवी फुटेज, लोकल इन्फॉर्मर्स और अन्य माध्यमों से अपराधियों की पहचान करने में जुटी है. जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है.

बराकर पुल के पास दो कारें बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त, कई घायल

शुभम संदेश I धनबाद

गिरिडीह-डुमरी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 114ए पर बराकर पुल के समीप बीती रात एक बार फिर बड़ा सड़क हादसा हो गया. पुल के निकट 2 चारपहिया वाहन, एक स्कॉर्पियो एसयूवी और एक मारुति सिडान तेज़ रफ्तार के कारण पेड़ से टकराकर बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गए. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा देर रात उस वक्त हुआ जब स्कॉर्पियो पहले असंतुलित होकर पेड़ से टकराई और उसके कुछ ही क्षण बाद पीछे से आ रही सिडान भी उसी स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो काले रंग की थी जबकि सिडान उत्तर प्रदेश नंबर की सफेद रंग की गाड़ी थी.

मौके के पास चाय की दुकान चलाने वाली एक महिला ने बताया कि रात में तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी. जब बाहर निकल कर देखा तो दोनों वाहन दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में थे और सवार लोग घायल हो चुके थे. स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया. गौरतलब है कि इसी पुल के समीप कुछ दिन पहले भी दो वाहन आपस में टकरा गए थे, जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़क के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर लगाए गए थे. बावजूद इसके दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं.

पति ने पत्नी व दो बच्चों की बेरहमी से की हत्या, सरेंडर किया

साहिबगंज I जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. जहां बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से मारकर बेहरमी से हत्या कर दी गई. जमीन विवाद को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया. बजल हेम्ब्रम नाम के एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार के सदस्यों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. इस हमले में उसकी पत्नी निर्मला हेम्ब्रम (उम्र 40), बेटा बाबू हेम्ब्रम (उम्र 17) और बेटी सुनैना हेम्ब्रम (उम्र 13) की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों के शरीर पर कई गहरे घाव पाए गए हैं. इस घटना को अंजाम देने के बाद, आरोपी बजल हेम्ब्रम ने खुद को तालझारी थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया. उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की पूछताछ जारी है. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इस हत्याकांड से जुड़ी हर कड़ी को जोड़ने और घटना के पीछे के पूरे सच का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. पुलिस ने गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और स्थिति को नियंत्रण में रखा गया है.

पलामू में ब्लू ड्रम के बाद अब जंगल कांड!

16 साल की लड़की ने कर दी अपने ही पति की हत्या

शुभम संदेश I मेदिनीनगर

पलामू जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने अपने प्रेमी से शादी करने की चाह में अपने पति की हत्या कर दी. पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि लड़की ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति को 31 जुलाई को मारने की साजिश रची थी. यह वारदात नवाजयपुर थाना क्षेत्र के सिंजों गांव की है. जानकारी के अनुसार, लड़की की शादी 22 जून को सरफराज नामक युवक से हुई थी, लेकिन शादी के बाद दोनों साथ नहीं रह रहे थे. नाबालिग पत्नी अपने पुराने प्रेमी से शादी करना चाहती थी, लेकिन घरवालों ने जबरन दूसरी जगह उसकी शादी करवा दी थी.

पत्नी गिरफ्तार, प्रेमी फरार : पुलिस ने नाबालिग पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया है. आरोपी प्रेमी की गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

हत्या की रची गई थी पूरी साजिश

पुलिस के मुताबिक, आरोपी लड़की ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर सरफराज को जंगल में बुलाया और धोखे से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी. युवक की पहचान लातेहार जिले के दही गांव निवासी सरफराज खान के रूप में हुई है. उसकी हत्या पत्थरों से कुचल कर की गई और फिर शव को पत्तों से ढककर जंगल में फेंक दिया गया.

वर्ल्ड बोसिया बॉल चैंपियनशिप : लोहरदगा के सुमन पर टिकीं दुनिया की निगाहें

ऑस्ट्रेलिया में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, दिखाएंगे दम

शुभम संदेश I लोहरदगा

लोहरदगा के लाल ने किया कमाल - यह कहावत एक बार फिर सच साबित हुई है. ज़िले के कुटमु गांव के रहने वाले 27 वर्षीय सुमन प्रजापति ने बोसिया बॉल खेल में न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है. वे झारखंड के एकमात्र बोसिया खिलाड़ी हैं जिन्हें नवंबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में होने वाली वर्ल्ड बोच्चिया बॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है.

सुमन का यह सफर कठिनाइयों और संघर्षों से भरा रहा है. वर्ष 2016 में एक हादसे में पेड़ से गिरने के कारण उन्हें स्पाइनल इंजरी हुई, जिससे वे 75 प्रतिशत तक दिव्यांग हो गए. उनके हाथ-पैरों ने काम करना बंद कर दिया और वे सी-लेवल की दिव्यांगता श्रेणी में आ गए. लेकिन हिम्मत, जुनून और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने अपनी किस्मत खुद लिखी.

सुमन को बोसिया बॉल की जानकारी उनके दिव्यांग मित्र अजय से मिली. यह खेल उनके लिए एक नई उम्मीद लेकर आया, लेकिन इसकी शुरुआत भी आसान नहीं थी. बोसिया बॉल की कीमत करीब 1.30 लाख रुपये थी, जो उनके लिए एक और बड़ी चुनौती बन गई. इस मुश्किल घड़ी में जिला प्रशासन की पहल और हिंडाल्को (आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी) के सीएसआर फंड से उन्हें सहायता मिली. दक्षिण कोरिया से मंगाई गई बोसिया बॉल की मदद से सुमन ने अभ्यास शुरू किया.

उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2024 और 2025 की नेशनल बोच्चिया चैंपियनशिप में दो-दो सिल्वर मेडल जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई. अब उनका अगला लक्ष्य 2026 के एशियन गेम्स और 2028 के पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है.

सुमन का यह सफर न केवल प्रेरणादायक है बल्कि यह बताता है कि संकल्प, समर्थन और सही मार्गदर्शन हो तो कोई भी मुश्किल पहाड़ नहीं होती. लोहरदगा का यह युवा अब ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत का तिरंगा ऊंचा करने को तैयार है.

क्या है बोसिया खेल

बोसिया बॉल एक इनडोर खेल है जिसे विशेष रूप से शारीरिक रूप से अक्षम लोगों, खासकर सेरेब्रल पाल्सी या व्हीलचेयर उपयोग करने वाले खिलाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है. इस खेल में खिलाड़ी लाल या नीली रंग की छह-छह गेंदों का उपयोग करते हैं और उन्हें एक सफेद गेंद, जिसे 'जैक बॉल' कहा जाता है, के पास फेंकने की कोशिश करते हैं. खेल का उद्देश्य यह होता है कि आपकी गेंद जैक बॉल के सबसे नज़दीक रहे. यह खेल व्यक्तिगत रूप से (1 खिलाड़ी), युगल (2 खिलाड़ी), या टीम (3 खिलाड़ी) के रूप में खेला जा सकता है. खिलाड़ी गेंद को हाथ से, पैर से या एक विशेष उपकरण की मदद से फेंक सकते हैं. खेल कई राउंड में खेला जाता है और हर राउंड के अंत में यह देखा जाता है कि किसकी गेंद जैक बॉल के सबसे करीब है, उसी के आधार पर अंक दिए जाते हैं. बोसिया न केवल एक शारीरिक खेल है बल्कि इसमें रणनीति, धैर्य और एकाग्रता की भी बहुत आवश्यकता होती है. यह खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरालंपिक खेलों में भी शामिल है और दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का अवसर प्रदान करता है.

राहुल गांधी को चाईबासा की विशेष अदालत से मिली सशर्त जमानत

अब चलेगा ट्रायल, कांग्रेस नेता लौटे दिल्ली

शुभम संदेश I चाईबासा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी को पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सिविल कोर्ट स्थित एमपी-एमएलए की विशेष अदालत से राहत मिल गयी है. अदालत ने उन्हें चेट स्पीच मामले में सशर्त जमानत दे दी है. एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में बुधवार को राहुल गांधी की यह पेशी वर्ष 2018 के एक विवादास्पद भाषण को लेकर दर्ज हेट स्पीच और मानहानि के मुकदमे के सिलसिले में हुई.

राहुल की पेशी विशेष जज सुप्रिया रानी तिग्गा की कोर्ट में हुई. राहुल गांधी के वकील प्रदीप चंद्रा और दीपांकर रॉय ने कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी, जिसे मंजूर कर लिया गया. कोर्ट ने राहुल गांधी को उक्त मामले में निजी मुचलके पर बेल दे दी. उन्हें ट्रायल में सहयोग करने की शर्त पर राहत दी गई है. अब इस मामले में नियमित रूप से ट्रायल चलेगा. कोर्ट से राहत मिलने के बाद कांग्रेस नेता चाईबासा से हेलीकॉप्टर से रांची आए और विमान से दिल्ली लौट गए. बता दें कि राहुल गांधी मंगलवार को ही शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने रांची पहुंचे थे. बुधवार सुबह रांची से हेलीकॉप्टर से चाईबासा कोर्ट में पेश होने पहुंचे थे.

यह मामला 28 मार्च 2018 को दिल्ली में आयोजित एआईसीसी के सेशन में दिए गए राहुल गांधी के भाषण से जुड़ा है. आरोप है कि उन्होंने उस कार्यक्रम में भाजपा व उसके नेताओं को हत्यारा और झूठा जैसे शब्दों से संबोधित किया था. इस पर आपत्ति जताते हुए भाजपा नेता प्रताप कुमार कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा सीजेएम कोर्ट में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि व भड़काऊ भाषण का केस दर्ज कराया था. प्रारंभिक सुनवाई के बाद फरवरी 2020 में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर यह मामला रांची की स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित कर चाईबासा की विशेष अदालत में भेजा गया. चाईबासा की कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए राहुल को समन जारी किया, लेकिन उनकी ओर से बार-बार पेशी से छूट की अर्जी दी गई. तय तिथि पर न आने पर पहले जमानती और फिर गैर-जमानती वारंट जारी किया गया. इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन यह याचिका निरस्त कर दी गई.

संत जेवियर्स कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सैकत बनर्जी फिक्की पब्लिकॉन-2025 में सम्मानित हुए

शुभम संदेश। रांची

झारखंड और संत जेवियर्स कॉलेज, रांची के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सैकत बनर्जी को फिक्की पब्लिकॉन 2025 के अंतर्गत आयोजित फिक्की पब्लिशिंग अवाड्र्स में 'नॉन-फिक्शन' श्रेणी के लिए प्रतिष्ठित जूरी सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया. यह भव्य आयोजन फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा मंगलवार को फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में किया गया था. इस वर्ष का सम्मेलन " पब्लिकॉन 2025: शोध और नवाचार में प्रकाशकों की भूमिका" विषय पर आधारित था, जो अकादमिक और व्यावसायिक प्रकाशन जगत के विभिन्न हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान करता है. फिक्की का यह वार्षिक आयोजन प्रकाशन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया जाता है, जिसमें लेखक, संपादक, मुद्रक, डिजिटल प्रकाशक, और उद्योग से जुड़े अन्य विशिष्ट जन भाग लेते हैं.

डॉ. बनर्जी को "वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक पुस्तक" श्रेणी के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में चुना गया.यह सम्मान पूरे देश से केवल छह विशेषज्ञों को प्रदान किया गयाय उनका चयन उनकी गहन अकादमिक दृष्टि, समकालीन साहित्य में आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि तथा भारतीय प्रकाशन क्षेत्र में उनके सशक्त योगदान को दर्शाता है.

इस अवसर पर डॉ. बनर्जी को सम्मान-पत्र एवं विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया. समारोह में यह सम्मान उन्हें सीएसआईआर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की ' उत्कृष्ट वैज्ञानिक' डॉ. रंजना अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया. यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, बल्कि झारखंड राज्य की शैक्षणिक उत्कृष्टता के बढ़ते कद को भी उजागर करती है.

सम्मान प्राप्त करने के उपरांत डॉ. बनर्जी ने कहा कि "एक राष्ट्रीय मंच पर योगदान देना, जो साहित्यिक गुणवत्ता और बौद्धिक सहभागिता का उत्सव मनाता है, मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है. यह केवल मेरी नहीं, बल्कि समूचे अकादमिक समुदाय की मान्यता है."

कार्यक्रम का विषय "शोध और नवाचार में प्रकाशकों की भूमिका" आज के ज्ञान-आधारित समाज में अत्यंत प्रासंगिक है. इस विषय के माध्यम से सम्मेलन ने यह रेखांकित किया कि कैसे प्रकाशक न केवल ज्ञान के संवाहक हैं, बल्कि वे नवाचार, अनुसंधान की गुणवत्ता और वैज्ञानिक संवाद को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं. प्रकाशन जगत के इन बहुआयामी योगदानों को रेखांकित करना ही इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नेमरा आवास में गांव के लोगों के साथ की बैठक

तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म को लेकर की चर्चा

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को अपने पैतृक आवास नेमरा में गांव वासियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंत्येष्टि कार्यक्रम के उपरांत होने वाले अनुष्ठान को लेकर ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा की. इस मौके पर गांव वासियों ने तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म को लेकर मुख्यमंत्री के साथ कई स्थानीय परंपरा से संबंधित अनुभवों को साझा किया एवं सुझाव दिए. मुख्यमंत्री ने भी दस कर्म दिवस की तैयारियों का जायजा लिया. मौके पर ग्रामीणों ने गुरुजी के अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें यादकर अपनी संवेदना जताई और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की.

अग्रसेन जयंती महोत्सव कार्यालय का उद्घाटन

रांची। अग्रवाल सभा, रांची के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 49वां श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं. सभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने बुधवार को जयंती महोत्सव कार्यालय का उद्घाटन और विवरणिका (ब्रोशर) का विमोचन किया गया. नंदकिशोर पाटोदिया ने इस अवसर पर कहा कि महोत्सव का शुभारंभ 10 अगस्त (रविवार) को हरमू रोड स्थित गौशाला में गौ-सेवा के साथ होगा. यह आयोजन 5 अक्टूबर तक चलेगा और विभिन्न कार्यक्रम महाराजा अग्रसेन भवन में संपन्न होंगे. उन्होंने बताया कि 17 अगस्त से 14 सितंबर तक अग्रवंशीय बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा.

देशव्यापी अभियान के तहत 12 लाख रक्षा सूत्र सशस्त्र बलों को समर्पित किया

रक्षा सूत्र बांधे जाने पर सैनिकों के इरादे और मजबूत होंगे : संजय सेठ

शुभम संदेश। रांची

देशव्यापी अभियान "ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र" (थीमः तिरंगा, सिपाही और मेरा देश) के तहत महेन्द्र प्रताप सिंह राणा, सिपाही प्रमुख और अध्यक्ष, पूर्व सैनिक महासभा ने 12 लाख रक्षा सूत्र (राखी) भारतीय सशस्त्र बलों को ससम्मान समर्पित किया. कार्यक्रम का आयोजन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह वाइस चीफ ऑफ़ आर्मी की उपस्थिति में हुआ. अभियान कारगिल विजय दिवस के अवसर पर औपचारिक रूप से शुरू किया गया था. इसका उद्देश्य भारत के वीर सैनिकों की शहादत और सेवा को सम्मान देना है. हर राखी देश की मिट्टी से तिलक की गई है और उसके साथ नागरिकों, विशेषकर छात्रों और स्वयंसेवकों द्वारा लिखा गया संकल्प पत्र भी है, जिसमें सैनिकों के प्रति आभार और देशभक्ति का भाव व्यक्त किया गया है.

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद, ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र देशवासियों की तरफ से सैनिकों को बहनों के प्रेम और सम्मान का भावपूर्ण संदेश है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा यह बहुत ही सराहनीय कार्य है. ऑपरेशन सिंदूर के बाद लोगों में यह भाव जागृत हुई कि यह एक भाई-बहन का प्यार है, जो सैनिक माइनस 20- 25 डिग्री में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं, उनको देश की बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधे जाने पर उनके इरादे और मजबूत होंगे और हमारे देश के जवान और दृढ़ता के साथ अपनी देश की सेवा में अपना योगदान देंगे. इस कार्य के लिए महेंद्र प्रताप सिंह राणा को ढेर सारी शुभकामनाएं.

2023 में शुरू हुआ था यह अभियान

यह अभियान 2023 में शुरू हुआ था और अब तक 15 लाख से अधिक नागरिक संकल्प जमा हो चुके हैं. वर्ष 2025 में इसका लक्ष्य 21 लाख रक्षा सूत्र सेना को समर्पित करना है.ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र सेवा, बलिदान और एकजुटता की भावना में देश की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं. ये दोनों अभियान विकसित भारत @2047 की सोच के अनुरूप हैं, जो राष्ट्रीय गौरव को मजबूत करते हैं, सैनिकों और नागरिकों के रिश्ते को गहरा करते हैं और पूरे देश में एकता व देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देते हैं.

राजधानी रांची के मंदिरों में बढ़ी चोरी की घटनाएं

महादेव टंगरा धाम से चोरों ने उड़ाई दानपेटी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

शुभम संदेश। रांची

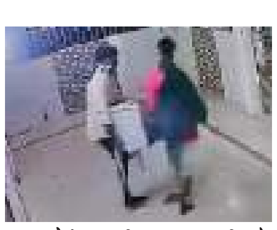

राजधानी रांची के मंदिरों को निशाना बनाकर हो रही चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला रातू थाना क्षेत्र के बिजुलिया स्थित महादेव टंगरा धाम मंदिर का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर से दानपेटी चोरी कर ली. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है. सीसीटीवी फुटेज में दो चोर साफ नजर आ रहे हैं, जिन्होंने अपने चेहरों को कपड़े से ढंक रखा था. रात के अंधेरे में मंदिर में दाखिल होकर उन्होंने दानपेटी को उठाया और फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर प्रबंधन ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई ह.

यह कोई पहली घटना नहीं है. बीते छह महीनों में रांची समेत झारखंड के विभिन्न मंदिरों में चोरी की कई वारदातें सामने आई हैं

- **जनवरी 2025 :** एटीआई मोड़ स्थित हनुमान मंदिर में ताले तोड़कर दानपेटी और पूजा सामग्री की चोरी.
- **जनवरी 2025 :** देवघर के जसीडीह स्थित पागल बाबा आश्रम मंदिर से चोरों ने चांदी की मूर्तियां, मुकुट और 1 लाख नकद चुरा लिया.
- **मार्च 2025 :** सुखदेवनगर क्षेत्र के त्रिशक्ति मंदिर में 15 हजार नकद और पूजा-पात्र चोरी.
- **हाल ही में :** चुटिया के त्रिलोकीनाथ महादेव मंदिर से भी दानपेटी चोरी की घटना दर्ज की गई.

सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल: इन घटनाओं ने मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. मंदिर प्रबंध समितियों की ओर से कई बार पुलिस गश्ती बढ़ाने और सीसीटीवी निगरानी मजबूत करने की मांग की गई है. कुछ मंदिरों ने निजी स्तर पर सुरक्षा के प्रयास तेज किए हैं, लेकिन प्रशासनिक सहयोग की कमी के चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है. रांची के मंदिरों में हो रही लगातार चोरियों से लोगों में भय और आक्रोश दोनों है. पुलिस प्रशासन को जल्द से जल्द इस पर ठोस कारवाई करनी होगी ताकि धार्मिक स्थलों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे.

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को सिविल कोर्ट परिसर में

रांची। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को सिविल कोर्ट परिसर में किया जाएगा. राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सुबह 10.30 बजे से मामलों के निपटारा तक होगा. लोक अदालत में जिन मामलों का निष्पादन होगा उनमें चेक बाउंस से संबंधित मामले, सुलहनीय प्रकृति के फौजदारी मामले, सभी तरह के दिवानी मामले, बिजली से जुडे मामले, राजस्व न्या यालय में लंबित मामले इसमें उपभोक्ता संरक्षण फोरम और सर्टिफिकेट केस के लंबित मामले, अंतिम प्रपत्र से संबंधित मामले, श्रम से जुडे मामले और मजदूरी के मामले, रेलवे न्याकयालय में लंबित मामलों के अलावा छोटे आपराधिक मामले जिनमें माप-तौल, वन विभाग, उत्पाद विभाग और ट्रैफिक चालान के मामले शामिल हैं. वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर झालसा और डालसा की ओर से तैयारियां की जा रही हैं.

लापुंग में 56 एकड़ जमीन का विवाद

पुलिस पर हमला और फायरिंग मामले में पूर्व नक्सली पुनय उरांव समेत छह को अग्रिम जमानत

शुभम संदेश। रांची

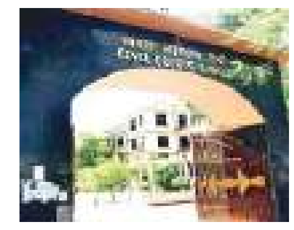

लापुंग थाना क्षेत्र के कोयनरा गांव में 56 एकड़ जमीन को लेकर हुए विवाद और पुलिस-ग्रामीण झड़प के मामले में अदालत ने पूर्व नक्सली पुनय उरांव उर्फ पवन समेत छह लोगों को अग्रिम जमानत दे दी है. अपर न्यायायुक्त संजीव झा की अदालत ने पुनय उरांव, बोने उरांव, चामा उरांव, सुमेश भगत, अनिल मुंडा और श्रवण उरांव को राहत दी. इनकी पैरवी अधिवक्ता ईश्वर दयाल ने की.

गौरतलब है कि ग्रामीणों का दावा है कि उक्त जमीन उन्हें रातू महाराज द्वारा खेती के लिए दी गई थी. इसी को लेकर तीन जून को ग्रामसभा बुलायी गयी थी, जिसका नेतृत्व पुनय उरांव कर रहे थे. ग्रामसभा की सूचना पर मौके पर पहुंचे लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव और पुलिस बल पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. इस दौरान झड़प में थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए. हालात बिगड़ने पर पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी, जिसमें एक ग्रामीण घायल हुआ.

घटना के बाद पुनय उरांव समेत 56 नामजद और करीब 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. एक मामला जमीन के पावर ऑफ अटॉर्नी होल्डर विष्णु लोहार की ओर से भी दर्ज कराया गया है. पुनय उरांव पर ग्रामीणों को भड़काने, पुलिस पर हमला करवाने और हिंसा फैलाने जैसे गंभीर आरोप हैं. पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है.

एक नजर

सदगुरु कृपा अपना घर आश्रम में 20 दिनों में 3580 निराश्रितों को भोजन कराया गया

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से विगत 19 माह से चल रहे मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में बुधवार को आश्रम के 37 मंदबुद्धि दिव्यांग और सेवादारों के बीच भोजन कराया गया. इस संबंध में अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में कुसुम तुलस्यान के सौजन्य से आयोजित इस आयोजन में, विगत 18 जुलाई से छह अगस्त तक 20 दिनों में 3580 निराश्रित के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया. इसमें जानवी कुमारी, संतोष कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, दीपांजलि कुमारी, संतोष शर्मा, स्वाति कुमारी, मुकुल कुमार, बृजेश सिमरन, निर्मल छावनिका, सिमरन अग्रवाल सहित अन्य के सौजन्य से सभी निराश्रितों को भोजन कराया गया. प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए. इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुर्णमल सर्राफ सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे.

मारवाड़ी युवा मंच दक्षिण शाखा के अध्यक्ष बने ऋषभ

रांची। मारवाड़ी युवा मंच दक्षिण शाखा की ओर से बुधवार को डोरंडा बाजार स्थित श्री राम भरत मिलाप कार्यालय में बैठक कर, मंच के नई कार्यकारिणी गठित की गई. इस दौरान सर्वसम्मति से चुनाव के तहत ऋषभ रामपुरिया को अध्यक्ष, राघव शारदा को सचिव और रामचंद्र अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया. नई कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से कार्य करने का दिशा निर्देश मिला. बैठक की अध्यक्षता मंच के संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष रोहित शारदा ने की. मौके पर पूर्व अध्यक्ष राजीव केडिया ने आय-व्यय का विवरण सभा के बीच रखा और पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मंच ने अभी एक मुक्ति रथ, दो मर्चरी, 30 ऑक्सीजन सिलिंडर, एक एम्बुलेंस, तीन प्याऊ, प्रत्येक रविवार निःशुल्क ब्लड प्रेशर और शुगर जांच शिविर का आयोजन सहित अन्य उपयोगी वस्तुएं तथा कई सामाजिक कार्य किए हैं. बैठक में पूर्व अध्यक्ष बालवीर जैन, सुरेश चंद्र बोथरा, संजय अग्रवाल, कृष्ण कुमार पिलानिया ने भी अपने बातों को रखा. सबों ने नई कार्यकारिणी से सामाजिक हित में बेहतर कार्य करने की अपेक्षा की. इस अवसर पर मुख्य रूप से बालवीर जैन, सुरेश चंद्र बोथरा, संजय अग्रवाल, कृष्ण कुमार पिलानिया, राजीव केडिया, मनीष खटोड़, विनय नाहटा, विजय चौधरी सहित मंच के अन्य सदस्य मौजूद थे.

ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति ने किया भूमि पूजन

रांची। ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति ने दुर्गा पूजा पंडाल पंडाल निर्माण के लिए बुधवार को मारवाड़ी स्कूल परिसर में भूमि पूजन किया. समिति इस वर्ष अपना 66वीं पूजा का आयोजन करने जा रही है. इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चंद्रभान खत्री, संरक्षक प्रमोद लोहिया, कार्यकारी अध्यक्ष अंकित गुप्ता, संयोजक दीपक पंकज, हेमंत पोद्दार,उपाध्यक्ष अमित व्यास,रवींद्र सौनी,कोषाध्यक्ष अविनाश कुमार,महासचिव राजकुमार गुप्ता,सचिव प्रखर लोहिया,मंत्री मनोज बक्सरिया, वेद प्रकाश सिंह, पंडाल निर्माता भोला पात्रा उपस्थित थे.

स्कूल एरा शैक्षणिक पत्रिका के रजत जयंती समारोह का आयोजन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रांची। लाला लाजपत राय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पुंदाग में स्कूल एरा शैक्षणिक पत्रिका की रजत जयंती धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर पत्रिका की ओर से आए ब्यूरो चीफ डॉ. शीतल कुमारी, संपादकीय सदस्य मनोज सिन्हा, विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार एवं उपप्राचार्य प्रफुल्ल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के बच्चों ने भाग लिया. बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बाल वाटिका के बच्चों के लिए रंग भरने की प्रतियोगिता, कक्षा 1 से 10वीं तक पेंटिंग प्रतियोगिता, कक्षा 7 से 12वीं तक निबंध लेखन व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं जैसे स्कूल एरा मदर सॉन्ग और ग्रुप सॉन्ग शामिल थे. सभी बच्चों को समूहों में बांटकर अलग-अलग विषय दिए गए, जिस पर उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. स्कूल के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार ने स्कूल एरा की रजत जयंती पर सभी को बधाई दी और बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पत्रिका विद्यार्थियों के लिए रचनात्मकता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है, जो लेखन एवं साक्षरता कौशल को बढ़ावा देती है. कार्यक्रम में शिक्षिका सीमा त्रिवेदी, शिखा दत्ता, स्वाति चौधरी एवं शिक्षक विवेक कुमार साहू भी उपस्थित थे.

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सहित प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने चाईबासा में राहुल गांधी से की मुलाकात

मणिशंकर ने राहुल गांधी को संगठन की स्थिति से कराया अवगत

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेपीसीसी) के वरीय नेताओं ने बुधवार को चाईबासा परिसदन और हेलीपैड पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की. चाईबासा परिसदन में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, जमशेदपुर के कांग्रेस नेता विजय खान, बेरमो विधायक अनूप सिंह ने मुलाकात की. वही हेलीपैड पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अलावा पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार बलमुचू, सतीश पॉल मुंजनी सहित कई अन्य नेताओं ने मुलाकात की.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेपीसीसी) के वरीय उपाध्यक्ष मणिशंकर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने झारखंड कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चा की. राज्य में पार्टी की राजनीतिक स्थिति को मजबूत करना और आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श करना रहा. मणिशंकर ने राहुल गांधी को झारखंड कांग्रेस के अंदरूनी ढांचे, बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन में नई ऊर्जा के संचार को लेकर चल रहे प्रयासों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राज्य में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है.

मुलाकात के दौरान मणिशंकर ने राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से भी राहुल गांधी को अवगत कराया. उन्होंने बताया कि झारखंड में भाजपा के प्रभाव को रोकने के लिए कांग्रेस को अपनी रणनीति में बदलाव करने की आवश्यकता है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें पार्टी से जोड़ने के प्रयास तेज करने होंगे. राहुल गांधी ने झारखंड के संगठनात्मक पहलुओं पर मणिशंकर द्वारा दी गई जानकारी को गंभीरता से सुना और राज्य इकाई को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए कुछ जरूरी सुझाव भी दिए. उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना होगा और संगठन को एकजुट रखकर जनआंदोलन के जरिए जनता का विश्वास फिर से जीतना होगा.

गुरुजी की रात्रि पाठशाला सामाजिक बदलाव की थी मशालः डॉ. बीपी वर्मा

शुभम संदेश। रांची

रांची विश्वविद्यालय के एसएस मेमोरियल कॉलेज, रांची में बुधवार को स्व. शिबू सोरेन की स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखा और शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी वर्मा ने इस मौके पर शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि गुरुजी द्वारा शुरू की गई रात्रि पाठशाला केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं थी, बल्कि वह सामाजिक बदलाव की मशाल थी. शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का उनका वह प्रयास आज भी हमारे लिए एक मार्गदर्शक है.

उन्होंने कहा कि गुरुजी अलग झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा थे. उन्होंने अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत साधारण जनसेवा से शुरू की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हुआ. आज भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं. लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके सिद्धांत झारखंड की आत्मा में सदा जीवित रहेंगे.

प्राचार्य ने कहा कि गुरूजी ने आदिवासी मूलवासियों के अधिकारों और अस्तित्व की लड़ाई जिस निष्ठा और दृढ़ता से लड़ी. वह अतुलनीय है. शायद ही किसी नेता ने आदिवासियों के लिए इतनी लगातार, निर्भीक और ज़मीनी लड़ाई लड़ी हो. उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आत्मबल और जननायकत्व की गाथा है. उनके जीवन पर एक प्रेरणादायक बायोपिक अवश्य बननी चाहिए, जिससे नई पीढ़ी उनके संघर्षों और विचारों से प्रेरणा ले सके. श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में डॉ. रानी प्रगति प्रसाद, एन.के. पांडेय, आर.एन. सिंह, डॉ. सावित्री कुमारी, डॉ. सीमा सुरीन, डॉ. अनुपमा सिंह, डॉ. तनुज खत्री, शिबली अख्तर, डॉ. अभिषेक, डॉ. मानकी, डॉ. रवि दास, मुकेश उरांव, डॉ. उषा कीड़ो, डॉ. लक्ष्मी कुमारी शामिल थे.

ब्रीफ न्यूज

चेकिंग के दौरान 11 दोपहिया धराए

मेदिनीनगर। यातायात पुलिस ने आज छहमुहान पर चारपहिया व दोपहिया वाहनों की जांच की. इस दौरान कई दोपहिया वाहन के चालक बगैर हेलमेट व बगैर लाइसेंस के पाए गए. यातायात प्रभारी समाल अहमद ने बताया कि चेकिंग के दौरान 11 दोपहिया वाहनों को जब्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है. उन्होंने बताया कि जुर्माना के लिए सभी वाहनों को पलामू जिला परिवहन कार्यालय भेज दिया गया है.

करता था छेड़छाड़, टांगी से काट कर हत्या कर दी

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना पुलिस ने हत्या के एक आरोपी लोटो गांव के भुरकुड़ियाटांड़ टोला निवासी सीमा देवी (पति दीपक भुइयां)को गिरफ़्तार किया है. पुलिस ने अभियुक्त के पास से हत्या में प्रयुक्त टांगी बरामद किया है. पूछताछ में आरोपी सीमा देवी ने पुलिस को बताया कि वह लकड़ी लाने जंगल के तरफ गई थी. इसी दौरान वृक्ष भुइयां उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा. वह पहले भी बहुत बार उसके साथ ऐसी हरकत कर चुका था. मना करने से नहीं मानता था. इसीलिए गुस्सा में टांगी से मार दिए. इस संबंध में छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि सूचना मिली थी कि छतरपुर थाना अंतर्गत लोटो टोला में 65 वर्षीय वृक्ष भुइयां पचरतन भुइयां की टांगी से मारकर हत्या कर दी गई है. पुलिस ने शव बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया .

विहिप की बैठक में कार्य योजनाओं की बनी रणनीति

मेदिनीनगर। विश्व हिंदू परिषद के जिला कार्यालय में आज जिलास्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पाठक व संचालन जिला मंत्री अमित तिवारी ने किया. विभाग मंत्री महेंद्रनाथ ने 01 अगस्त से 03 अगस्त तक प्रांत कार्यसमिति बैठक में लिए गए निर्णयानुसार आगामी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु बैठक आयोजन की जानकारी दी. साथ ही सभी प्रखंडों में 10 से 12 अगस्त तक पंचायत और ग्राम समितियों के साथ बैठक का निर्णय लिया गया. बैठक में आगामी कार्यक्रमों में अखंड भारत संकल्प दिवस, परिषद स्थापना दिवस, संगठन विस्तार, दुर्गाष्टमी आदि की योजना बनाई गई. अंशकालिक विस्तारक के रूप में कार्य करने के लिए कार्यकर्ता के चुनाव पर भी विचार विमर्श किया गया.

रक्षाबंधन से पूर्व नकली मिठाई के कारोबार पर एसडीएम ने की बड़ी कार्रवाई

50 क्विंटल से अधिक नकली मिठाई जब्त

शुभम संदेश। गढ़वा

रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व से पहले नकली मिठाइयों के कारोबार को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है. गढ़वा सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने गोपनीय सूचना के आधार पर शहर के तीन प्रमुख प्लास्टिक कारोबारियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर 50 कुंतल से अधिक नकली मिठाइयों को जब्त किया. इसमें से 5 कुंतल से अधिक मिठाइयों को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाए जाने पर मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया. मंगलवार शाम को एसडीएम ने सबसे पहले मैन रोड स्थित परमपुरी प्लास्टिक दुकान में छापा मारा, जहां बिना किसी वैध

दस्तावेज के लगभग 2 कुंतल मिठाई मिली. पूछताछ में व्यवसायी ने बताया कि कमलापुरी मोहल्ले और नदी किनारे स्थित गोडाउन में और भी मिठाई रखी है. जब वहां छापेमारी की गई, तो बड़ी मात्रा में मिठाइयां पाई गईं, जिनमें कई से बदबू आ रही थी. इस पर सभी गोदामों को सील कर दिया गया. नदी किनारे वाले गोदाम से 5-5 किलो की 26 गैलन सॉस भी बरामद की गई, जिनकी एक्सपायरी डेट चार महीने पहले की थी. यह स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है. बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन के निर्देश पर अंचल अधिकारी, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, चिकित्सक और थाना प्रभारी की संयुक्त टीम ने गुणवत्ता की जांच की. जांच के दौरान मिठाइयों के नमूने प्राथमिक परीक्षण में फेल हो गए. कई मिठाइयों पर पैकिंग डेट, एक्सपायरी डेट और निर्माता का नाम तक अंकित नहीं था. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अंजना मिंज ने बताया कि जिन व्यापारियों ने फूड लाइसेंस प्रस्तुत किया, उसमें मिठाइयों का उल्लेख ही नहीं था. वहीं, मिठाई की खरीद और परिवहन से जुड़े कोई दस्तावेज भी व्यवसायी प्रस्तुत नहीं कर सके. बुधवार को मनीष प्लास्टिक के बाजार समिति स्थित गोदाम में भी छापा मारा गया, जहां 1 कुंतल 80 किलो नकली मिठाई पाई गई. इसमें से 40 कुंतल मिठाइयां एक नामी बनारस की कंपनी की थीं, जिनमें सभी जानकारी अंकित थी. हालांकि प्राथमिक जांच में ये भी फेल हो गईं, इसलिए नमूने रांची लैब भेजे गए हैं. रिपोर्ट आने तक इन्हें न बेचने का निर्देश दिया गया है. एसडीएम संजय कुमार ने खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को नियमानुसार कानूनी कार्रवाई और नियमित औचक जांच के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इस कार्रवाई से नकली मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया है. उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि सस्ती मिठाइयों से परहेज करें, क्योंकि ये स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं.

एक नजर

पंचतत्व में विलीन हुए जनसंघी गोपाल उपाध्याय

लातेहार। वयोवृद्ध जनसंघी गोपाल उपाध्याय बुधवार को पंचतत्व में विलीन हो गये. बता दें कि मंगलवार को इलाज के दौरान सदर अस्पताल, लातेहार में उनकी मौत हो गयी थी. बुधवार को उनके बानपुर स्थित आवासीय परिसर से अंतिम यात्रा निकाली गयी. शहर के चटनाही स्थित औरंगा नदी मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया. उनके ज्येष्ठ पुत्र प्रमोद उपाध्याय ने मुखाग्नि दी. मौके पर उनके पुत्र प्रभात उपाध्याय व प्रदीप उपाध्याय समेत उनके कई नाते-रिश्तेदार मौजूद थे. उमौके पर पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजधनी प्रसाद यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, महामंत्री बंशी यादव, आनंद सिंह, विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह व अमरजीत सिंह, गोविंद प्रसाद, पूर्व जिप सदस्य महेश सिंह, बलिराम सिंह, अधिवक्ता सुनील कुमार, नरोत्तम पांडेय, पंकज कुमार, बासुदेव पांडेय,संतोष रंजन, विक्रांत सिंह, बीमा अभिकर्ता बद्री प्रसाद, पत्रकार आशीष टैगोर, मनीष उपाध्याय, अनिरूद्ध प्रसाद, पारसनाथ उपाध्याय, इंदल उपाध्याय, प्रियरंजन प्रसाद गुप्ता, दीपक प्रसाद साहु, निर्दोष प्रसाद गुप्ता, ललन सिंह, विवेक सिन्हा, अमर विश्वकर्मा समेंत कई लोग मौजूद थे. बता दे कि गोपाल उपाध्याय जनसंघ के समय से ही भाजपा से जुड़े थे.

वर्षों से अधूरा पड़ा है प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत रोड निर्माण कार्य, लोगों में रोष

लातेहार महुआडांड़ प्रखंड के अक्सी पंचायत के ग्राम बंदुआ से गोयरा तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क और पुल का निर्माण कार्य चार वर्षों से भी अधिक समय में अधूरा पड़ा हुआ है. ग्रामीण कार्य विभाग के संवेदक ए के एण्ड आर के वेंचर्स द्वारा लगभग 3 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से यह परियोजना संचालित की जा रही है, लेकिन निर्माण की धीमी रफ्तार और घटिया गुणवत्ता के कारण ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है. यह सड़क परियोजना ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, क्योंकि गोयरा गांव सड़क विहीन था और इसका विकास प्रभावित हो रहा था. सड़क बनने की उम्मीद से ग्रामीणों में नई उम्मीद जगी थी कि अब सरकारी कल्याणकारी योजनाएं आसानी से गांव तक पहुंचेंगी. लेकिन काम के धीमे होने और गुणवत्ता में कमी के कारण वे आज भी निराशा में हैं. पुल का निर्माण तो किया गया है, लेकिन उसकी एप्रोच रोड अभी तक पूरी नहीं हुई है.

पूर्व मुखिया के निधन पर मिथलेश ने व्यक्त की शोक संवेदना

हुसैनाबाद। समाजसेवी मिथलेश कुमार सिंह ने ग्राम पंचायत ऊपरी कला की पूर्व मुखिया एवं स्वर्गीय सफीक खान की पत्नी हुस्न बानो के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की. वहीं, हुसैनाबाद प्रखंड के ग्राम पंचायत बेनी कला निवासी विश्वनाथ सिंह के पुत्र सुनील सिंह की आकस्मिक मृत्यु छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा में हो गई. इस दुखद खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है. समाजसेवी श्री सिंह ने इस हृदयविदारक घटना पर भी शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की.

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हुई कार्यशाला

चंदवा (लातेहार)। हर घर तिरंगा₹ कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी चंदवा मंडल की कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी चौक स्थित पथ निर्माण विभाग विश्रामागार में किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल उपाध्यक्ष विजय दूबे ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री दीपक निषाद एवं समापन की घोषणा एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनील मुंडा ने की. कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई. इस अवसर पर ₹हर घर तिरंगा यात्रा₹ के जिला सह संयोजक राजेंद्र यादव ने बताया कि 10 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे. उन्होंने पंचायत अध्यक्षों से अपील की कि बूथ अध्यक्षों के सहयोग से हर घर पर तिरंगा फहराया जाए.

बालूमाथ में नवपदस्थापित सीओ ने संभाला कार्यभार

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ अंचल अधिकारी के पद पर नवपदस्थापित बालेश्वर राम ने बुधवार को अपना कार्यभार सम्हाल लिया. निवर्तमान सीओ विजय कुमार से अंचल अधिकारी के कक्ष में उन्होंने पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण करने के बाद अंचल अधिकारी बालेश्वर राम ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता लंबित पड़े जमीन संबंधित मामले का निष्पादन जल्द करने की रहेगी. उन्होंने बालूमाथ अंचल क्षेत्र के अधीन निवास करने वाले आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अंचल संबंधी समस्याओं को बेझिझक होकर कार्यालय आए.

डीसी के जनता दरबार में पहुंचे फरियादियों ने रखी समस्याएं

स्कूल के विरुद्ध अवैध फीस वसूली की शिकायत

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

बुधवार को उपायुक्त समीरा एस द्वारा समाहरणालय सभागार में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं. इस अवसर पर ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के विरुद्ध अवैध फीस वसूली की गंभीर शिकायत सामने आई. शहर के बारालोटा निवासी नीरज कुमार ने बताया कि उनका पुत्र ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा छठवीं का छात्र है. उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल द्वारा अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लिया गया है, बावजूद इसके स्कूल द्वारा बिजली बिल के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली की जा रही है. नीरज कुमार ने यह भी बताया कि स्कूल के निदेशक स्वयं एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं और ज्यादातर समय वहीं बिताते हैं. उन्होंने उपायुक्त से न्याय दिलाने की मांग की.जनता दरबार में पाटन से आए प्रभुनाथ मिस्त्री ने बताया कि वे पाटन स्थित राजकीयकृत उच्च विद्यालय में अनुसेवक पद पर कार्यरत थे. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है, लेकिन जनवरी और फरवरी के वेतन का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, जबकि उनके सहकर्मियों को वेतन

मिल चुका है. उन्होंने उपायुक्त से दो माह का वेतन दिलाने की गुहार लगाई. नवाजयपुर, पाटन से आए निरंजन प्रसाद ने पाटन सीओ द्वारा ऑनलाइन रसीद न काटे जाने की शिकायत की. सतबरवा के प्रस्तावित बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक अमन कुमार गुप्ता ने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पर अनुदान राशि गबन करने का आरोप लगाया, साथ ही सेवानिवृत शिक्षक बिहारी प्रसाद द्वारा किए जा रहे शोषण एवं अनैतिक गतिविधियों की जानकारी भी उपायुक्त को दी.सदर प्रखंड के पोखराहा से आए मदन सिंह ने बिहार सरकार द्वारा दुखनी देवी के नाम पर बंदोबस्त की गई भूमि को अवध बिहारी सिंह एवं अन्य लोगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की. उपायुक्त समीरा एस ने सभी आवेदनों को गंभीरता से पढ़कर संबंधित अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए. उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों का न्यायसंगत और समयबद्ध निपटारा किया जाएगा.बारकस- उपायुक्त ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए छापामारी का दिया निर्देश मेदिनीनगर। उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में बाल श्रम उन्मूलन हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की. बैठक में उपायुक्त ने जुलाई माह में बाल श्रम उन्मूलन कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और बाल श्रमिकों के पुनः बाल श्रम में लौटने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को पूर्व में विमुक्त बाल श्रमिकों का नियमित फॉलो-अप करने और उन्हें अनिवार्य रूप से चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत कर विद्यालय में दाखिला सुनिश्चित करने के आदेश दिए.

इसके साथ ही बाल श्रमिकों को दोबारा श्रम में न लौटने देने के लिए विशेष निगरानी रखने को कहा गया. बैठक में उपायुक्त ने ढाबे, लाइन होटल, ईंट भट्ठे, गैरेज, वाशिंग सेंटर, माइंस और अन्य संदिग्ध स्थानों पर नियमित छापामारी कर बाल श्रम नियोजकों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए.उन्होंने स्पष्ट किया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को श्रम में लगाए जाने पर बाल एवं अल्प वयस्क श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त ने असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना और झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया.

उपायुक्त समीरा ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए छापेमारी का दिया निर्देश

मेदिनीनगर। उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में बाल श्रम उन्मूलन हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की. बैठक में उपायुक्त ने जुलाई माह में बाल श्रम उन्मूलन कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और बाल श्रमिकों के पुनः बाल श्रम में लौटने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को पूर्व में विमुक्त बाल श्रमिकों का नियमित फॉलो-अप करने और उन्हें अनिवार्य रूप से चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत कर विद्यालय में दाखिला सुनिश्चित करने के आदेश दिए. इसके साथ ही बाल श्रमिकों को दोबारा श्रम में न लौटने देने के लिए विशेष निगरानी रखने को कहा गया. बैठक में उपायुक्त ने ढाबे, लाइन होटल, ईंट भट्टे, गैरेज, वाशिंग सेंटर, माइंस और अन्य संदिग्ध स्थानों पर नियमित छापामारी कर बाल श्रम नियोजकों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को श्रम में लगाए जाने पर बाल एवं अल्प वयस्क श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त ने असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना और झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया. इस अवसर पर टास्क फोर्स के अन्य सदस्य भी मौजूद थे. बाल श्रम उन्मूलन के लिए उपायुक्त के निर्देशों से क्षेत्र में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और बेहतर भविष्य की उम्मीद बढ़ी है.

अधिवक्ता अस्मिता एक्का बनीं दहेज मुक्त झारखंड की लातेहार जिला अध्यक्ष

शुभम संदेश। लातेहार

लातेहार। सामाजिक कुरीतियों और महिलाओं के विरुद्ध होने वाली अन्यायपूर्ण घटनाओं के खिलाफ संघर्षरत संगठन दहेज मुक्त झारखंड ने लातेहार जिले में अपने नए नेतृत्व की घोषणा की है. संगठन ने व्यवहार न्यायालय, लातेहार की अधिवक्ता अस्मिता एक्का को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है. संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधु मिश्रा और संस्थापक डॉ. आनंद कुमार शाही ने श्रीमती एकका को प्रमाण पत्र प्रदान किया है. अधिवक्ता अस्मिता एक्का ने कहा कि दहेज प्रथा समाज को दीमक की तरह खोखलाकर रही है. मेरी प्राथमिकता रहेगी कि जिले के कोने-कोने में जागरूकता फैलाकर सोच को बदला जाए.उन्होने कहा कि वह महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने की दिशा में मैं हरसंभव प्रयास करेगीं. एक्का ने

कहा कि दहेज मुक्त झारखंड संस्था केवल दहेज प्रथा ही नहीं बल्कि घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, बलात्कार, झूठे मुकदमे, पुलिस उत्पीड़न, वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार, मानवाधिकार हनन, नशीले पदार्थों की बिक्री, और चिकित्सीय लापरवाही जैसे गंभीर मामलों में भी पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करती है.राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधु मिश्रा ने कहा कि अस्मिता जैसी जागरूक महिला का जुड़ना संगठन के लिए मील का पत्थर है. संस्थापक डॉ. आनंद कुमार शाही ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया.

सेविका व सहायिका चयन के लिए आमसभा का आयोजन

शुभम संदेश। बालूमाथ

बालूमाथ (लातेहार)। बाल विकास परियोजना कार्यालय बालूमाथ के अधीन हेरहंज प्रखंड मुख्यालय स्थित हेरहंज महतो टोला आंगनवाड़ी केंद्र भवन में आंगनवाड़ी सेविका चयन के लिए बुधवार को आमसभा का आयोजन किया गया. पिछड़ा वर्ग 2 के लिए आरक्षित सेविका पद के लिए आमसभा में कुल आठ आवेदकों ने आवेदन समर्पित किया. जिसमें कुछ लोगों के द्वारा पोषक क्षेत्र से बाहर व पिछड़ा वर्ग 1 के उम्मीदवार होने पर विरोध किया गया. जिसके बाद तीन आवेदन को निरस्त कर दिया गया. हद तो तब हो गई जब जून माह में सेविका चयन के लिए आयोजित आमसभा में इण्टर पास अभ्यर्थी के रूप में आवेदन करने वाली नीलम कुमारी पति सुरेश यादव के द्वारा आज की आमसभा में स्नातकोत्तर की डिग्री के साथ

आवेदन किया गया. जिसपर उपस्थित लोगों ने प्रतिकार भी किया. उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा बताया गया कि सरकार के गाइडलाइन का पालन करते हुए आपत्तियों के साथ जिला को अग्रसारित किया जाएगा. अगर शैक्षणिक योग्यता फर्जी पाया जाता है तो दूसरी वरीयता की अभ्यर्थी का चयन कर लिया जाएगा. वरीयता सूची के अनुसार नीलम कुमारी पति सुरेश यादव को कुल तीस अंक व आरती कुमारी पति उपेंद्र कुमार गुप्ता को 29 अंक बने थे. वरीयता सूची में दूसरे स्थान पर रही अभ्यर्थी आरती कुमारी पति उपेंद्र कुमार गुप्ता ने नीलम कुमारी पति सुरेश यादव पर आमसभा में फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा करने का आरोप लगाते हुए जिला के उपायुक्त, उप विकास आयुक्त व सीडीपीओ से जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है. आरती कुमारी ने कहा कि इस संबंध में लिखित आवेदन पदाधिकारियों को देंगी. वहीं सहायिका पद रश्मिता देवी पति शंखनाद यादव, जूली देवी पति स्व मुकेश प्रसाद, मनीता कुमारी पति कुलदीप यादव कुल तीन आवेदन आए. पर्यवेक्षिका ममता मासूम ने बताया कि वरीयता सूची के साथ जिला को अनुशंसा भेजी जाएगी. वहां से अभ्यर्थी का चयन किया जाएगा. आंगनबाड़ी केंद्र परहिया टोला में सहायिका पद के लिए बसंती देवी पति रॉकेट परहिया का निर्विरोध चयन कर लिया गया. मौके पर सीडीपीओ सोमा उरांव, हेरहंज बीडीओ सह सीओ अमित कुमार, मुखिया प्रीति कुजूर, सुपरवाइजर ममता मासूम, श्रीवंश सहर, पंचायत समिति सदस्य निर्मला कच्छप, वार्ड सदस्य सह उप मुखिया राजबली यादव, सेविका मीरा कुमारी, शिक्षक के देखरेख में आमसभा कराया गया. मौके पर अनेक ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद थे.

शांति विकास संघ दुर्गापूजा कमेटी गठित, संजय गुप्ता बने अध्यक्ष

मेदिनीनगर। दुर्गापूजा धूमधाम से मनाने को लेकर अघोर आश्रम रोड स्थित शिव महावीर मंदिर परिसर में गणमान्य लोगों की बैठक हुई. बैठक में शांति विकास संघ दुर्गापुजा कमिटी का गठन किया गया. नवगठित कमेटी में सर्वसम्मति से संजय कुमार गुप्ता को अध्यक्ष, सुनिल कुमार राम को उपाध्यक्ष, प्रकाश कुमार को सचिव, अमन कुमार को सहसचिव, प्रमोद गुप्ता को कोषाध्यक्ष व विनोद कुमार को उपकोषाध्यक्ष चुना गया. वहीं संरक्षक मंडली में राघव ठाकुर, डा. धनन्जय पाण्डेय, सतेन्द्र तिवारी, लक्ष्मण राम, बबलू उपाध्याय, विजय तिवारी, तपेश्वर राम, राजेश कुमार गुप्ता, राम प्रसाद सोनी, रविन्द्र कुमार, मुन्द्रिका सिंह, बच्चू मिस्त्री व रामचन्द्र पासवान शामिल किए गए हैं. अविनाश कुमार, सत्येन्द्र ठाकुर, अनुज कुमार ठाकुर, सतोष कुमार गुप्ता, राज कुमार पासवान को संयोजक, दिलीप पाठक, बबलू तिवारी, मुन्ना गुप्ता, विनोद कुमार, मनोज कुमार, बसंत दुबे तथा कैप्टन अर्जुन राम, राम प्यारे राम, संजय कुमार मुर्तिकार, मनोज कुमार पासवान, पिटर सिंह, राजू मिश्रा को शामिल किया गया है.

सेवा एक माह तक कांवरियों की सेवा में लगे रहते हैं रामनाथ अग्रवाल और उनका पूरा परिवार

सैकड़ों कांवरियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराते हैं

शुभम संदेश। लातेहार

कांवरियों की सेवा को अपना धर्म मानते हुए लातेहार के समाजसेवी रामनाथ अग्रवाल और उनका पूरा परिवार बीते दस वर्षों से सावन माह में घर-परिवार और व्यवसाय छोड़कर सेवा कार्य में जुट जाता है. आलोक मोहन सेवा स्मृति आश्रम के बैनर तले यह परिवार हर साल एक माह तक देवघर जाने वाले कांवरियों के लिए विशेष सेवा शिविर का आयोजन करता है, जिसमें सैकड़ों कांवरियों को हर संभव सुविधा दी जाती है. यह शिविर देवघर से करीब पांच किलोमीटर पहले सरासनी ग्राम स्थित कांवरिया पथ पर लगाया जाता है, जहां रोज सुबह 5 बजे से लेकर रात 11 बजे तक सेवा कार्य चलता है.

शिविर में सुबह पानी, चाय और अल्पाहार की व्यवस्था की जाती है. इसके बाद नौ बजे से रामायण और महाभारत धारावाहिकों का सीधा प्रसारण किया जाता है, जिसे देखकर कांवरिए भक्तिभाव में लीन हो जाते हैं. शिविर में 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक भक्ति जागरण और झांकी प्रस्तुत की जाती है, जबकि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भंडारे का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में कांवरिए प्रसाद ग्रहण करते हैं.

शिविर की एक विशेष बात यह भी है कि इसमें केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि रामनाथ अग्रवाल की पत्नी और परिवार की महिलाएं भी पूरी श्रद्धा से सेवा में जुटी रहती हैं. मालिश, पैरों की चोटों पर मरहम-पट्टी करना, दवा देना—ये सभी कार्य संस्था के स्वयंसेवक खुद करते हैं. रामनाथ अग्रवाल, संयोजक श्याम अग्रवाल और अमित किशोर अग्रवाल ने बताया कि कांवरियों की सेवा से जो आत्मिक संतोष मिलता है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता. यह केवल सेवा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है. कई कांवरियों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हर साल यहां आते हैं और यहां की सेवा व्यवस्था देखकर मन प्रसन्न हो जाता है. भागलपुर, उत्तर प्रदेश और बिहार से आए कांवरियों ने भी इसे श्रेष्ठ शिविरों में से एक बताया. लातेहार से भी कई स्वयंसेवक हर साल इस शिविर में सेवा देने जाते हैं. यह कहना गलत नहीं होगा कि बिना इस शिविर को देखे या उसमें शामिल हुए, इसकी महत्ता और गरिमा को समझना मुश्किल है. रामनाथ अग्रवाल और उनके परिवार की यह सेवा भावना समाज के लिए एक प्रेरणा है.

डायरिया की चपेट में आए दो दर्जन से अधिक लोग

शुभम संदेश। उंटारी रोड

उंटारी रोड (पलामू)। उंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरमा कला के लकड़ही टोला में डायरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा है. अब तक दो दर्जन से अधिक लोग इस संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं. इनमें से 10 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें मझिआंव उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. जैसे ही मामले की जानकारी मिली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर की संक्रामक रोग नियंत्रण टीम तत्काल गांव पहुंची और प्रभावित लोगों का प्राथमिक इलाज शुरू किया. टीम गांव में ही शिविर लगाकर मरीजों को आवश्यक दवाएं और परामर्श दे रही है. प्रमुख प्रतिनिधि अरुण वर्मा ने बताया कि पिछले चार-पांच दिनों से ग्रामीण इस बीमारी से पीड़ित हैं. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी, जिसके बाद डॉक्टरों की टीम सक्रिय हुई. फिलहाल स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके.

डीलर संघ की बैठक में बकाया कमीशन भुगतान की मांग

महुआडांड़(लातेहार)। प्रखंड परिसर स्थित पुराने अंचल भवन सभागार में बुधवार को डीलर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष रोहित कुमार ने की. इस दौरान प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए डीलरों ने अपनी समस्याओं और मांगों को विस्तारपूर्वक रखा. बैठक में डीलर संघ ने विभाग से डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था लागू करने की मांग की. संघ का कहना है कि डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था लागू होने से लाभुकों को समय पर और आसानी से खाद्यान्न उपलब्ध हो सकेगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी.

जंगली हाथियों ने घर ध्वस्त कर अनाज बर्बाद किया

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र अंतर्गत बसिया पंचायत के कुकुरभुक्का गांव में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. मंगलवार की रात करीब 10 से 12 हाथियों के झुंड ने गांव में घुसकर कहर बरपाया. हाथियों ने गांव के निवासी कैला गंझू उर्फ परमेश्वर गंझू, पिता वृक्ष गंझू के घर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया. साथ ही घर में रखे अनाज को रौंद कर बर्बाद कर दिया. इस घटना से पीड़ित परिवार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है. घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है. गरीब परिवार के पास ना तो रहने को घर बचा है, और ना ही खाने को अन्न ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के झुंड को रात करीब 1:00 बजे गांव में देखा गया. जिसके तुरंत बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई. परंतु विभाग की कोई तत्पर कार्रवाई नहीं देखी गई. जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है.

ब्रीफ न्यूज

आज़ाद हिंद क्लब का फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

हजारीबाग। बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के जयनगर प्रखंड की ग्राम पंचायत गड़गी में आज आज़ाद हिंद क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन हुआ. झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उन्होंने मैच की शुरुआत फुटबॉल को किक मारकर की, जिससे टूर्नामेंट की गरिमा बढ़ गई. उद्घाटन से पहले, सभी उपस्थित लोगों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की, जो एक भावुक पल था. यह टूर्नामेंट न केवल खेल को बढ़ावा देने का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक एकजुटता और खेल भावना का प्रतीक भी है.

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन

केरेडारी। प्रखंड स्थित भाजपा कार्यालय भवन में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दामोदर कुमार सिंह तथा जिला कार्य समिति सदस्य महेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कर्मचारी साव ने की, जबकि संचालन नरेश कुमार महतो ने किया. कार्यक्रम में सभी उपस्थित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को 12 अगस्त को केरेडारी प्रखंड के 16 पंचायतों में भव्य तिरंगा यात्रा निकालने के निर्देश दिए गए. इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से भारत की आजादी की लड़ाई और वीर शहीदों को सम्मानित किया जाएगा.

चलचलाईया गांव में बिजली संकट समाप्त, मिली राहत

हजारीबाग। सदर प्रखंड अंतर्गत चलचलाईया गांव में पिछले दो हफ्तों से चल रही बिजली की समस्या अब समाप्त हो गई है. बुधवार को गांव में 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिससे बिजली आपूर्ति फिर से शुरू हो गई. इस पहल का श्रेय कांग्रेस नेता और पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह को जाता है, जिन्होंने ग्रामीणों की शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कराई. गौरतलब है कि ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कामकाज और पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाएं ठप हो गई थीं. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुन्ना सिंह ने अपने निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान को मौके पर भेजकर पूरे कार्य की निगरानी कराई.

एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने किया औचक निरीक्षण

चौपारण। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), मानगढ़ में बुधवार को एक्सक्यूटिव मजिस्ट्रेट दीपा खलखो ने अचानक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं की गहन जांच की. उन्होंने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, आधारभूत संरचना, कक्षाएं, कार्यालय, पंजी-पत्र और छात्राओं की सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया. मजिस्ट्रेट ने छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं भी जानी. निरीक्षण के दौरान टूटी हुई बाउंड्री और जर्जर बिल्डिंग जैसे संरचनात्मक समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया गया. साथ ही, बीआरसी के अधिकारियों मो. आरिफ और मो. सईद के साथ मिलकर मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की गई और छात्राओं के साथ भोजन भी किया गया. दीपा खलखो ने विद्यालय की व्यवस्थाओं से संतुष्टि जताई और सुधार के लिए समयबद्ध दिशा-निर्देश दिए.

उपायुक्त ऋतुराज ने की समाहरणालय में विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

हर हाल में समय पर पौधरोपण के दिए निर्देश

शुभम संदेश। कोडरमा

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज, आकांक्षी प्रखंड तथा जेएसएलपीएस द्वारा संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की शुरुआत मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना में पिट डिगिंग कार्य की प्रगति से हुई. इसके बाद मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत शेड निर्माण, दीदी बाड़ी योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना के तहत कुंआ निर्माण और 100 दिनों के भीतर योजनाओं को पूर्ण करने की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने बागवानी योजना में चयनित सभी लाभुकों से शत-प्रतिशत पिट डिगिंग कार्य पूरा करने और समय पर पौधरोपण करने के लिए सख्त निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित अनुश्रवण कर कार्य में तेजी लानी चाहिए. पशुधन विकास योजना के तहत शेड निर्माण कार्य को भी लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया ताकि कार्य अधूरा न रह सके. दीदी बाड़ी योजना और बिरसा कूप संवर्धन योजना के तहत कुंआ निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीणों की आजीविका मजबूत होती है, इसलिए इनका गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है.

सभी योजनाओं को 100 दिनों के भीतर पूर्ण करने के लिए प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को कार्य योजना बनाकर नियमित रिपोर्टिंग करने का निर्देश दिया गया. उपायुक्त ने सभी बीपीओ को क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं का भौतिक सत्यापन करने और क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए. साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कार्यरत सभी कर्मियों का कार्यक्षमता मूल्यांकन सीट तैयार करने तथा उनके कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा. आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, अबुआ आवास योजना और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना में शत-प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा करने, जियो टैगिंग सुनिश्चित करने और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए. जिन आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है, उनके गृह प्रवेश के लिए एक सप्ताह का विशेष कैंप आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया. पंचायती राज विभाग के संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को एक-एक पंचायत का चयन कर वहां के समग्र विकास पर ध्यान देने, पंचायत सचिवालय, आंगनवाड़ी केंद्र, हेल्थ सब सेंटर, विद्यालय की नियमित निगरानी और ग्राम चौपाल/संध्या चौपाल आयोजित कर आमजन की समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया गया.

पूर्व मंत्री के आंदोलन से 6 दिन से बंद है एनटीपीसी कोल परियोजना

27 करोड़ रुपये का नुकसान

शुभम संदेश। केरेडारी

हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत पगार ओपी थाना क्षेत्र स्थित एनटीपीसी की चट्टीबरियातु कोल परियोजना बीते छह दिनों से पूरी तरह ठप पड़ी है. पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव और उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के कारण कोयला उत्खनन और ट्रांसपोर्टिंग का कार्य बाधित है. अब तक एनटीपीसी को लगभग 18 करोड़ रुपये और राज्य सरकार को लगभग 9 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो चुका है. मंगलवार की देर शाम कंपनी के हाईवा ऑनरो द्वारा ट्रांसपोर्टिंग शुरू कराने की कोशिश की गई थी, लेकिन बुधवार सुबह एक बार फिर पूर्व मंत्री के समर्थकों ने कार्य रुकवा दिया. स्थिति यह है कि जैसे ही ऋत्विक कंपनी के अधिकारी माइंस या सीएचपी मशीनें चालू करने का प्रयास करते हैं, पूर्व मंत्री और उनके समर्थक गाली-गलौज व मारपीट पर उतर आते हैं. इस आंदोलन के चलते न केवल आर्थिक क्षति हो रही है, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण बन गई है. प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं.

कार्य बंद होने से माइंस के बगल में रोजगार कर रहे लोगों को काफी परेशानी हो गई है, जिसके साथ ही सड़क पर कतारबद्ध सैकड़ों ट्रांसपोर्टिंग वाहन हाइवा खड़ी है. ट्रांसपोर्टिंग बंद होने से वाहन मालिकों को 6 दिन में लगभग 6 करोड़ का नुकसान हुआ है.

वहीं राज्य सरकार के 9 करोड़ का राजस्व क्षति होने का हुआ. योगेंद्र साव का कहना है कि कम्पनी द्वारा मेरे फैक्ट्री को अवैध तरीके से बिना सूचना एवं बिना मुआवजा भुगतान के ध्वस्त किया है. इसके विरुद्ध सीबी कोल माइंस का उत्पादन एवं ट्रांसपोर्टिंग बंद कराया है. बता दें कि एनटीपीसी के चट्टीबारियातु कोयला खनन परियोजना के अधिग्रहण क्षेत्र में आ रहे पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की चारदीवारी व फ्रायकले ईंट के चिमनी को कम्पनी द्वारा शुक्रवार को दिन लगभग एक बजे सदर एसडीओ के निर्देश पर सीनियर मजिस्ट्रेट सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल व जूनियर मजिस्ट्रेट कनीय अभियंता अंकित पांडेय के उपस्थिति में ध्वस्त कर दिया गया था. यह जमीन चट्टीबारियातु और जोरदाग के बीच झुमरीटांड के पास है. इस मामले की सूचना पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को हुई तो वे अपने बाउंसर व अंगरक्षकों के साथ आकर पूरे कार्य को बंद करवा दिये.

बता दें कि जोरदाग मौजा में गैरमजरूआ खास की खाता 190 प्लॉट 13 रकबा एक एकड़ जोरदाग सह टंडवा निवासी राजदीप साव के नाम जमाबंदी कायम है. वर्ष 2010 में योगेंद्र साव यह जमीन अपने नाम से रजिस्ट्री कराई लेकिन आज तक दाखिल खारिज नहीं कराई गई. कम्पनी द्वारा इनके द्वारा यहां बनाये गए संरचना चिमनी, चारदीवारी व भवन आदि का मापी बिल्डिंग डिवीजन से करा कर मुआवजा निर्धारित किया गया.

मुआवजा देने के लिये योगेंद्र साव को बुलाया गया लेकिन ये जमीन और संरचना का मुआवजा एक साथ मांग रहे थे. जब मुआवजा नहीं उठाये तब एनटीपीसी इनका मुआवजा ट्रिब्यूनल में डाल दिया. जबकि यहां कम्पनी किसी को भी गैरमजरूआ खास व गैरमजरूआ जंगल झाड़ी का मुआवजा नहीं दे रही है. ऐसे किस्म के जमीन का मुआवजा सीधा राज्य सरकार के खाते में भेज दी गयी है. एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक, नीलमाधव स्वंय ने बताया कि 6 दिनों में एनटीपीसी कोयला खनन परियोजना को लगभग 18 करोड़ व राज्य सरकार को 9 करोड़ रुपये की नुकसान हुआ है. उन्होंने आगे बताया कि माइंस चालू करवाने के लिए उच्चस्तरीय बैठक की जा रही है.

उपायुक्त ने योजनाओं की समीक्षा बैठक की

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें योजना/विकास शाखा एवं सभी इंजीनियरिंग विंग के साथ अनाबद्ध निधि, डीएमएफटी, सांसद व विधायक निधि से संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई. बैठक में ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल, भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला परिषद्, नगर परिषद्/नगर पंचायत कोडरमा डोमचांच सहित अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई.

डीसी ने की पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक की. बैठक का उद्देश्य पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करना तथा उनके प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना था. बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देशित किया कि वे वरीय अधिकारियों को पंचायत स्तर की योजनाओं के भौतिक सत्यापन, निरीक्षण एवं जांच हेतु आवश्यक चेकलिस्ट उपलब्ध कराएं.

चतरा विधायक जनार्दन ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

शुभम संदेश। चतरा

हंटरगंज प्रखण्ड के तिलहेत पंचायत स्थित कुब्बा गांव में बुधवार को चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने एक दिवसीय दौरा कर बारिश से खराब हुई सड़क और एक घर के आधे हिस्से के ध्वस्त होने का निरीक्षण किया. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चतरा विधानसभा क्षेत्र के हर गांव को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए पुल और सड़क निर्माण कार्य प्राथमिकता से कराया जाएगा. उन्होंने सड़क मरम्मत कार्य की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाने का भी भरोसा दिया.

विधायक ने कहा कि मूसलाधार बारिश के कारण टूटे हुए सड़क मार्ग की मरम्मत जल्द शुरू कर दी जाएगी और गड़वाल में पुल का निर्माण भी शीघ्र पूरा कराया जाएगा. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. ग्रामीणों ने विधायक के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि नेता वही होता है जो उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने और त्वरित कार्रवाई करे. उन्होंने जनार्दन पासवान का धन्यवाद प्रकट किया. इस मौके पर लोजपा अध्यक्ष गौरी प्रसाद यादव, मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार चौरसिया, विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार, भाजपा युवा मंडल अध्यक्ष गुंजित कुमार सिंह, मिथिलेश श्रीवास्तव, सुनील कुमार दास, जिला परिषद प्रतिनिधि बेचन पासवान, शेखर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे. बारिश के कारण टूटे सड़क से आठ गांवों का संपर्क टूट चुका था, लेकिन विधायक के आश्वासन से ग्रामीणों में खुशहाली और उम्मीद जागी है.

चतरा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम की हालत हुई बदतर

आकांक्षी हाट सह कृषि मेला बना कारण

विनोद यादव। चतरा

चतरा जिले का एकमात्र आधुनिक और भव्य जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, जो हाल के वर्षों में अपने जीर्णोद्धार के बाद खेल प्रेमियों की आशाओं का केंद्र बना था, आज बदहाली की ओर बढ़ चला है. इसकी वजह बना है हाल ही में आयोजित आकांक्षी हाट सह कृषि उद्यम मेला, जिससे स्टेडियम की खूबसूरती और संरचना दोनों को भारी नुकसान पहुंचा है. यह वही स्टेडियम है, जिसे तत्कालीन उपायुक्त अबू इमरान ने संजीदगी से लेकर डेढ़ करोड़ की लागत से नया स्वरूप दिया था. न सिर्फ घास की परत बिछाई गई थी, बल्कि एक प्रशासनिक भवन, दौड़ने के लिए ट्रैक और दर्शक दीर्घा का भी निर्माण कराया गया था. चतरा जैसे जिले में इस प्रकार का स्टेडियम खेलों के लिए वरदान साबित हो सकता था. उपायुक्त अबू इमरान ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि इस स्टेडियम में एक किल भी नहीं गाड़ने देंगे, ताकि इसकी संरचना को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे. लेकिन, आकांक्षी हाट सह कृषि मेला के आयोजन के दौरान प्रशासन ने खुद ही इन बातों को नजरअंदाज कर दिया. मेला आयोजन के लिए भारी टेंट सामग्री रांची से मंगवाई गई और 10-चक्का ट्रक सीधे स्टेडियम के मैदान पर चढ़ा दिए गए. इससे घास पूरी तरह रौंद दी गई और बारिश के कारण ट्रकों की आवाजाही से जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए. यह नजारा अब स्टेडियम की बर्बादी की गवाही दे रहा है.

किसानों को इस मेले से कितना लाभ मिलेगा, यह तो भविष्य बताएगा, लेकिन फिलहाल चतरा का यह इकलौता स्टेडियम निश्चित रूप से नुकसान झेल चुका है. जिस मैदान में बांस बल्ली लगाना मना था, वहां अब ट्रकों से घुसपैठ हुई. इस घटना से सबसे ज्यादा आहत हुए हैं क्रिकेट खिलाड़ी. जिला क्रिकेट संघ ने कई बार प्रशासन से यहां क्रिकेट खेलने की अनुमति मांगी, लेकिन 'स्टेडियम खराब न हो' की दलील देते हुए अनुमति नहीं दी गई. अब वही स्टेडियम प्रशासनिक लापरवाही से खराब हो गया है और खिलाड़ी मायूस हैं. हालांकि, जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय का कहना है कि टेंट एजेंसी से बात हो चुकी है और उन्हें निर्देश दिया गया है कि स्टेडियम को पहले जैसा बनाया जाए. जब तक यह कार्य पूरा नहीं होगा, भुगतान नहीं किया जाएगा. अब देखना यह है कि क्या स्टेडियम दोबारा अपनी खोई हुई चमक वापस पा सकेगा, या फिर यह उदाहरण बनकर रह जाएगा कि कैसे एक जिले की सबसे अहम खेल संपत्ति कुछ दिनों के आयोजन में बर्बाद हो सकती है.

आस्था

चितरपुर प्रखंड के सांडी गांव में सामूहिक गंवादेवती पूजा का भव्य आयोजन

लोगों ने धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया

शुभम संदेश। रामगढ़

चितरपुर प्रखंड के सांडी गांव स्थित गंवादेवती स्थल पर कुड़मि ओहदार विकास समिति के तत्वावधान में मंगलवार को सामूहिक गंवादेवती पूजा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लुधि राम ओहदार ने की. बड़ी संख्या में कुड़मि समाज के सदस्य इस पूजा में शामिल होकर अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया. पूजा में परंपरागत कुड़माली नेगाचारी रीति से लाल मुर्गा की बलि अर्पित की गई, जो समाज की ऐतिहासिक श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है. लुधि राम ओहदार ने बताया कि इस वर्ष समय पर हुई बारिश और सफल रोपनी कार्य से ग्रामवासी अत्यंत प्रसन्न हैं. इसी खुशी और आभार प्रकट करने के लिए यह पूजा आयोजित की गई. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक परंपराओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. पूजा समारोह में प्रदेश आदिवासी कुड़मि समाज के उपाध्यक्ष जगेश्वर महतो नागवंशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि कुड़मि समाज की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और सामाजिक एकता को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है. इस दिशा में इस प्रकार के सामूहिक आयोजन समाज को जोड़ने और उसकी आवाज़ को बुलंद करने का माध्यम बनते हैं. जगेश्वर महतो ने बताया कि आगामी 9 और 10 अगस्त को कुड़मि समाज द्वारा दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. 9 अगस्त को बोकारो के आईटीआई मोड़ पर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विशाल समारोह होगा, जिसमें हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग भाग लेंगे. इसके अगले दिन, 10 अगस्त को जमशेदपुर में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें समाज को संगठित करने, विकास की दिशा तय करने और सांस्कृतिक पहचानों को और मजबूती देने पर चर्चा की जाएगी.

पूजा के दौरान समाज के अनेक समाजसेवी, जैसे देवानंद महतो, घनश्याम महतो, बासुदेव महतो, संस्कृति कर्मी उमेश महतो, नेगाचारी विशेषज्ञ प्रह्लाद हिंदियार, शिवलाल ओहदार, हजारी ओहदार, ओहदार परिवार के कई सदस्य, जैसे खीरू ओहदार, भवानी ओहदार, लालमोहन ओहदार, दिलीप ओहदार और हरिचरण ओहदार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे. पूरे कार्यक्रम में परंपरा, श्रद्धा और सामाजिक एकता की झलक साफ दिखाई दी. इस तरह के आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि कुड़मि समाज के भीतर एकता और सामूहिकता को भी प्रोत्साहित करते हैं. सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि कुड़मि समाज अपनी पहचान और विरासत को सुरक्षित रख सके. कुल मिलाकर सांडी गांव में संपन्न हुआ यह गंवादेवती पूजा समारोह न केवल धार्मिक अनुष्ठान था, बल्कि समाज के विकास और सांस्कृतिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुआ.

वर्षों से बंद वेंटिलेटर पर विधायक ने जताई चिंता

हज़ारीबाग़। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में वर्षों से बंद पड़े वेंटिलेटर को लेकर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरी चिंता जताई है. उन्होंने इसे केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आम जनता की जान से खिलवाड़ बताते हुए स्वास्थ्य विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की है. विधायक ने कहा कि जीवनरक्षक वेंटिलेटर मशीनें अस्पताल में वर्षों से मौजूद हैं, लेकिन उन्हें कभी चालू नहीं किया गया. न तो प्रशिक्षित ऑपरेटरों की नियुक्ति हुई और न ही इन मशीनों के रखरखाव की कोई व्यवस्था की गई. आपात स्थिति में मरीज़ों को रांची रेफर करना पड़ता है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. विधायक ने इस स्थिति को 'संवेदनहीनता की पराकाष्ठा' बताते हुए स्वास्थ्य विभाग से जवाबदेही तय करने की मांग की है. साथ ही उन्होंने अस्पताल में व्याप्त साफ़-सफ़ाई की बदहाल स्थिति, दवाओं की कमी, मशीनों की खराबी और स्टाफ की भारी कमी जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया.

एक नजर

गड़गी : फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन, गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

जयनगर (कोडरमा)। आजाद हिंद क्लब गड़गी के तत्वावधान में बुधवार को फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन हुआ. उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जिप उपाध्यक्ष निर्मला देवी ने की, जबकि मुख्य अतिथि झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव रहे. समारोह की शुरुआत झारखंड आंदोलन के प्रणेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई. सभी खिलाड़ियों, अतिथियों और दर्शकों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया. मुख्य अतिथि जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि अनुशासन, समर्पण और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है. उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पहचान देने के लिए ऐसे टूर्नामेंट का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण बताया. स्थानीय मुखिया फरीदा खातून ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि गांवों में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि समाज के लिए सकारात्मक संकेत है. उन्होंने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल और नशे से दूर होकर खेलों की ओर बढ़ रही है, जो खुशी की बात है.

गायघाट के प्राथमिक विद्यालय की हालत जर्जर

चतरा। हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत तिलहेत पंचायत के गायघाट गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय की हालत अत्यंत जर्जर हो चुकी है. भवन की छत और दीवारें इतनी खस्ताहाल हैं कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है. बावजूद इसके, करीब 36 छात्र-छात्राएं जान जोखिम में डालकर इसी भवन में पढ़ाई करने को मजबूर हैं. स्कूल की हालत ऐसी है कि बारिश के समय छत से पानी टपकता है और कमरे की दीवारें गिरने की कगार पर हैं. विद्यालय के शिक्षक बताते हैं कि कई बार संबंधित विभाग को मरम्मत के लिए पत्र दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है. नतीजतन, बच्चों को बरामदे या खुले स्थान पर पढ़ाना पड़ रहा है. स्थिति इतनी गंभीर है कि कई अभिभावक अब अपने बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं. कुछ ने तो बच्चों का टीसी लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी.

विश्व जनजाति दिवस पर आठ को कई कार्यक्रम

हजारीबाग। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 8 अगस्त को विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. विज्ञान भवन स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा होंगे. विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद रंजन ने बताया कि दिन की शुरुआत पेंटिंग प्रतियोगिता से होगी, जिसका विषय 'सोहराय पेंटिंग' रखा गया है और समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा. साथ ही 11 बजे भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसका विषय 'जनजातीय सांस्कृतिक विरासत एवं संरक्षण' होगा. इसके बाद दोपहर 12:30 बजे 'झारखंड की जनजातियां' विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. कार्यक्रम आयोजन सचिव डॉ. जॉनी रुफिना तिर्की ने बताया कि सभी विभागों के विद्यार्थी और शोधार्थी इन प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं.

कालीचरण सिंह ने केंद्रीय मंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

चतरा। सांसद कालीचरण सिंह ने केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री तोखन साहू से दिल्ली स्थित उनके मंत्रालय में शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान सांसद सिंह ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर वार्ता की. उन्होंने चतरा सहित पूरे लोकसभा क्षेत्र में शहरी विकास, आवास योजनाओं, सड़क, पेयजल और स्वच्छता से संबंधित परियोजनाओं के लिए केंद्र से विशेष सहयोग की मांग की. सांसद कालीचरण सिंह ने ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की भी अपील की. केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने सांसद को आश्वासन दिया कि क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े सभी मुद्दों को प्राथमिकता से हल किया जाएगा. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का उद्देश्य है कि देश के हर क्षेत्र को विकास के साथ जोड़ा जाए और हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं.

डीसी ने की भू-अर्जन मामलों की समीक्षा बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कार्यालय सभागार में एनएच (राष्ट्रीय राजमार्ग) और एनटीपीसी (राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम) से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में स्टेटमेंट 6, म्यूटेशन की प्रगति, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, पैक्स केंद्र एवं विद्यालयों के स्थानांतरण, भूमि मापन, एफआरए (वन अधिकार अधिनियम), लीज बंदोबस्ती समेत कई अहम बिंदुओं की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित कार्यों की प्रगति में तेजी लाएं और योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए समन्वय स्थापित करें. विद्यालयों और अन्य भवनों के स्थानांतरण हेतु उपयुक्त भूमि का शीघ्र चयन करने को कहा गया.

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य समापन

हजारीबाग। पतरातु प्रखंड में सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ. कुल 42 टीमों ने भाग लिया इस टूर्नामेंट में, जिसमें फाइनल मुकाबला राय बचरा और रसदा टीम के बीच खेला गया. कड़ी प्रतिस्पर्धा और जबरदस्त संघर्ष के बाद राय बचरा टीम ने 1 गोल की बढ़त से रसदा टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया. फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राजाराम प्रजापति, भाजपा जिला नेता किशोर कुमार महतो, समाजसेवी गणेश ठाकुर समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे. खिलाड़ियों से परिचय के बाद उन्होंने फाइनल की शुरुआत किक मारकर की. विजेता राय बचरा टीम को सांसद मनीष जायसवाल की ओर से 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए गए. उपविजेता रसदा टीम को 15 हजार रुपए का नकद, ट्रॉफी और मेडल दिया गया. उत्कृष्ट खिलाड़ियों, गोलकीपर और रेफरी को भी सम्मानित किया गया. बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास क्षेत्र में खेल क्रांति ला रहे हैं, जिससे खिलाड़ियों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास हो रहा है.

डिसी ने की विधि शाखा से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में विधि शाखा से संबंधित मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिस पर उपायुक्त ने विस्तृत जानकारी ली और वादों के शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए. उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे न्यायालयों में लंबित वादों की अद्यतन तथ्य विवरणी समयबद्ध रूप से उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएं. उन्होंने कहा कि प्रत्येक वाद में प्रभावी प्रतिवेदन समुचित तथ्यों के साथ न्यायालय में समय पर प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है, ताकि विधिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से बचा जा सके.

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, यूडी केस दर्ज

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र के बंसीलाल चौक मालवीय मार्ग निवासी 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवक की पहचान मालवीय मार्ग निवासी तुषार कुमार पिता संजय कुमार रजक के रूप में हुई है. मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. इस संबंध में सदर थाना में यूडी केस दर्ज किया गया है. हालांकि खबर लिखे जाने तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. बताया गया है कि रोज की तरह तुषार कुमार रात में अपने कमरे में सोने के लिए गया. सुबह उठकर उनके गार्जियन ने देखा कि वह फांसी पर लटका हुआ है.

ब्रीफ न्यूज

शिबू सोरेन के निधन पर केरेडारी में हुई शोक सभा

केरेडारी। प्रखंड सभागार में पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की. सभा में प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुमन कुमार, कृषि पदाधिकारी अनुज कुमार, उमेश दास, समाजसेवी प्रेम रंजन पासवान, भाजपा मंडल अध्यक्ष, कर्मचारी साव प्रशांत कुमार, मुखिया गण, पंचायत समिति और के ब्लॉक के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. सभी ने शिबू सोरेन के अद्भुत योगदान को यादगार बताया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया.

मुखिया ने निजी खर्चे से कराई सड़क की मरम्मत

हंटरगंज (चतरा)। मीरपुर पंचायत की मुखिया चंदा देवी ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए एक मिसाल पेश की है. पंचायत क्षेत्र में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त मोथवा-नालख मार्ग के मरम्मत कार्य को उन्होंने अपने निजी खर्चे से पूरा कराया. बुधवार को मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र उजाला के नेतृत्व में सड़क मरम्मत का कार्य जेसीबी और मजदूरों की मदद से संपन्न कराया गया. मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि बाढ़ के कारण सड़क टूट जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुखिया चंदा देवी ने बिना किसी सरकारी सहायता के स्वयं की राशि से सड़क मरम्मत करवाई. उनके इस पहल की पंचायतवासियों ने सराहना की है और आभार प्रकट करते हुए इसे जनसेवा की मिसाल बताया है.

शादी का झांसा देकर नाबालिग से बनाया संबंध

कोडरमा। जिले की नाबालिग युवती ने एक बच्ची को जन्म दिया है. इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार उक्त नाबालिग युवती का पड़ोस के ही रहने वाले एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. इस दौरान दोनों ने संबंध बनाया. इस दौरान नाबालिग गर्भवती हो गई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया है. मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने कोडरमा थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. आवेदन में कहा है कि आरोपित लड़के ने मेरी बच्ची को धोखे से अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी के झांसा देकर इसके साथ शारिरिक संबंध बना लिया. वहीं जब नाबालिग के माता-पिता को उनकी बच्ची के गर्भवती होने का पता चला.

करमा की तैयारी को लेकर सौंपा ज्ञापन

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची में आगामी 30 सितंबर शनिवार को आयोजित होने वाले करम पूर्व संध्या महोत्सव की तैयारियों को लेकर आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रभारी कुलपति सह प्रमंडलीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने किया. उनके साथ सचिन उरांव, आकाशदीप उरांव, आनंद उरांव, उत्तम उरांव एवं अजीत कुमार मौजूद थे. ज्ञापन में कार्यक्रम आयोजन की अनुमति देने और विश्वविद्यालय प्रशासन से आवश्यक सहयोग की मांग की गई है. इस अवसर पर अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि करम पर्व आदिवासी संस्कृति, प्रकृति-पूजन और सामाजिक एकता का प्रतीक है.

बचरा हाईस्कूल में रक्षाबंधन पर्व पर ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने रखी अपनी बात

राखी आत्मिक चेतना का अनुभव कराती है

शुभम संदेश। पिपरवार

सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा हाई स्कूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला, सुभाष नगर की ओर से रक्षाबंधन पर्व को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया गया. इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने स्कूल के प्राचार्य महेन्द्र पासवान सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को राखी बांधकर इस त्योहार के गहरे आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व से अवगत कराया. प्रीति बहन ने बताया कि रक्षाबंधन केवल एक रेशमी धागा नहीं है, बल्कि यह आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाला एक पवित्र धागा है, जो आत्म-संयम, पवित्रता और ईश्वरीय सुरक्षा का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जहां अधर्म और नकारात्मकता का वर्चस्व बढ़ रहा है, वहीं परमात्मा शिव इस धरती पर अवतरित होकर हम सभी आत्माओं को मन के विकारों से मुक्त होने का संदेश दे रहे हैं. इसी संदेश के अनुरूप यह राखी हमें आध्यात्मिक जागृति और आत्मिक चेतना का अनुभव कराती है.

इस मौके पर प्रीति बहन ने विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त बनने की प्रेरणा दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन हमें परमात्मा के साथ एक मजबूत संकल्प लेने का अवसर देता है, जिससे हम अपने जीवन को पवित्र और निर्मल बना सकें. कार्यक्रम में सेवा केंद्र के लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि प्रेम, सद्भावना और अध्यात्म की शक्ति से ही समाज की हर समस्या का समाधान संभव है. जब हमारा मनोबल मजबूत होता है, तब हम न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला पाते हैं. यह आध्यात्मिक जागृति से भरा रक्षाबंधन पर्व गुमाल शाखा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया. इस अवसर पर जिला सांसद प्रतिनिधि रविंद्र कुमार सिंह, बचरा दक्षिणी पंचायत की मुखिया रीना देवी, स्कूल के प्राचार्य महेन्द्र पासवान, बीके प्रीति बहन, बीके प्रेम कुमार, संजय कुमार, गीता बहन, अनीता बहन, सरिता बहन, भूमि बहन, आरती बहन सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे. इस कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के पर्व को एक नए आध्यात्मिक दृष्टिकोण से मनाने का अनूठा संदेश दिया और सभी को जीवन में सकारात्मक सोच तथा आध्यात्मिक जागरूकता की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया.

शिबू सोरेन को झामुमो किस्को प्रखंड कमेटी ने दी श्रद्धांजलि, कहा

हमेशा याद आएंगे गुरुजी

शुभम संदेश। किस्को/लोहरदगा

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के निर्माता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं जननायक दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर किस्को प्रखंड कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया. सभा की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष विनेश कुमार गुप्ता ने की. कार्यकर्ताओं ने गुरूजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद करते हुए गहरी शोक संवेदना व्यक्त की. इस अवसर पर झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष साकिर हुसैन अंसारी, पूर्व केंद्रीय सदस्य हाजी समसुद्दीन अंसारी, झामुमो नेता इसरार अहमद, सचिव नंदु उरांव, नौशाद आलम, चमन किसान, महबूब अंसारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे. सभी ने गुरूजी को गरीबों, आदिवासियों, दलितों और वंचितों के मसीहा बताते हुए कहा कि उनका अचानक यूं चले जाना राज्य और देश के लिए अपूरणीय क्षति है.

वक्ताओं ने कहा कि दिशोम गुरू ने जल, जंगल, जमीन और झारखंडी अस्मिता की रक्षा के लिए कई ऐतिहासिक लड़ाइयाँ लड़ीं. उन्होंने 'धान काटो अभियान' के माध्यम से जमींदारों और सुदखोरों के खिलाफ आवाज बुलंद की और झारखंडियों को उनके हक-अधिकार के लिए जागरूक किया. उनकी अगुवाई में अलग झारखंड राज्य का सपना साकार हुआ. गुरूजी की विचारधारा और आदर्शों को अपनाकर ही राज्य को आगे ले जाया जा सकता है. सभा के अंत में कार्यकर्ताओं ने 'शिबू सोरेन अमर रहें', 'जब तक सूरज चांद रहेगा, वीर शिबू सोरेन तेरा नाम रहेगा' जैसे नारों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी. उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे गुरूजी के बताए मार्ग पर चलकर राज्य के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे.

चैंबर आफ कॉमर्स ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

गुमला। गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स कार्यालय में बुधवार को शोक सभा का आयोजन कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई. चैंबर के पदाधिकारियों ने शिबू सोरेन की चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. आत्मा की शांति के लिए मौन प्रार्थना किया गया. चैंबर के अध्यक्ष अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा के दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के एक जन नायक थे. उनका निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने कहा कि हमने झारखंड के एक कर्मठ आंदोलनकारी नेता को खोया है जिसकी कभी पूर्ति नहीं हो सकती है. निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा के दिवंगत सोरेन हम सब के अभिभावक स्वरूप पूरे झारखंड वासियों को बहुत कुछ दिया है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता. गुमला चेंबर आफ कामर्स कार्यसमिति सदस्य सहित गुमला के व्यवसायियों ने शिबू सोरेने के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है.

चिरमिरी रेल लाइन से महाराष्ट्र तक की घटेगी दूरी

चतरा। सांसद कालीचरण सिंह ने संसद में चिरमिरी रेल लाइन परियोजना को लेकर जोरदार मांग उठाई. उन्होंने कहा कि यह परियोजना झारखंड के चतरा समेत छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार के पिछड़े इलाकों के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. सांसद ने कहा कि इस रेल लाइन के निर्माण से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ेगा, परिवहन लागत घटेगी और आर्थिक व औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने खासतौर पर उल्लेख किया कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर झारखंड से महाराष्ट्र की दूरी लगभग 400 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी. उन्होंने बताया कि पूर्व में रेल मंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है और सकारात्मक आश्वासन भी मिला था, लेकिन आज तक परियोजना की प्रगति स्पष्ट नहीं है. उन्होंने सरकार से मांग की कि चिरमिरी रेल परियोजना की समीक्षा कर इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द शुरू किया जाए, ताकि स्थानीय जनता को शीघ्र लाभ मिल सके.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों ने लिया हिस्सा

पश्चिम सिंहभूम। जिले में पलाश नामक छह दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफल आयोजन किया गया. यह प्रशिक्षण पांच केन्द्रों शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बिनसाई, श्रद्धानंद बालिका उच्च विद्यालय, बीआरसी खूंटपानी, बीआरसी चक्रधरपुर और उच्च विद्यालय पुराना गोइलकेरा में आठ बैचों में संपन्न हुआ. इसमें 305 विद्यालयों के 354 शिक्षकों ने भाग लिया.

पिपरवार के आठ नालों पर बनेगा पुल, सर्वे का काम पूरा

शुभम संदेश। पिपरवार

चतरा जिले के पिपरवार क्षेत्र के किचटो और बचरा उतरी पंचायत के आठ नालों पर पुल निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है. यह पुल हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के सक्रिय प्रयासों से बनेगा. मंगलवार को रांची से आई टीम ने सभी नालों का स्थल निरीक्षण कर सर्वे का कार्य पूरा किया. ग्रामीणों ने नालों में बाढ़ के कारण आवागमन बाधित होने की समस्या से विधायक रोशनलाल चौधरी को अवगत कराया था. इसे गंभीरता से लेते हुए विधायक ने चतरा जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की बैठक में पुल निर्माण का प्रस्ताव पारित कराया. इस योजना के तहत किचटो पंचायत के बड़कीटांड़, पैंसराटांड़, करमटांड़, हफुआ के सताकी, तरवां के सरोना नाला तथा बचरा उतरी पंचायत के हठुआदाह, पारटांड़ और हेमनदाग नालों पर पुल बनाए जाएंगे. सर्वे कार्य में स्थानीय प्रतिनिधियों जैसे लक्ष्मण मंडल, मोहन कुमार, अर्जुन महतो, आदेश महतो, अंगद महतो, कीर्तन महतो और मणिलाल महतो का सहयोग महत्वपूर्ण रहा. ग्रामीणों ने सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रोशनलाल चौधरी को इस काम के लिए धन्यवाद दिया. पुल निर्माण से क्षेत्र में बाढ़ के दौरान आवागमन सुगम होगा और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

लोहरदगा के भू-अर्जन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मुआवजा देने में पारदर्शिता हो

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिले में भूमि अधिग्रहण मुआवजा वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग को लेकर भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच के जिलाध्यक्ष शकील अख्तर ने बुधवार को जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा. उन्होंने लोहरदगा बाइपास परियोजना (एनएच-143ए और एनएच-75) के तहत अधिग्रहीत की जा रही सैकड़ों एकड़ उपजाऊ भूमि के मुआवजा वितरण में गंभीर अनियमितताओं की जांच की मांग की है. शकील अख्तर ने कहा कि किसान लोहरदगा के विकास हेतु भूमि देने को तैयार हैं, लेकिन मुआवजा वितरण में बिचौलियों की सक्रियता से आम किसान, गरीब, यतीम और वास्तविक रैयत कार्यालय से निराश लौट रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोग पैसे लेकर काम करवाने का दबाव बना रहे हैं. इसके अलावा, बंटवारा नहीं होने की स्थिति में फर्जी वंशावली प्रस्तुत कर असली रैयतों को मुआवजा से वंचित करने की साजिश की जा रही है. उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अधिग्रहीत भूमि के रैयतों की पारदर्शी सूची बनाकर उसे समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सार्वजनिक किया जाए, ताकि लोग अपनी आपत्ति या दावा प्रस्तुत कर सकें. साथ ही, गांवों में विशेष शिविर लगाकर मुआवजा वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए. शकील अख्तर ने सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6(1) और 6(2) के तहत छह बिंदुओं पर जानकारी भी मांगी है. उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि शीघ्र मुआवजा वितरित कर किसानों की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा समाप्त की जाए, जिससे उनमें विश्वास और प्रसन्नता का माहौल बन सके.

निर्देश जिला सहकारिता विकास समिति की बैठक में बोले डीसी डॉ. ताराचंद

हर पंचायत में लैंपस गोदाम खोले जाएं

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिला सहकारिता विकास समिति (डीसीडीसी) की बैठक उपायुक्त डॉ. ताराचंद की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई. बैठक में जिले में सहकारिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई अहम निर्णय लिए गए. उपायुक्त ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी लैम्प्स में उपलब्ध संसाधनों की कमी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए. बैठक में पंचायतों में स्थित गोदामों की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई. उपायुक्त ने कहा कि मानक के अनुसार योग्य लैम्प्स को शीघ्रता से बीज वितरण हेतु लाइसेंस प्रदान किया जाए और जिन पंचायतों में अभी गोदाम नहीं हैं, वहां जल्द से जल्द लैम्प्स गोदाम खोले जाएं. इसके साथ ही संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण देकर बीज वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

जिले में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए उपायुक्त ने गव्य विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि डेयरी उत्पादन यूनिट की स्थापना की जाए. इसके तहत गायों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दूध के साथ-साथ दही, बटर आदि का भी उत्पादन किया जाए, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनें. इसके अतिरिक्त बैठक में गोबर गैस प्लांट लगाने की भी योजना बनाई गई. नाबार्ड के प्रतिनिधियों से कहा गया कि टिंबर एवं आम की जगह अब जिले में नाशपाती, ड्रैगन फ्रूट और चाय जैसी नई फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए. बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, डीडीएम नाबार्ड, गव्य विकास पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

प्रमाण पत्र समय पर निर्गत करना सुनिश्चित करें: डीसी

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. ताराचंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आंतरिक संसाधन समिति की बैठक आयोजित की गई. इस दौरान उन्होंने बंटवारा, सक्सेशन, म्यूटेशन, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया में तेजी लाने और इन्हें समय पर निर्गत करने का निर्देश अधिकारियों को दिया. उन्होंने कहा कि सभी प्रमाण पत्रों को सही तरीके से जांच कर ही निर्गत किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो. बैठक में उपायुक्त ने आपदा से हुए नुकसान के मामलों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा पीड़ितों की सूची शीघ्र तैयार कर क्षतिपूर्ति के भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए. बैठक में समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी सुजाता कुजूर, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. उपायुक्त ने अधिकारियों को पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की, जिससे आम जनता को समय पर लाभ मिल सके.

क्षत्रिय समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है: सुरेश

गुमला। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ के गुमला जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह ने राजपूत समाज के लोगों को सामाजिक कुरीतियों का त्याग कर शिक्षित और संगठित होने की अपील की है. सुरेश सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज का इतिहास गौरवशाली और समृद्धशाली रहा है. आन बान और शान इनकी पहचान रही है. उन्होंने गर्व के साथ कहा कि क्षत्रिय कभी भी अपने निजी स्वार्थ के लिए नहीं जिया है बल्कि वह हमेशा समाज के सभी वर्गों के लिए सनातन के लिए और राष्ट्र के लिए ही जीवन जीने का काम किया है. संघर्ष, परोपकार, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना क्षत्रिय के रगों में है. धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए राजपूत के योगदान इतिहास के पन्नों में दर्ज है. लेकिन वर्तमान समय में समाज के युवा ठीक विपरीत चलता दिखाई पड़ रहा है. आज की युवा पीढ़ी को न तो अपने गौरवशाली इतिहास का ज्ञान है और ना ही अपने आन बान और शान की रक्षा का.

एक नजर

एकादशी पर तामड़ा गांव में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन

सिमडेगा। सावन पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर सिमडेगा सदर प्रखंड के तामड़ा गांव में बुधवार को 24 घंटे तक चलने वाला अखंड हरिकीर्तन विधिवत संपन्न हुआ. यह धार्मिक आयोजन हवन-पूजन के साथ समापन हुआ, जिसमें भक्तों ने भक्ति और श्रद्धा का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया. कीर्तन स्थल पर पूरे दिन रामधुन और भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया. इस शुभ अवसर पर आसपास के टभाडीह, कुम्हारटोली, भेलवाडीह, अंधारीखमन, केशलपुर, फरसाबेड़ा, भुडूपानी, सलडेगा आरएसएस शाखा, धवईपानी सहित विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इन सभी कीर्तन मंडलियों के द्वारा किए गए भजन-कीर्तन ने आयोजन को गरिमामय और सफल बनाया. कार्यक्रम का समापन बुधवार की सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कर किया गया, जिसमें पुरोहितों ने मुख्य भूमिका निभाई. मुकेश मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, राहुल मिश्रा, नीतीश पूरी, राजकिशोर पंडा और मनोज मिश्रा ने धार्मिक विधि-विधान के तहत हवन की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाई.

डीएवी बचरा में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

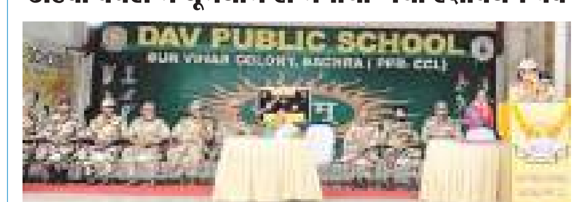

पिपरवार। डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में मंगलवार को रक्षाबंधन का पावन त्यौहार सीआईएसएफ जवानों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस कार्यक्रम की शुरुआत सीआईएसएफ जवानों का तिलक लगाकर व मंत्रोच्चारण के साथ भव्य स्वागत करके की गई. स्कूल की प्राचार्या डॉ. आर. चौधरी ने सीआईएसएफ इंस्पेक्टर सुमन तिवारी को सम्मान स्वरूप एक प्राकृतिक पौधा भेंट किया. इसके बाद प्राचार्या ने जवानों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्या डॉ. आर. चौधरी ने बताया कि रक्षाबंधन का उद्देश्य बच्चों को सीमा की रक्षा करने वाले जवानों से जोड़ना और अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है. उन्होंने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के आयोजन बच्चों में देशभक्ति और उत्साह का संचार करते हैं. कार्यक्रम के दौरान प्राचार्या, शिक्षिकाओं और छात्राओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधी तथा सभी को मिठाई खिलाई. छात्राओं ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया. इस अवसर पर सीआईएसएफ इंस्पेक्टर सुमन तिवारी ने बच्चों द्वारा बनाई गई राखियों की प्रशंसा की और इसे अनमोल बताया. अंत में जवानों ने सभी बच्चों में चॉकलेट बांटी. यह आयोजन स्कूल के सभी शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जिसने सबके दिलों में देशप्रेम और भाईचारे की भावना को और मजबूत किया.

श्रद्धांजलि देने नेमरागांव पहुंचे सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा। लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए. उन्होंने दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस दौरान वे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ अंत्येष्टि की विधि-विधान प्रक्रिया में शामिल हुए. सांसद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस अपार क्षति पर ढांढ़स बंधाया. सुखदेव भगत ने कहा कि झारखंड ने एक ऐसे जननेता को खो दिया है जिसकी भरपाई आने वाले कई दशकों तक नहीं हो सकेगी. दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन आदिवासी समाज, किसान और मजदूरों के हक-अधिकार की लड़ाई में समर्पित रहा. उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा.

पिपरवार थाना में शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

पिपरवार। थाना परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस शोकसभा का आयोजन थाना प्रभारी अभय कुमार के नेतृत्व में किया गया, जिसमें थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे. सभा की शुरुआत में शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गई. पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने शिबू सोरेन के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन हमेशा राज्य की जनता के अधिकारों और कल्याण के लिए समर्पित रहा. उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता कभी भी उनके अमूल्य योगदान को नहीं भूल सकती. शोकसभा में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारी और जवानों ने पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को याद किया. इस मौके पर अवर निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह, सुरेंद्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, शंभू यादव, संतोष यादव सहित पिपरवार थाना के अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे. इस श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से शिबू सोरेन के प्रति सम्मान और उनकी यादों को सहेजने का प्रयास किया गया.

न्यू उदयन स्कूल में शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के न्यू उदयन पब्लिक स्कूल, कल्याणपुर में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सह शोकसभा का आयोजन किया गया. इस मौके पर स्कूल के शिक्षक, छात्र, और पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत गुरु जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने से हुई. इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. उपस्थित वक्ताओं ने शिबू सोरेन के झारखंड राज्य के अलग आंदोलन में योगदान और जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के लिए उनके संघर्ष को याद किया. पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड के गठन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हमेशा जनता के अधिकारों के लिए समर्पित रहे. उन्होंने कहा कि गुरु जी का संघर्ष कभी भुलाया नहीं जा सकता. स्कूल के बच्चों और शिक्षकों ने भी शिबू सोरेन के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर अभय कुमार के अलावा रेहाना प्रवीण, मोहम्मद शाहिल, अब्दुल अंसारी, गौरव कुमार और स्कूल के अन्य शिक्षक और छात्र मौजूद थे. कार्यक्रम के माध्यम से शिबू सोरेन को उनकी जनता के प्रति निष्ठा और बलिदान के लिए सम्मानित किया गया. इस श्रद्धांजलि सभा ने सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया.

मंथन

दिशोम गुरु की विदाई से झारखंड में बड़ा खालीपन

झारखंड की माटी से उपजा वह संघर्षशील और जुझारू व्यक्तित्व-दिशोम गुरु शिबू सोरेन मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गया. रामगढ़ के नेमरा गांव की शांत वादियों में जब उनके पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी गई, तो हर आंख नम थी और हर कंठ से "गुरुजी अमर रहें" की गूंज उठ रही थी. यह केवल एक नेता की विदाई नहीं थी, यह एक युग, एक विचार और एक आंदोलन की विदाई थी, जिसने आदिवासी चेतना को आवाज दी और हक की लड़ाई को जन आंदोलन बनाया. शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब उस जननेता के प्रति अपार श्रद्धा का प्रतीक था, जिसने जीवन भर गरीबों-वंचितों की लड़ाई लड़ी. उनके संघर्षों की गूंज जंगलों, खेतों, खदानों और संसद तक सुनाई दी. उनके पुत्र एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा मुखाग्नि दिए जाने का क्षण केवल व्यक्तिगत शोक का नहीं था, बल्कि पूरे झारखंड के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गया.जब चिता पर उनका शरीर रखा गया और उसी क्षण मूसलधार बारिश शुरू हो गई, तो लगा जैसे प्रकृति भी इस महापुरुष को अपनी श्रद्धांजलि दे रही हो. यह क्षण राजनीति, समाज और प्रकृति के अद्वितीय संगम का प्रतीक बन गया. दिशोम गुरु अब भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनकी विचारधारा, संघर्षशीलता और नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी. उनका जीवन हमें सिखाता है कि असली नेतृत्व सत्ता से नहीं, सेवा और संघर्ष से पैदा होता है। झारखंड के इतिहास में यह विदाई सदा अमिट रहेगी. कहते सुना गया कि गुरुजी जिस नेमरा की सरजमीं से निकले थे, अब उसी मिट्टी में विश्राम करेंगे.

नजरिया

भारत को ट्रंप की टैरिफ वाली चेतावनी, अन्यायपूर्ण दखल है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को रूसी तेल और सैन्य उत्पादों की खरीद को लेकर दी गई भारी से भारी टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी न केवल कूटनीतिक मर्यादा के विपरीत है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शक्ति के दुरुपयोग का एक उदाहरण भी है. यह कहना कि भारत रूसी तेल से भारी मुनाफा कमा रहा है और यूक्रेन युद्ध के प्रति असंवेदनशील है, एक पक्षपाती और अपरिपक्व आरोप है. भारत ने हमेशा अपने ऊर्जा और सुरक्षा जरूरतों के लिए व्यावहारिक और संतुलित नीति अपनाई है. रूस से तेल खरीदना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध नहीं है, और इसे युद्ध में साझेदारी के रूप में चित्रित करना वैश्विक आर्थिक यथार्थ की अनदेखी करना है. ट्रंप का यह रुख उन दोहरे मापदंडों को उजागर करता है जो पश्चिमी देश अकसर विकासशील राष्ट्रों के साथ अपनाते हैं. अमेरिका स्वयं भी रणनीतिक हितों के तहत कई बार रूस और चीन से व्यापार करता रहा है. फिर भारत पर यह नैतिक दबाव क्यों? ट्रंप यह भूल गए हैं कि भारत हमेशा से उनके साथ खड़ा रहा है. इधर, भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा दिया गया दो टूक जवाब न केवल समयानुकूल है, बल्कि यह देश की संप्रभुता और आर्थिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संदेश भी देता है. भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार के दबाव में झुकना उसके स्वाभिमान के विरुद्ध है. ट्रंप को समझना होगा कि भारत कोई पिछलग्गू राष्ट्र नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और सशक्त वैश्विक शक्ति है.

उत्तराखंड के धराली में हुई आपदा के सबक

डॉ. सुशील उपाध्याय

उत्तराखंड की ताजा आपदा ने फिर से अनियंत्रित विकास की पोल खोल दी है.

यदि अब भी न चेता गया, तो उत्तराखंड धार्मिक पर्यटन का नहीं, बल्कि आपदाओं का स्थाई केंद्र बन जाएगा. केदारनाथ और धराली जैसी घटनाएं केवल दुर्घटनाएं नहीं, स्पष्ट चेतावनी हैं. इन्हें अनदेखा करना विनाश की भूमिका तैयार करना होगा.

उत्तरकाशी की ताज़ा आपदा ने एक बार फिर पहाड़ों की नाजुकता और वहां हो रहे अनियंत्रित विकास की गंभीरता को सामने ला दिया है. यदि इस त्रासदी की भयावहता को समझना हो, तो 2013 की केदारनाथ आपदा को याद करना ज़रूरी होगा. उत्तरकाशी जिले में कुछ ही घंटों में अलग-अलग स्थानों पर बादल फटा, जिसमें धराली गांव का बड़ा हिस्सा मलबे और पानी में समा गया. जान-माल के नुक़सान का आकलन अभी नहीं हो सका है, लेकिन यह निश्चित है कि नुकसान व्यापक है.

पिछले एक दशक में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में असाधारण वृद्धि हुई है. बादल फटना, भूस्खलन, नदियों का उफान, ग्लेशियर टूटना और अचानक पहाड़ों का धंसना अब दुर्लभ घटनाएं नहीं रह गईं. ये सभी घटनाएं एक गहरी चिंता का संकेत हैं, जो केवल प्रकृति की 'क्रूरता' नहीं, बल्कि मानवजनित कारणों की परिणति हैं.स्थानीय जनमान्यता है कि नदियां कभी अपने मूल रास्ते को नहीं भूलतीं. चाहे वर्षों लग जाएं, वे एक दिन अपने पुराने बहाव मार्ग पर लौट आती हैं. धराली में नदी जब बड़े-बड़े होटल, मकान और पुलों को बहा ले गई, तो स्पष्ट हो गया कि दोष नदियों का नहीं, बल्कि उनके स्वभाव को समझे बिना हुए निर्माणों का है.

हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाएं कोई नई बात नहीं हैं. लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता जिस तेज़ी से बढ़ी है, वह सामान्य नहीं, बल्कि सीधे-सीधे मानवीय गतिविधियों और वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी है. अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध यह सिद्ध कर चुके हैं कि हिमालयी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है. वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण यहां का मौसमी चक्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है. वर्षा का पैटर्न पूरी तरह असंतुलित हो चुका है. प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ नीति स्तर पर की गई भूलें भी उत्तराखंड की आपदा स्थिति को और गंभीर बना रही हैं. पिछले कुछ वर्षों में राज्य में कई बड़े हादसे हुए हैं- केदारनाथ आपदा, नाचनी गांव त्रासदी, रैणी गांव हादसा, जोशीमठ का धंसना और अब धराली की तबाही. ये सभी घटनाएं बता रही हैं कि उत्तराखंड विकास के जिस रास्ते पर चल रहा, वह दीर्घकालिक रूप से विनाश की ओर ले जा रहा है. सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन आपदाओं से कोई सीख नहीं ली जा रही. सरकारें केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित रहती हैं, जबकि दीर्घकालिक योजनाएं और संरचनात्मक सुधार नदारद हैं. यहां तक कि आपदा प्रबंधन की बुनियादी व्यवस्थाएं भी अधूरी हैं. धराली जैसी घटनाओं में लोगों को समय पर ऊंचे स्थानों की ओर जाने तक का मौका नहीं मिल पाया, जो चेतावनी प्रणाली और स्थानीय बचाव नेटवर्क की विफलता का प्रमाण है.

उत्तराखंड में विकास और पर्यटन के नाम पर जो योजनाएं चल रही, पर्यावरणीय दृष्टिकोण से खतरनाक हैं. विशेष रूप से चारधाम यात्रा के लिए बनाई जा रही ऑल वेदर रोड परियोजना, भले ही राजनीतिक दृष्टिकोण से लोकप्रिय हो, लेकिन भूगर्भीय विशेषज्ञों के अनुसार यह पर्वतीय भू-भाग के लिए घातक है. कमजोर पहाड़ी ढलानों को काटकर बनाई गई चौड़ी सड़कें अब हर मानसून में नए भूस्खलन और सड़क धंसाव को जन्म दे रही हैं. ऐसे विकास की असली कीमत पहाड़ी लोग चुका रहे. अब न केवल पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ रहा है, बल्कि स्थानीयों का जीवन, आवास और आजीविका भी खतरे में पड़ गई है.

पर्यटन के बढ़ते दबाव ने भी स्थिति को बिगाड़ा है. हर साल लाखों की संख्या में चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं. बेतरतीब होटलों, होमस्टे और बाजारों का नदी किनारे विस्तार पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बन गया है. भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी और यहां तक कि छोटी बरसाती नदियों के किनारे तक पर अवैज्ञानिक निर्माण किए जा रहे हैं. आर्थिक दृष्टि से यह लाभदायक हो सकता है, लेकिन आपदा के समय यह सब कुछ क्षणों में तबाह हो जाता है- जैसा कि धराली में हुआ. मूल प्रश्न है कि क्या शासन, प्रशासन और आमजन ने इन चेतावनियों को गंभीरता से लिया है? उत्तराखंड की हर त्रासदी एक अवसर होती है-सुधार के, चेतने के और दीर्घकालिक रणनीति बनाने के. लेकिन दुर्भाग्यवश यह अवसर हमेशा चूक लिया जाता है. कई बार तो ऐसा लगता है कि आपदाएं कुछ लोगों के लिए अवसर में बदल जाती हैं-मसलन, ठेकेदारों, पुनर्निर्माण परियोजनाओं के संचालकों और राजनीतिक प्रचार के लिए. यह प्रवृत्ति न केवल दुखद है, बल्कि राज्य की प्रकृति, लोगों और भविष्य के साथ घोर अन्याय भी है. इसलिए अब आवश्यकता है कि उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों के लिए एक विशेष, दीर्घकालिक और सतत विकास नीति बने. नदी किनारे निर्माण पर सख्त प्रतिबंध लगे, सड़क निर्माण से पहले भू-वैज्ञानिक सर्वे अनिवार्य किया जाए और सभी बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए पर्यावरणीय प्रभाव का निष्पक्ष और वैज्ञानिक मूल्यांकन हो.

आपदा प्रबंधन प्रणाली को केवल कागज़ी दस्तावेज़ों तक सीमित रखने की जगह उसे स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना होगा. स्कूलों, गांवों और पंचायतों तक चेतावनी प्रणाली, आपदा प्रशिक्षण और सुरक्षित ठिकानों की पहचान का विस्तार होना चाहिए. यदि अब भी नहीं चेता गया, तो आने वाले समय में उत्तराखंड धार्मिक पर्यटन का नहीं, बल्कि आपदाओं का स्थायी केंद्र बन जाएगा. केदारनाथ और धराली जैसी घटनाएं केवल दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि स्पष्ट चेतावनी हैं. इन्हें अनदेखा करना अगली पीढ़ियों के लिए विनाश की भूमिका तैयार करना होगा.

(लेखक, चमन लाल स्वायत्त महाविद्यालय, लंढौरा, हरिद्वार के प्राचार्य हैं.)

आज का इतिहास

1606 : शेक्सपीयर के नाटक मैक्बेथ का मंचन किंग जेम्स प्रथम के लिए किया गया.
1753 : ब्रिटिश म्यूजियम की स्थापना की गई.
1905: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया.
1941: नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर का निधन.
1947 : मुंबई नगर निगम को बिजली-परिवहन व्यवस्था हस्तांतरित हुई.
1957 : अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया.
1985 : गीत सेठी ने विश्व अमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती.
1990 : अमेरिका ने सऊदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड शुरू किया.
1998 : केन्या-तंजानिया में अमेरिकी दूतावासों पर आतंकी हमले में 200 लोगों की मृत्यु.
2018 : देश में द्रमुक राजनीति का सशक्त चेहरा रहे एम. करुणानिधि का निधन.

जीवन डर कर जीने के लिए नहीं, रिस्क लेकर आगे बढ़ने का है

चिंतन

बंदरों का सरदार अपने बच्चे के साथ पेड़ की डाली पर बैठा था. बच्चा बोला, मुझे भूख लगी है, क्या मुझे खाने के लिए कुछ पत्तियां दे सकते हैं? बंदर मुस्कुराया, मैं दे तो सकता हूं , पर अच्छा होगा तुम खुद पत्तियां तोड़ लो. लेकिन मुझे अच्छी पत्तियों की पहचान नहीं है. बच्चा उदास होते हुए बोला. तुम्हारे पास एक विकल्प है, बंदर बोला, इस पेड़ को देखो, तुम चाहो तो डालियों से पुरानी कड़ी पत्तियां चुन सकते हो या ऊपर से नरम पत्तियां तोड़ कर खा सकते हो. बच्चा बोला, ये ठीक नहीं है, भला ये अच्छी–अच्छी पत्तियां नीचे क्यों नहीं उग सकतीं, ताकि हम आसानी से उन्हें खा सकें? यही तो बात है, अगर वे सबके पहुंच में होतीं तो उनकी उपलब्धता कहां हो पाती, उनके बढ़ने से पहले ही उन्हें तोड़ कर खा लिया जाता. बंदर ने समझाया. लेकिन इन पतली डालियों पर चढ़ना खतरनाक है, डाल टूट सकती है, मेरा पांव फिसल सकता है, मैं नीचे गिर कर चोटिल हो सकता हूं, बच्चे ने चिंता जताई.
बंदर बोला, सुनो बेटा, एक बात याद रखो, हम अपने दिमाग में खतरे की जो तस्वीर बनाते हैं अक्सर खतरा उससे कहीं कम होता है. पर ऐसा है तो हर बंदर उन डालियों से ताज़ी पत्तियां तोड़कर क्यों नहीं खाता? बच्चे ने पूछा. बंदर बोला - क्योंकि ज्यादातर बंदरों को डर कर जीने की आदत है, वे सड़ी-गली पत्तियां खाकर शिकायत करना पसंद करते हैं, पर खतरा उठा कर वो पाने की कोशिश नहीं करते. पर तुम ऐसा मत करना, ये जंगल संभावनाओं से भरा है, अपने डर को जीतो और जाओ ऐसी ज़िंदगी जियो जो तुम जीना चाहते हो. बच्चा समझ चुका था कि उसे क्या करना है, उसने अपने डर को पीछे छोड़ा और ताज़ी- नरम पत्तियों से अपनी भूख मिटाई. दोस्तों, अगर हम अपनी जिंदगी में झांकें तो पता चलेगा कि हम कैसी पत्तियां खा रहे. सड़ी-गली या ताजा. हमें भी इस बात को समझना होगा की हम अपने दिमाग में खतरे की जो तस्वीर बनाते हैं अक्सर खतरा उससे कहीं कम होता है. आप ही सोचिए खुद खतरे को बहुत बड़ा बना डर कर बैठे रहना कहां की समझदारी है. अगर आपके कुछ सपने हैं, कुछ ऐसा है जो आप सचमुच करना चाहते हैं, तो उसे ज़रूर करिए. आपकी हिम्मत ही आपको अपनी मनचाही ज़िंदगी दे सकती है, डर कर बैठे रहना नहीं...

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #BahinThanksMahaCM
2. #DevabhauForSisters
3. #PowerToDoAll
4. #MotoG86POWER
5. सुषमा स्वराज
6.#SushmaSwaraj
7. पूर्व विदेश मंत्री
8. पूर्व केंद्रीय मंत्री
9. Family Values
10. Devendra Ji

फिल्म 'महावतार नरसिम्हा'

भारतीय पौराणिक चेतना का समकालीन जागरण

फिल्म "महावतार नरसिम्हा" 25 जुलाई को रिलीज हुई है. इस एनिमेटेड फिल्म ने भारतीय सिनेमा के उन तमाम समीकरणों को तोड़कर रख दिया है जो अब तक स्टार पावर, मार्केटिंग बजट और अर्बन ट्रेंड्स पर टिके थे. मात्र 15 करोड़ रुपये की लागत में बनी यह फिल्म 12 दिनों में ही 100 करोड़ क्लब में शामिल हो गई, और वो भी उस वक्त जब सिनेमाघरों में एक हाई बजट स्टारकास्ट वाली फिल्म 'सैयारा' का दबदबा बना हुआ था. लेकिन महावतार नरसिम्हा की सफलता केवल एक बॉक्स ऑफिस की उपलब्धि नहीं है; वस्तुतः यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक भी बनकर आज सभी के सामने आई है. यह फिल्म बताती है कि भारतीय पौराणिक कथाएं आज भी न केवल दर्शकों के दिलों को छूती हैं, बल्कि समाज को गहरे स्तर पर प्रभावित करने की शक्ति रखती हैं. वहीं, ये कथाएं सिर्फ कहानियां नहीं हैं, समाज जीवन में सदैव आदर्श स्थापित रहें, इसके लिए इन कथाओं का विमर्श हमेशा भारतीय समाज में जीवंत है. कहना होगा कि भारत की सभ्यता एक कथा-प्रधान संस्कृति रही है. हमारे महाकाव्य, पुराण और उपाख्यान सदियों से मौखिक और लिखित परंपरा के जरिए पीढ़ियों तक संप्रेषित होते रहे हैं. जब इन कहानियों को सिनेमा जैसी आधुनिक और व्यापक पहुंच वाली विधा में उतारा जाता है, तो उनका प्रभाव अनेकगुना हो जाता है. "महावतार नरसिम्हा" उसी परंपरा की एक सशक्त कड़ी है, जिसने न केवल बाल दर्शकों को आकर्षित किया, बल्कि वयस्कों और युवाओं को भी अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा और उसमें लोक के सहजीवन के प्रति भी ओर उन्मुख किया है. इस फिल्म में केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक स्मृति का समावेश है जो भारत की आत्मा में बसी है. फिल्म में "नरसिंह अवतार" की कथा केवल एक धार्मिक आख्यान के रूप में नहीं प्रस्तुत की गई, बल्कि उसे आज के समय की चुनौतियों से जोड़ने की चेष्टा की गई है. ये अन्याय, अहंकार और अत्याचार के विरुद्ध न्याय, धर्म और सत्य की विजय है.

वस्तुतः "महावतार नरसिम्हा" की सफलता यह दर्शाती है कि दर्शकों की आत्मा से निकला प्रचार, बड़े बजट वाले मीडिया कैंपेन से भी अधिक असरदार होता है. फिल्म की शुरुआत अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन इसके नैतिक और आध्यात्मिक संदेश ने दर्शकों को इतना गहराई से जोड़ा कि वर्ड ऑफ माउथ ने इसे एक सांस्कृतिक आंदोलन में बदल दिया. यह दर्शाता है कि भारतीय जनमानस अब ऐसी फिल्मों के लिए तैयार है जो न केवल मनोरंजन दें, बल्कि उन्हें उनके सांस्कृतिक अस्तित्व से भी जोड़ें. इस फिल्म ने यह मिथक तोड़ दिया है कि पौराणिक विषयों पर बनी फिल्में केवल सीमित वर्ग को ही आकर्षित कर सकती हैं. "नरसिंह अवतार" की कथा केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि वह एक कालातीत संदेश देती है. फिल्म का साफ संदेश है कि जब 'अधर्म' अपने चरम पर होता है, तब 'धर्म' स्वयं किसी न किसी रूप में अवतरित होकर संतुलन स्थापित करता है. 'हिरण्यकश्यप' के अत्याचार और भक्त 'प्रह्लाद' की श्रद्धा, भगवान नरसिंह के रूप में उस शक्ति की उद्घोषणा करती है जो 'सत्यमेव जयते' के सिद्धांत को व्यवहार में लाती है.

"महावतार नरसिम्हा" फिल्म का यही वह केंद्रीय भाव है, जो आज के संदर्भ में विशेष रूप से अत्यधिक प्रासंगिक है. कहना होगा कि जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो, जब सत्ता अहंकार में डूबे, जब निर्दोष की आस्था को चुनौती मिले, तब प्रकृति को या कहें सृष्टी को 'अवतार' की आवश्यकता होती है. यह अवतार किसी व्यक्ति विशेष के रूप में नहीं, बल्कि 'जागृत चेतना' के रूप में आता है, फिर वह चेतना किसी भी रूप में हो सकती है. यही इस फिल्म का सार तत्व है. इस फिल्म की अपार सफलता ने न केवल भारतीय सिनेमा को नई दिशा दी है, बल्कि होम्बले फिल्म्स ने पौराणिक कथाओं पर आधारित एक महा-श्रृंखला की भी घोषणा की है, जिसमें महावतार परशुराम (2027), महावतार रघुनंदन (2029), महावतार द्वारकाधीश (2031), महावतार गोकुलानंद (2033) और महावतार कल्कि (2035) जैसे आगामी शीर्षक शामिल हैं. इससे स्पष्ट है कि भारतीय पौराणिक साहित्य अब केवल ग्रंथों और मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सिनेमाई माध्यम से अगली पीढ़ी की चेतना में उतरेगा. इस दिशा में यह पहला ठोस और दूरदर्शी कदम है. एक अच्छी कथा वही होती है जो श्रोताओं या दर्शकों के हृदय को छू जाए. न सिर्फ संवादों या दृश्यों से, बल्कि अपने मूल विचार से भी अपना प्रभाव छोड़े. "महावतार नरसिम्हा" में यह विचार स्पष्ट है कि ईश्वर कहीं बाहर नहीं, भीतर है. अन्याय से लड़ने के लिए 'ईश्वरीय शक्ति' बाहर से नहीं आती, वह प्रत्येक व्यक्ति (प्रह्लाद) के अंदर विद्यमान है. सिर्फ उसे अनुभूत करने की जरूरत है. इस फिल्म ने केवल एक पौराणिक कथा को दोहराया ही नहीं, बल्कि उसे आज की पीढ़ी के लिए पुनर्परिभाषित किया है. इसकी एनिमेशन क्वालिटी, बैकग्राउंड स्कोर, और संवादी संरचना ने इसे एक समग्रता के साथ परम आनन्दायक अनुभूति हो, ऐसा अनुभव बना दिया है, जिसमें कि मन-मस्तिष्क में देर तक विचारों की शांति बनी रहती है. महावतार नरसिम्हा कोई साधारण फिल्म नहीं है; यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की प्रस्तावना है. यह बताती है कि भारतीय पौराणिक कथाएं आज भी जीवंत हैं, वे केवल स्मृति की वस्तुएं नहीं, बल्कि चेतना का माध्यम हैं. जब इन्हें सशक्त कलात्मक प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है, तो वे न केवल दर्शकों का मनोरंजन करती हैं, बल्कि उन्हें प्रेरणा भी देती हैं. यह फिल्म एक उदाहरण है कि यदि कथा अच्छी हो, भावनाएं सच्ची हों और प्रस्तुति प्रामाणिक हो, तो वह अवश्य ही लोगों के हृदय में स्थान बना लेती है.

बहुरंग

अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 अगस्त को स्ट्रीम होगी थ्रिलर सीरीज 'अंधेरा'

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़न प्राइम वीडियो ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई वेब सीरीज 'अंधेरा' का ऐलान कर दिया है, जो हॉरर और थ्रिलर प्रेमियों के लिए एक रोमांचक अनुभव लेकर आ रही है. इस सिहरन पैदा करने वाली कहानी में प्रतिभाशाली अभिनेत्री प्रिया बापट, बहुमुखी अभिनेता करणवीर मल्होत्रा और लोकप्रिय यूट्यूबर से अभिनेत्री बनी प्राजक्ता कोली मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगी. सीरीज का निर्देशन राघव दर और गौरव देसाई ने किया है, जबकि इसके निर्माता मशहूर अभिनेता-निर्माता फरहान अख्तर हैं, जो अपने क्रिएटिव और दमदार कंटेंट के लिए जाने जाते हैं.

'अंधेरा' का प्रीमियर 14 अगस्त को अमेज़न प्राइम वीडियो पर होगा. प्लेटफॉर्म ने सीरीज की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक सिहरन पैदा करने वाला मैसेज भी शेयर किया, तैयार हो जाइए, यह अंधेरा सिर्फ डराता नहीं, शिकार भी करता है. इस टैगलाइन से ही अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह सीरीज केवल हॉरर नहीं, बल्कि एक इंटेंस थ्रिलर भी होगी, जो दर्शकों को हर एपिसोड में अपनी सीट से बांधे रखेगी. सीरीज का पहला पोस्टर भी रिलीज किया गया है, जिसमें प्राजक्ता कोली समेत

सभी प्रमुख कलाकारों की झलक देखने को मिलती है. पोस्टर का रहस्यमय और डरावना माहौल साफ संकेत देता है कि कहानी में डर, सस्पेंस और अनपेक्षित मोड़ों का भरपूर तड़का होगा. कहानी से जुड़े प्लॉट को मेकर्स ने अभी गुप्त रखा है, लेकिन उद्योग जगत के सूत्रों का कहना है कि 'अंधेरा' में न केवल अलौकिक तत्व होंगे, बल्कि इंसानी मनोविज्ञान के सबसे अंधेरे पहलुओं को भी गहराई से खोजा जाएगा. ऐसे में यह सीरीज हॉरर थ्रिलर जॉनर में एक नई परिभाषा गढ़ सकती है. दर्शकों के बीच 'अंधेरा' को लेकर उत्साह चरम पर है और 14 अगस्त को इसके प्रीमियर के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि यह सीरीज अपने नाम के मुताबिक कितनी गहरी और डरावनी साबित होती है.

डायरेक्टर राजकुमार संग काम कर सकते हैं कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन हाल ही में 'भूल भुलैया-3' में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार हिट रही. आने वाले समय में कार्तिक कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे, जिनका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब कार्तिक अपनी अगली फिल्म को लेकर निर्देशक राजकुमार पेरियासामी के साथ बातचीत कर रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, जिन्हें 'रंगून' और 'अमरन' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, अब बॉलीवुड में निर्देशन की पारी शुरू करने की योजना बना रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि उनकी पहली हिंदी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए कार्तिक आर्यन से बातचीत चल रही है. पिछले कुछ

दिनों से दोनों के बीच लगातार चर्चाएं हो रही हैं. इसके साथ ही पेरियासामी अभिनेता अक्षय खन्ना को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल करने को लेकर चर्चा कर रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक राजकुमार पेरियासामी चाहते हैं कि उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म में कार्तिक आर्यन और अक्षय खन्ना की जोड़ी नजर आए.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. शुभांक-3-6-8

वृष : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. विद्यार्थियों को लाभ. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. शुभांक-6-7-9

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. शुभांक-3-4-8

कर्क : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. संतान की उन्नति के योग हैं. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. शुभांक-4-8-9

सिंह : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-6-8-9

कन्या : पुराने मित्र से मिलन होगा. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. व्यापार में वृद्घि होगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि होगी. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. शुभांक-4-2-9

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. शुभांक-6-8-9

वृश्चिक :नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-2-6-7

धनु : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. शुभांक-3-7-9

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी. शुभांक-6-7-8

कुंभ : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. आलस्य का त्याग करें. काम पर पैनी नजर रखिए. सब्र का फल मीठा होता है. अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. शुभांक-2-5-7

मीन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. सफलता मिलेगी. कुछ नई रुकावटें आएंगी, जिससे आप पार पा सकेंगे. शुभांक-3-7-8

एलिआये पर बना दुनिया का सबसे अकेला मकान

एलिआये नाम का एक छोटा सा आईलैंड है। जो आईसलैंड के दक्षिण में स्थित है। तस्वीर में दर्शाया गया ये मकान उसी आईलैंड पर है। इस आईलैंड पर ये इकलौता मकान है। इसकी खासियत ये है कि इसमे कोई भी नहीं रहता है। इसके अलावा यहां कोई दूसरा मकान मौजूद नहीं। कहा जाता है कि 18वीं और 19वीं सदी में कुछ लोग यहां रहा करते थे। मगर 1930 के आसपास से बेहतर जीवन की उम्मीद में लोग यहां से चले गए। माना जाता है कि ये मकान करीबन 100 सालों से वीरान है। इस मकान को बनाने के पीछे कई कहानियां बताई जाती है। कुछ लोगों का कहना है कि ये मकान किसी अरबपति ने बनवाया था। वास्तव में इसे एलिआये हंटिंग एसोसिएशन ने बनवाया था। संगठन से जुड़े लोग जब भी शिकार करने आते थे, तो वे इसी लॉज में ठहरते थे।

यहां लगता है साढे तीन साल का सूर्यग्रहण!

वैज्ञानिकों ने एक से तारे की खोज की है जहां साढे तीन वर्ष का सूर्यग्रहण लगता है। ये दो तारे हैं जो कि पृथ्वी से एक हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। विज्ञानियों ने टीवाइसी 2505-672-1 युगल तारों में सबसे लंबे तथा सर्वाधिक अवधि के बाद लगने वाले ग्रहण का पता लगाया है। यह शोध एस्ट्रोनोमिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वांडरबिल्ट विश्वविद्यालय के विज्ञानी जोए रोड्रिग्स ने अपने शोध में बताया कि दो विशेष खगोलीय पिंडो से यह खोज करना संभव हो पाया। वैज्ञानिकों का कहना है कि टीवाइसी बेहद दूर होने के कारण उसके चित्र आदि लेने की संभावनाएं बेहद सीमित रहीं। लेकिन वैज्ञानिकों ने सहयोगी सितारे का तापमान दर्ज कर लिया। इसके सहयोगी तारे का तापमान सूर्य की सतह से दो हजार डिग्री सेल्सियस अधिक था। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह का अगला ग्रहण 2080 में लगेगा। गौरतलब है कि इससे पहले सहयोगी तारे के कारण सबसे लंबे और अधिक अवधि के ग्रहण का रिकॉर्ड 27 वर्ष और 640 से 730 दिन का था जो कि एक अन्य विशाल तारे एप्सिलोन औरिगी के नाम था जो पृथ्वी से 22 सौ प्रकाश वर्ष दूर तथा बेहद चमकीला है।

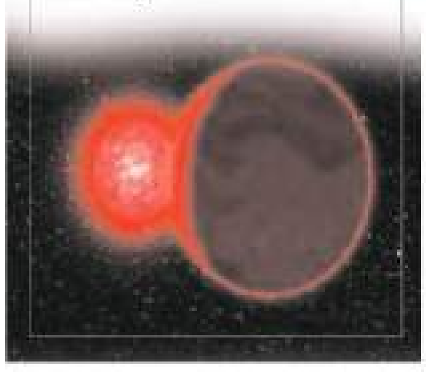

दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर में छिपे हैं कई गहरे राज

दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया देश में है। इस मंदिर अंकोरवाट मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की बनावट अद्भुत है, जिसकी वजह से यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। आइए जानते हैं इस मंदिर की खास बातें और इतिहास...

यशोधरपुर था पहले इस मंदिर का नाम

हिंदू धर्म सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। इसकी पुरातन संस्कृति की झलक पूरी दुनिया में दिखती है। यही कारण है कि इस धर्म के प्रतीक, अवशेष, चिन्ह यहां तक प्राचीन मंदिर विदेशों में भी मिलते हैं। इन्हीं प्राचीन मंदिरों में से एक है कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर। यह एक हिंदू मंदिर है। 402 एकड़ में फैला यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है। प्राचीन समय में इस मंदिर का नाम यशोधरपुर था। बताया जाता है कि इसका निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय (1112-53 ई) के शासनकाल में हुआ था। खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित है यहां का खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित स्थापत्य वाले इस विष्णु मंदिर का निर्माण कार्य सूर्यवर्मन द्वितीय ने प्रारंभ जरूर किया, लेकिन वे इसे पूरा नहीं कर सके। मंदिर का कार्य उनके भांजे व उत्तराधिकारी धरणीन्द्रवर्मन के शासनकाल में पूरा हुआ। मिश्र व मैक्सिको के स्टेप पिरामिडों की तरह यह सीढ़ी पर उठता गया है। इसका मूल शिखर लगभग 64 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी आठों शिखर 54 मीटर ऊंचे हैं। मंदिर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पत्थर की दीवार से घिरा हुआ था, उसके बाहर 30 मीटर खुली भूमि और फिर बाहर 190 मीटर चौड़ी खाई है। विद्वानों के अनुसार, यह चोल वंश के मंदिरों से मिलता-जुलता है।

इस मंदिर में स्थापित है भगवान विष्णु

इस मंदिर की रक्षा के लिए चारों तरफ खाई बनवाई गई, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। अंकोरवाट यहां का एक अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की मूर्तियां एक साथ हैं। अंगकोरवाट मंदिर की खासियत है कि विष्णु भगवान का यह दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर है। कंबोडिया के मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में स्थापित इस मंदिर के प्रति वहां के लोगों में अपार श्रद्धा है। यही वजह है कि इस मंदिर को राष्ट्र के लिए सम्मान का प्रतीक माना जाता है और इसे कंबोडिया के राष्ट्रध्वज में भी स्थान दिया गया है। यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है।

दीवारों पर उकेरे गए हैं हिंदू धर्म से जुड़े प्रसंग

यह मंदिर सनातन संस्कृति का साक्ष्य है। इसकी दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों के प्रसंगों का अद्भुत चित्रण है। आप यहां अप्सराओं का सुंदर चित्र देख सकते है। यहां तक कि असुरों और देवताओं के बीच हुए समुद्र मंथन के दृश्य को भी बड़े ही सुंदरता से उकेरा गया है।

यूनेस्को के विश्व धरोहरों में से एक है यह मंदिर

अंकोरवाट मंदिर विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यही कारण है कि इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। यहां लोगों को वास्तुशास्त्र का अनोखा स्वरूप देखने को मिलता है। पर्यटक यहां सिर्फ मंदिर की खूबसूरती और इतिहास जानने ही नहीं आते, बल्कि यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का अनुभव भी असाधारण होता है। सनातन धर्म के लोग इसे पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

भारतीय गुप्त कला की दिखती है झलक

इस विशाल मंदिर की दीवारों पर रामायण की कथाएं मूर्तियों में दर्शायी गई हैं। ऐसा लगता है कि विदेशों में जाकर भी प्रवासी कलाकारों ने भारतीय कला को जीवित रखा था। मंदिर में की गई कलाकारी को देखकर लगता है कि यह भारतीय गुप्त कला से प्रभावित है। यहां के मंदिरों में तोरण द्वार और अलंकृति शिखर दिखते हैं।

मंदिर पर बौद्ध धर्म का भी पड़ा असर

अंगकोरवात के हिंदू मंदिरों पर बाद में बौद्ध धर्म का गहरा प्रभाव पड़ा। कालांतर में उनमें बौद्ध भिक्षुओं ने निवास भी किया था। इस क्षेत्र में 20वीं सदी की शुरुआत में जो पुरातात्विक खुदाई हुई है, उनसे ख्मेर के धार्मिक विश्वासों, कलाकृतियों और भारतीय परंपराओं की प्रवासजन्य परिस्थितियों पर बहुत प्रकाश पड़ा है। यहां हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

एक करोड़ चट्टानों से बना है मंदिर

अंकोरवाट मंदिर की दीवारों पर मूर्तियों में पूरी रामायण अंकित है। मीकांग नदी के किनारे बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला है।

12वीं शताब्दी के अंकोरवाट मंदिर को चूना पत्थर की विशाल चट्टानों से कुछ ही दशकों में बना लिया गया था। डेढ़ टन से ज्यादा वजन वाली ये चट्टानें बहुत दूर से लाई जाती थीं। सैकड़ों किलोमीटर दूर से विशाल चट्टानों को लाना तब असंभव सा था। तत्कालीन हिंदू राजा ने मंदिर के लिए करीब स्थित माउंट कुलेन से चट्टानें लाने में भूमिगत नहरों की मदद ली। नावों में लादकरक ये चट्टानें पहुंचाई गई।

12वीं सदी का यह मंदिर करीब एक करोड़ चट्टानों से बना है। भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार इस मंदिर को सिर्फ एक राजा के शासनकाल में तैयार कर लिया गया था। उन दिनों दक्षिण-पूर्वी एशिया में सर्वाधिक प्रभावशाली और समृद्ध रहा खमेर साम्राज्य आधुनिक लाओस से लेकर थाईलैंड, वियतनाम, बर्मा और मलेशिया तक फैला था।पुरावेत्ताओं ने अंकोरवॉट मंदिर के गुम हो जाने और आसपास घने जंगलों में खो जाने के कारणों पर काफी अध्ययन किए हैं। ताजा शोध में वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का उपग्रह चित्र लिया, जिसमें पाया कि पूरा इलाका प्राचीन भूमिगत नहरों से जुड़ा है। शायद इसलिए हजारों किलोमीटर दूर से इन नहरों के जरिए कम से कम समय में चूना पत्थरों को मंदिर निर्माण के लिए लाया गया होगा। खमेर साम्राज्य के लोग धान की खेती करते थे। वे खेती को इस हद तक बढ़ावा देने लगे कि पर्वत के पेड़ काटकर वहां भी धान बोने लगे। युद्धों से तो खामेर साम्राज्य सिमट ही रहा था, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के नाते वह प्राकृतिक विनाश का भी शिकार बना। और अंकोरवाट मंदिर कहीं खो गया जिसे बाद में घने जंगलों के बीच 16वीं शताब्दी में फिर खोजा जा सका।

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल

अंकोरवाट कंबोडिया में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है, जो करीब 162.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यह मूल रूप से खमेर साम्राज्य में भगवान विष्णु के एक हिंदू मंदिर के रूप में बनाया गया था। मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला हुआ है। यह मन्दिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। इसकी दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं, असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मन्थन का दृश्य भी दिखाया गया है। सनातन धर्म को मानने वाले इसे अपना पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

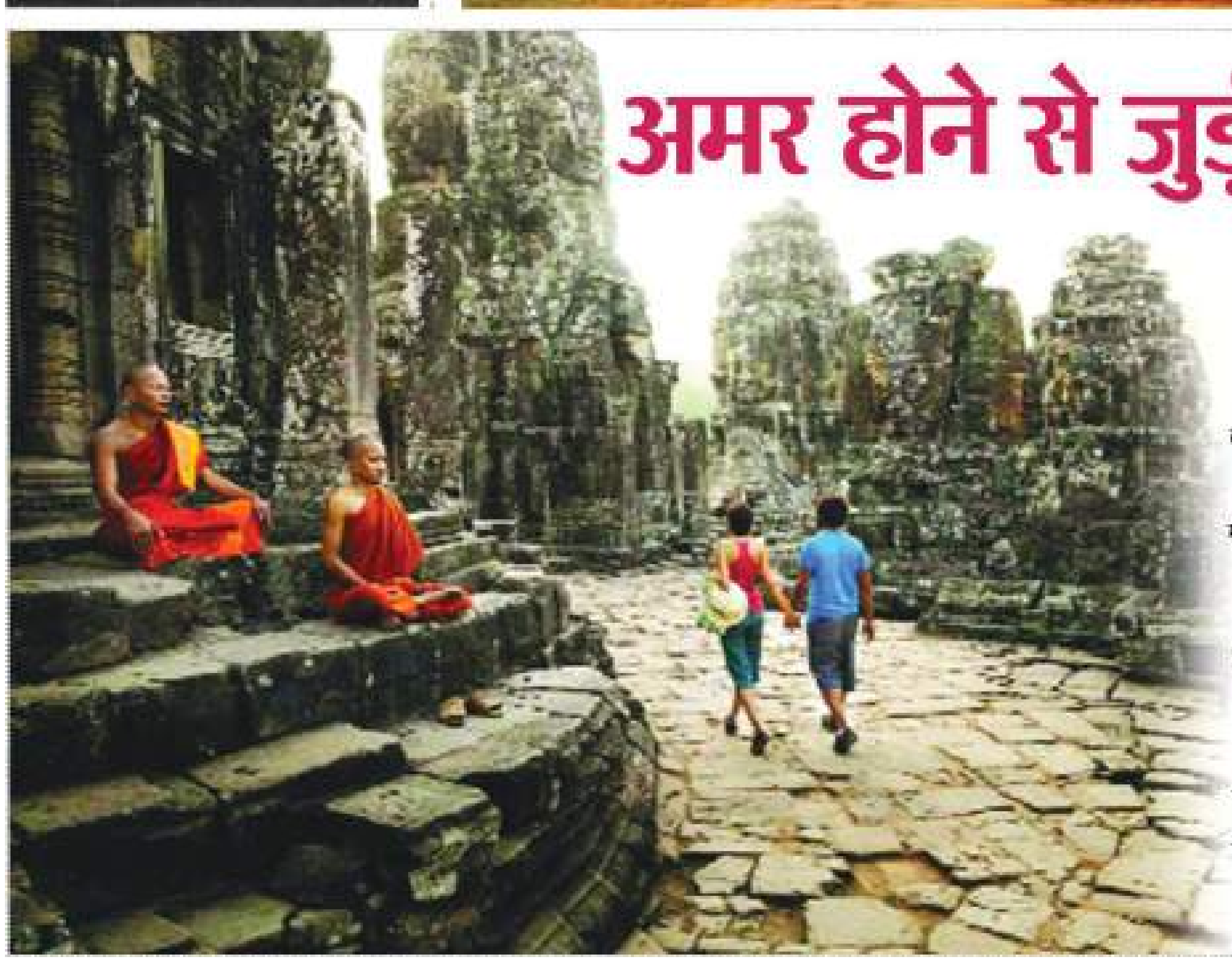

अमर होने से जुड़ी है इसके निर्माण की कहानी

हिंदू धर्म भारत का सबसे बड़ा और मूल धार्मिक समूह है। यहां की लगभग 80 फीसदी जनसंख्या हिंदू धर्म को मानती है और यही वजह है कि भारत में अनेक हिंदू मंदिर हैं। शायद ही देश का ऐसा कोई भी शहर या गांव होगा, जहां कोई मंदिर न हो। लेकिन इसके बावजूद आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया में है। इस मंदिर का नाम है अंकोरवाट मंदिर। यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है, जिसका पुराना नाम यशोधरपुर था। इसका निर्माण 12वीं सदी में खमेर वंश के सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में हुआ था। खास बात ये है कि यह एक विष्णु मंदिर है जबकि यहां के पूर्ववर्ती शासकों ने प्राय: शिव मंदिरों का ही निर्माण कराया था।

402 एकड़ में फैले इस मंदिर की दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं। इसके अलावा यहां समुद्र मंथन का दृश्य भी दिखाया गया है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक होने के साथ ही यह मंदिर यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। पर्यटक यहां केवल वास्तुशास्त्र का अनुपम सौंदर्य देखने ही नहीं आते बल्कि यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने भी आते हैं।

इस मंदिर की खासियत ये है कि इसका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में स्थित है, जबकि सभी प्रमुख हिंदू तीर्थों और मंदिरों के द्वार पूर्व दिशा में होते हैं। सूर्यास्त के समय ऐसा लगता है जैसे यह मंदिर सूर्यदेव को नमन कर रहा हो। ढलते सूरज की रोशनी में इस मंदिर की सुंदरता को देखते बनती है।

कहते हैं कि राजा सूर्यवर्मन हिंदू देवी-देवताओं से नजदीकी बढ़ाकर अमर होना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने लिए एक विशिष्ट पूजा स्थल बनवाया, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की ही पूजा होती थी। आज यही मंदिर अंगकोर वाट के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि स्वयं देवराज इन्द्र ने महल के तौर पर अपने बेटे के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

इस मंदिर की रक्षा के लिए एक चतुर्दिक खाई का भी निर्माण कराया गया था, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई किसी झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार निर्मित है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। मंदिर की दीवारों पर समस्त रामायण मूर्तियों में अंकित है।

इस मंदिर का इतिहास बौद्ध और हिंदू दोनों ही धर्मों से बहुत निकटता से जुड़ा है। यह मंदिर मूल रूप से हिंदू धर्म से जुड़ा पवित्र स्थल है, जिसे बाद में बौद्ध रूप दे दिया गया, लेकिन आज भी हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी समान रूप से इस मंदिर में आस्था रखते हैं।

यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। दरअसल, हिंदू धर्म में मेरु पर्वत को भगवान ब्रह्मा सहित अनेक देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। चूंकि यह मंदिर कंबोडिया की पहचान रहा है, इसलिए इस मंदिर की तस्वीर कंबोडिया के राष्ट्रीय ध्वज पर भी दिखती है।

एशिया कप में भारत का खेलना पक्का नहीं, उधर बांग्लादेश ने संभावित टीम का किया ऐलान

जय हिंदू कप्तान

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत के एशिया कप 2025 में खेलने को लेकर अभी सवाल बने हुए हैं और अगर वह नहीं खेलता है तो संभावना है कि टूर्नामेंट टल भी जाए. क्रिकेट में फिलहाल भारत सुपरपावर है और अगर वह नहीं खेलता है तो स्पॉन्सर्स भी टूर्नामेंट से हट सकते हैं, क्योंकि एशिया कप का सबसे बड़ा मैच भारत बनाम पाकिस्तान होता है. यही वजह है कि स्पॉन्सर्स भारी भरकम रकम अदा करते हैं, लेकिन अगर भारत हटेगा तो उन्हें घाटा होगा. फैसला क्या होगा यह समय ही बताएगा, लेकिन इस बीच

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए संभावित 25 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा कर दी है. नीदरलैंड्स के खिलाफ सीरीज के लिए भी यही टीम रहेगी. टीम की कमान हिंदू क्रिकेटर लिटन दास के पास है.

मोसादेक हुसैन सैकत के साथ अन्याय

इसके विपरीत स्थानीय प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद मोसादेक हुसैन सैकत को एक बार फिर टीम से बाहर रखा गया है. ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज टीम में अपनी जगह बरकरार रखते हैं, हालांकि उनका हालिया टी20 प्रदर्शन – खासकर श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में – निराशाजनक रहा है. यह सीरीज डच टीम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह बांग्लादेश का उनका पहला द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा.

एशिया कप 2025 के लिए बांग्लादेश की टीम

लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, मोहम्मद नईम शेख, सौम्य सरकार, मोहम्मद परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, शमीम हुसैन पटवारी, नजमुल हुसैन शंटो, रिशाद हुसैन, शाक महेदी हसन, तनवीर इस्लाम, नसुम अहमद, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब, मोहम्मद सैफुद्दीन, नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, सैयद खालिद अहमद, नुरुल हसन सोहन, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकोन, सैफ हसन.

यह टीम 9 से 28 सितंबर तक यूएई में आयोजित होगी. यही टीम नीदरलैंड के खिलाफ 30 अगस्त से 3 सितंबर तक सिलहट में होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी खेलेगी. टीम 6 अगस्त से मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में फिटनेस कैंप के लिए एकत्रित होगी, जिसके बाद 15 अगस्त से कौशल प्रशिक्षण शुरू होगा. इसके बाद यह कैंप 20 अगस्त से सिलहट में आयोजित होगा. उल्लेखनीय खिलाड़ियों में विकेटकीपर-बल्लेबाज नूरुल हसन सोहन भी शामिल हैं, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए बाहर रहने के बाद टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं.

सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मैचों से पहले उनके 26 अगस्त के आसपास पहुंचने की उम्मीद है, जिससे उन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए सीमित समय मिलेगा. इस बीच संभावित टीम के कई खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज 2025 में भी बांग्लादेश-ए का प्रतिनिधित्व करेंगे. यह दौरा 9 अगस्त से शुरू होगा और इसमें दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार दिवसीय मैच के साथ-साथ विभिन्न टीमों के खिलाफ सीमित ओवरों के कई मैच शामिल होंगे.

लीग्स कप 2025

चोट के कारण इंटर मियामी के मैच से बाहर रहेंगे लियोनेल मेसी

मियामी। इंटर मियामी को लीग्स कप 2025 के अहम मुकाबले में बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी पुमास यूनाम के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज मुकाबले से बाहर हो गए हैं. टीम के कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की. माशेरानो ने बताया कि मेसी को पिछले शनिवार नेकैक्सा के खिलाफ मियामी की जीत के दौरान दाहिनी जांघ के ऊपरी हिस्से में हल्की मांसपेशियों की चोट लगी है. माशेरानो ने पत्रकारों से कहा, बुरी खबर के बीच अच्छी बात ये है कि मेसी आमतौर पर काफी तेजी से चोट से उबरते हैं,लेकिन साफ है कि वो कल के मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे. इसके बाद हम देखेंगे कि उनकी रिकवरी कैसी रहती है. मेसी इस सीजन एमएलएस में सबसे ज्यादा 18 गोल कर चुके हैं और 2023 में इंटर मियामी को लीग्स कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं.

इंग्लैंड दौरा समाप्त कर स्वदेश लौटे मोहम्मद सिराज

गृह नगर हैदराबाद एयरपोर्ट पर आए नजर

एजेंसियां। हैदराबाद

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सफल सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ी अब स्वदेश पहुंच रहे हैं. तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बुधवार को लंदन से मुंबई पहुंचे जहां से उन्होंने हैदराबाद की उड़ान भरी. सिराज का प्रदर्शन इंग्लैंड दौरे पर शानदार रहा और उन्होंने कुल 23 विकेट झटके. वह इस सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे जिसकी मदद से भारत यह सीरीज बराबर करने में सफल रहा था.

सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर बिखेरी थी चमक

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2-2 की बराबरी पर छूटी. भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल की अगुआई में गई थी. रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना भी टीम ने इस दौरे पर दमदार प्रदर्शन किया. सिराज ने विशेष रूप से चमक बिखेरी. उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट मैच खेले और कुल 185.3 ओवर तक गेंदबाजी की. उन्होंने इस दौरान 23 विकेट चटकाए जिसमें से नौ विकेट पांचवें टेस्ट मैच में लिए. यह सिराज का किसी टेस्ट द्विपक्षीय सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.

फैंस ने किया स्वागत

सिराज ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे जहां कुछ प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया. स्वदेश पहुंचने पर फैंस ने सिराज से सेल्फी और ऑटोग्राफ देने की मांग की, लेकिन सिराज आगे बढ़े क्योंकि उन्हें हैदराबाद के लिए उड़ान भरनी थी. सिराज फिर अपने गृह नगर हैदराबाद एयरपोर्ट पर नजर आए. वहां भी वह फैंस से घिरे दिखे.

गंभीर भी स्वदेश लौटे

इंग्लैंड दौरे के बाद भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश के लिए रवाना हुए हैं. सिराज से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर मंगलवार को स्वदेश पहुंचे और दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से बात भी की थी. गंभीर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई थी और कप्तान गिल तथा सिराज की जमकर प्रशंसा की थी. गंभीर ने कहा था, मैं खुश हूं और मुझे लगता है कि खिलाड़ी इसके हकदार थे. मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया. हालांकि, सिर्फ सिराज ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया.

एशिया कप चयनकर्ताओं के सामने अब एशिया कप की होगी चुनौती

गिल-यशस्वी के साथ ये खिलाड़ी भी दौड़ में शामिल

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा पूरा हो गया है और खिलाड़ी स्वदेश लौट रहे हैं. शुभमन गिल की अगुआई में भारत ने इस दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया. भारतीय टीम के सामने अब अगली चुनौती एशिया कप की होगी जहां वह खिताब के बचाव के लिए उतरेगी. एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से होनी है और इस बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा. चयनकर्ताओं के सामने एशिया कप के लिए टीम चुनने की चुनौती होगी. भारतीय टी20 टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है. माना जा रहा है कि अगस्त के तीसरे सप्ताह तक एशिया कप के लिए टीम घोषित हो जाएगी. इसके लिए यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और साई सुदर्शन टीम में जगह बनाने के दावेदारों में शामिल हैं. न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के हवाले से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं.

आईपीएल में खूब चला था गिल-यशस्वी और सुदर्शन का बल्ला: भारत अगर 28 सितंबर को होने वाले महाद्वीपीय टी20 टूर्नामेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है तो वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज इसके एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होगी. भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो अक्तूबर से अहमदाबाद में खेला जाना है. यशस्वी आईपीएल के पिछले सीजन में शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने 160 के स्ट्राइक रेट से 559 रन बनाए थे, जबकि गिल ने 15 मैचों में 155 से अधिक के स्ट्राइक से 650 रन बनाए थे. वहीं, गुजरात टाइटंस में गिल के ओपनिंग साझेदार साई सुदर्शन ने 156 के स्ट्राइक रेट से 759 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप अपने नाम करने में सफल रहे थे.

बुमराह-सिराज की उपलब्धता बड़ा मुद्दा

एशिया कप का आयोजन यूएई में होना है और वहां की पिचों को और इसके छह महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यशस्वी, गिल और सुदर्शन तार्किक रूप से शीर्ष क्रम के अहम खिलाड़ी हो सकते हैं. 2023 में वनडे डेब्यू करने वाले सुदर्शन टी20 में शानदार फॉर्म में दिखे हैं. हालांकि सबसे बड़ा मुद्दा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की उपलब्धता है. दोनों गेंदबाजों को विभिन्न प्रारूपों के काम के बोझ के बाद सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है और चयन बैठक से पहले उनके फिटनेस आकलन से गुजरने की उम्मीद है.

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, पांच हफ्ते का ब्रेक है और क्रिकेट नहीं होने के कारण संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद इन तीनों को टी20 टीम में जगह मिलनी चाहिए. एशिया कप में 21 दिनों में अगर कोई फाइनल तक खेलता है तो छह टी20 मैच होंगे और यह काम का अधिक बोझ नहीं है, लेकिन एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम को चुनने की अनुमति मिलने के बाद चयनकर्ता सभी विकल्पों पर सावधानी से विचार करेंगे.

पता नहीं रोहित कब तक रहेंगे, गिल कप्तानी संभालने के लिए तैयार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

इंग्लैंड दौरे से पहले शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया। युवा टीम के साथ गिल इंग्लैंड पहुंचे. 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही. इंग्लैंड को अपने दोनों जीत जैसे तैसे मिली. इन मैचों में भी भारत का दबदबा था. इसी वजह से शुभमन गिल की कप्तानी की खूब तारीफ हो रही है. पूरी सीरीज में गिल का बल्ला भी खूब बोला. रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद कई लोगों को गिल से यह उम्मीद नहीं थी कि वे एक युवा टीम को बराबरी पर ला पाएंगे.

वनडे की कप्तानी के लिए तैयार: शुभमन गिल अभी सिर्फ टेस्ट के कप्तान हैं. वनडे की यह जिम्मेदारी रोहित शर्मा के पास ही है. पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि शुभमन गिल अब रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी लेने के लिए तैयार हैं. कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, 'वह बहुत ही शांत कप्तान थे. उन्होंने दबाव में भी धैर्य के साथ नेतृत्व किया. उन्हें वनडे की कप्तानी भी मिलेगी क्योंकि हमें नहीं पता कि रोहित शर्मा कब तक रहेंगे. गिल कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं.' वनडे में शुभमन गिल का बल्ले से दमदार रिकॉर्ड है.

डॉन ब्रेडमैन के करीब पहुंच गए गिल

टेस्ट में शुभमन गिल का रिकॉर्ड इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ खास नहीं था. लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी मिलते ही उन्होंने कमाल कर दिया. कैफ ने कहा– कप्तान के तौर पर शुभमन गिल ने इस सीरीज में दोनों हाथों से मौके बनाए. जब वे कप्तान बने तो उनके टेस्ट रिकॉर्ड को देखते हुए कई सवाल उठे कि उन्हें कप्तान क्यों बनाया गया. एक युवा कप्तान एक युवा टीम के साथ भारी दबाव में इंग्लैंड पहुंचा था. उन्होंने अपने बल्ले से इसका जवाब दिया और एक समय तो उनकी तुलना सर डॉन ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ने से भी की जाने लगी.

कनेडियन ओपन 2025: ओसाका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, टॉसन ने कीज़ को हराया

एजेंसियां। मॉन्ट्रियल

जापान की पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने मंगलवार रात कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली. उन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलीना स्वितोलिना को महज 6-2, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को जारी रखा.सेमीफाइनल में अब ओसाका का सामना 16वीं वरीय क्लारा टॉसन से होगा, जिन्होंने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ को 6-1, 6-4 से हराकर चौंका दिया. ओसाका, जो 2022 में मियामी ओपन के फाइनल के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंची हैं, 2023 में बेटी शाई के जन्म के लिए 15 महीने के ब्रेक के बाद टेनिस में लौटी हैं. वह अपने करियर का आठवां खिताब और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं. इस बीच, बुधवार को खेले जाने वाले एक और सेमीफाइनल में, कनाडा की 18 वर्षीय विक्टोरिया म्बोको का मुकाबला नौवीं वरीय एलेना रायबाकिना (कजाखस्तान) से होगा. टोरंटो की रहने वाली म्बोको, जो पहली बार नेशनल बैंक ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेल रही हैं.

भावुक टॉसन ने जीत अपने दादा को समर्पित की

क्लारा टॉसन ने अपनी जीत अपने दादा पीटर को समर्पित की. उन्होंने मैच के बाद कोर्ट पर भावुक होते हुए कहा, मैं आज उनके लिए जीतना चाहती थी. उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, टेनिस खेलने में मदद की, स्कूल से हर दिन प्रैक्टिस के लिए ले जाते थे.22 वर्षीय डेनमार्क की खिलाड़ी ने बताया कि उन्हें सोमवार सुबह अपने दादा के निधन की खबर मिली, ठीक एक दिन बाद जब उन्होंने विंबलडन चैंपियन और विश्व नंबर 3 इगा स्विएतेक को सीधे सेटों में हराया था. टॉसन ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है.

वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से हराया

अंकित और कृष यादव की धमाकेदार साझेदारी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे सीज़न के मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी. इस जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ अंकित कुमार और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ कृष यादव, जिन्होंने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई. 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम की शुरुआत बेहद धमाकेदार रही. अंकित और कृष ने पहले विकेट के लिए मात्र 14 ओवरों में 158 रनों की तूफानी साझेदारी की, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया. कृष यादव ने 42 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें शानदार स्ट्रोक्स और तेज़ रनिंग शामिल रही. वहीं, अंकित कुमार दुर्भाग्यवश शतक से चूक गए और 46 गेंदों में 96 रनों की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए. उनकी इस पारी में 11 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के शामिल थे. इससे पहले, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अच्छी शुरुआत की. ओपनर कुनवर बिधूड़ी (27 गेंदों में 42 रन) और सुमित माथुर (29 गेंदों में 33 रन) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े. कप्तान आयुष बडोनी ने भी 25 गेंदों में 48 रनों की अहम पारी खेली.

डब्ल्यूडब्ल्यूई : रिंग में तूफान आनेवाला है, फाइट ऑफ द सेंचुरी वाला माहौल

क्या जॉन सीना ले पाएंगे बॉक लेसनर से पुराना बदला

एजेंसियां। नयी दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई में ग्रेट फाइटर ब्रॉक लेसनर की वापसी ने सबको चौंका दिया है. समरस्लैम 2025 में जब जॉन सीना, कोडी रोड्स से अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप हारने के बाद रिंग छोड़ रहे थे, तभी लेसनर ने एंट्री की. लेसनर ने जॉन सीना को घूरा और फिर उन पर अपना खतरनाक एफ5 मूव लगाकर चले गए. इस चौंकाने वाली घटना के बाद अब दोनों के बीच एक बड़े इवेंट में मुकाबला होने की उम्मीद है.

अब क्या हो सकता है आगे का प्लान : डब्ल्यूडब्ल्यूई ने बताया है कि इस हफ्ते कनाडा के मॉन्ट्रियल में होने वाले स्मैकडाउन में जॉन सीना दिखाई देंगे. हालांकि, कंपनी ने अभी तक लेसनर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, इसलिए उनके स्मैकडाउन में आने की उम्मीद कम है. हालांकि दर्शक मुकाबला पक्का मान कर चल रहे हैं.

तो कब होगा जॉन सीना बनाम ब्रॉक लेसनर : जॉन सीना और ब्रॉक लेसनर के बीच यह बड़ा मुकाबला क्लैश एट पेरिस में नहीं होगा. ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, क्राउन ज्वेल में यह मैच हो सकता है, जो अक्टूबर में होगा. डब्ल्यूडब्ल्यूई इस इवेंट को ऑस्ट्रेलिया में कराने पर विचार कर रहा है. लेसनर 2012 से डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ पार्ट-टाइम डील पर हैं, यही वजह है कि वे कम ही दिखाई देते हैं. लेसनर पिछली बार समरस्लैम 2023 में दिखे थे, जहां उन्होंने कोडी रोड्स का सामना किया था. रेसलमेनिया 39 के बाद रॉ में इन दोनों की दुश्मनी शुरू हुई थी, जिसे रोड्स ने 2-1 से जीत के साथ खत्म किया था. रोड्स से पहले, लेसनर की बॉबी लैश्ले के साथ स्टोरीलाइन थी.

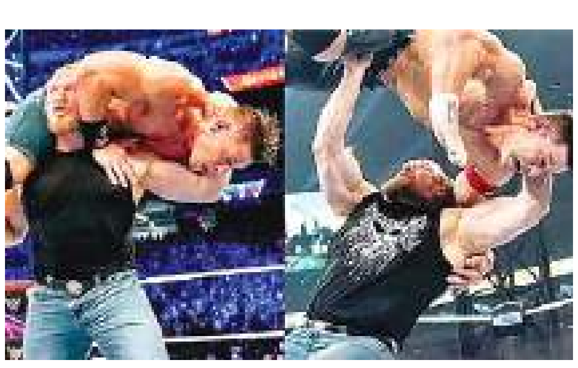

जॉन सीना का रिटायरमेंट

डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े स्टार्स में से एक जॉन सीना दिसंबर 2025 में रिटायर होने वाले हैं। उन्होंने अपना फेयरवेल टूर जनवरी 2025 में शुरू किया था। रिटायर होने से पहले वह एक बार फिर लेसनर से भिड़ेंगे। सीना ने रेसलमेनिया 41 में अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप जीती थी और समरस्लैम में रोड्स से हार गए थे। वह क्लैश ऑफ कैस्टल में भी परफॉर्म कर सकते हैं।लेसनर की वापसी और सीना के रिटायरमेंट की खबर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह भर दिया है। अब सभी को इन दोनों दिग्गजों के बीच होने वाले बड़े मुकाबले का इंतजार है.

इंग्लैंड के कोच मैकुलम भी हुए भारतीय टीम के मुरीद

बताया जीत का हकदार, उन्होंने अच्छा खेला

एजेंसियां। लंदन

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इस बात को स्वीकार किया है कि भारत द ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को जीतने का हकदार था. भारत ने इंग्लैंड को आखिरी टेस्ट मैच में हराकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी थी. पांचवें दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन चाहिए थे, जबकि भारत को चार विकेट की जरूरत थी. तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके जिससे भारत यह मुकाबला छह रन से जीतने में सफल रहा था.

इंग्लैंड के जबड़े से छीनी थी जीत : भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच से हुई जहां भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा. भारत ने बर्मिंघम में खेले गए अगले टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर की. तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में खेला गया जहां भारत ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसे अंतिम दिन करीबी हार का सामना करना पड़ा. इससे इंग्लैंड ने 2-1 की बढ़त बनाई. चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में हुआ जिसे भारत ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर की मदद से ड्रॉ कराया. पांचवां टेस्ट लंदन के ओवल मैदान पर होना था और भारत के लिए सीरीज ड्रॉ कराने का यह आखिरी मौका था. भारत ने इंग्लैंड के सामने 374 रनों का लक्ष्य रखा. इंग्लैंड की टीम जो रूट और हैरी ब्रूक के शतकों से लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गई थी. भारत ने मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की मदद से इंग्लैंड को लक्ष्य हासिल करने से रोका और इंग्लैंड के जबड़े से जीत छीन ली थी. मैकुलम ने कहा, इस टेस्ट में भारत जिस तरह से पिछड़ रहा था, मोहम्मद सिराज ने अपने पांचवें टेस्ट मैच के 30वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करके शेर जैसा दिल दिखाया.

ब्रीफ न्यूज

पुलिस बनकर अवैध वसूली कर रहा युवक गिरफ्तार

पटना। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पटना जंक्शन पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है. इनमें से एक युवक फिरोज खान उर्फ सोनू, जो पटना सिटी के पश्चिम दरवाजा का रहने वाला है, खुद को पुलिस का मुखबिर बताकर नकली पुलिस की भूमिका निभा रहा था. सूचना के आधार पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा. पूछताछ में पता चला कि फिरोज खान सूखे नशे के कारोबारियों को धमकाकर अवैध रूप से पैसे वसूलता था. वह खुद को पुलिसकर्मी बताकर नशे के धंधेबाजों से रंगदारी मांगता था.

मसौढ़ा गांव में दीवार गिरने से सात बच्चे घायल

शिवहर। मसौढ़ा गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब जंगल से आए एक बंदर को देखने के चक्कर में गांव के सात बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. यह हादसा उस वक्त हुआ जब कई बच्चे और ग्रामीण एक जर्जर दीवार के पास बंदर को देखने के लिए जमा हो गए थे. कुछ बच्चे दीवार पर चढ़ गए, और भीड़ के दबाव से दीवार अचानक भरभराकर गिर गई. दीवार के मलबे में दबकर अदिति कुमारी, अनुराधा कुमारी, शिवानी कुमारी, ऋषभ कुमार समेत सात बच्चे घायल हो गए. घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला.

तेज रफ्तार कार ने महिला को कुचला, एक गिरफ्तार

पटना। गांधी मैदान थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रही एक बुजुर्ग महिला को कुचल दिया. घटना एसएसपी कार्यालय के सामने गेट नंबर 5 के पास हुई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार अत्यधिक तेज रफ्तार में थी और शराब के नशे में धुत चालक ने महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार पलट गई. हादसे के बाद मौके से चारों युवक भागने लगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने एक युवक विशाल भदौरिया को पकड़ लिया व पुलिस को सौंप दिया. विशाल मध्यप्रदेश के ग्वालियर का रहने वाला है और अपने तीन साथियों के साथ पटना घूमने आया था.

गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

बाढ़ की चपेट में पटना के कई इलाके

शुभम संदेश।पटना

बिहार के अन्य जिलों के साथ राजधानी पटना भी बाढ़ की चपेट में है. गंगा, पुनपुन और सोन नदियां बेक़ाबू सैलाब लेकर राजधानी पटना समेत पूरे राज्य में तबाही मचा रही है. गंगा अपने किनारों को तोड़कर शहर की ओर अपना रूख कर रही है. इससे लोगों के रोज़मर्रा का जीवन जलजमाव के जाल में उलझ गया है. केंद्रीय जल आयोग की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार पटना के दीघा, गांधी घाट, गाय घाट, गुलबी घाट, आलमगंज और बिंद टोली जैसे निचले इलाकों में गंगा का पानी खतरे के निशान से कई सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है. दीघा घाट पर जलस्तर सुबह 6 बजे 36 सेमी ऊपर था, वहीं गांधी

घाट पर यह आंकड़ा 97 सेमी तक पहुंच चुका है. स्थिति और भयावह होती जा रही है क्योंकि अब भी जलस्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है. गली-मुहल्लों में कमर तक पानी, सड़कों पर मौत की सरसराहट और घरों के आंगन में तैरते सांप पटना के लोग इस वक्त भय और बेबसी की दोहरी मार झेल रहे हैं. दानापुर के जजेज कॉलोनी में गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही, जिससे लोग दरवाज़े पर सांप देख रातें जागकर गुज़ारने को मजबूर हैं. इस त्रासदी में सरकारी सहायता कहीं गुम है. कुर्जी मोड़ के पास बिंद टोली में लोग रबड़ ट्यूब की नावों से अपनी जान हथेली पर लेकर आवाजाही कर रहे हैं. स्थानीय युवक सौरभ कुमार ने बताया कि नौकरी से छुट्टी लेकर बच्चों की हिफ़ाज़त कर रहे हैं क्योंकि पानी जितना दिखता है, उससे कहीं ज़्यादा डूबा हुआ ख़तरा है. पेयजल की किल्लत, टॉयलेट संकट, और मेडिकल इमरजेंसी – सबकुछ एक ही सवाल पर टिक गया है: सरकारी नाव कब आएगी?

लोग प्लास्टिक की छतों और बांस के सहारे ऊंची जगहों पर शरण लिए हुए हैं. पटना जिला प्रशासन कह रहा है कि नाव संचालन जल्द शुरू होगा और कम्युनिटी किचन एवं पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराया जाएगा. अंचल अधिकारियों को रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है लेकिन जब तक रिपोर्ट बनेगी, तब तक बाढ़ कितने घर बहा ले जाएगी, ये किसी को नहीं पता.

तेज प्रताप यादव ने बनाई 'टीम तेज प्रताप', छोटे दलों को जोड़ने की तैयारी

संवाददात।पटना

पटना। बिहार की सियासत में नया राजनीतिक मोर्चा तैयार हो गया है. राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 'टीम तेज प्रताप' नामक नया मंच बनाया है. इस मंच को मजबूत करने के लिए उन्होंने राज्य की पांच क्षेत्रीय और छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन किया है, जो चुनावी मैदान में एकजुट होकर उतरेंगे. इन दलों के नेता अपने-अपने क्षेत्र में खास पहचान रखते हैं, जिससे कई विधानसभा सीटों पर इसका असर दिखाई दे सकता है. गठबंधन की सबसे अहम पार्टी 'वीवीआईपी' से अलग होकर बनी 'प्रदीप निषाद पार्टी' है, जिसकी अगुवाई प्रदीप निषाद कर रहे हैं. 'हेलिकॉप्टर बाबा' के नाम से मशहूर प्रदीप निषाद, जो निषाद समुदाय से आते हैं, पहले वीवीआईपी के करीबी थे, लेकिन अब तेज प्रताप के साथ जुड़ गए हैं. दूसरी पार्टी 'भोजपुरिया जनमोर्चा' है, जो भोजपुरी अस्मिता और भोजपुर

राज्य की मांग के लिए सक्रिय है. तीसरी है 'प्रगतिशील जनता पार्टी', जिसके नेता वकील मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर हैं. चौथी 'वाजिब अधिकार पार्टी' है, जिसकी स्थापना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ छोड़ने वाले विद्यानंद राम ने की है. पांचवीं पार्टी 'संयुक्त किसान विकास पार्टी' है, जो किसानों के मुद्दों पर केंद्रित है. तेज प्रताप ने महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. गठबंधन में शामिल दल अपने जातीय और क्षेत्रीय समीकरण के आधार पर कई सीटों पर दावेदारी कर सकते हैं. इसके अलावा, अन्य बागी और नाराज नेताओं को भी इस गठबंधन में शामिल करने की संभावना है. हाल ही में तेज प्रताप यादव की अनुष्का यादव के साथ तस्वीरें सामने आने पर लालू यादव ने कड़ा रुख अपनाया और तेज प्रताप को परिवार व पार्टी से बाहर करने की घोषणा की थी. इसके बाद तेज प्रताप ने अपना नया सियासी मंच तैयार कर बिहार की राजनीति में नया सियासी खेल शुरू कर दिया है. आने वाले चुनाव में इस नए गठबंधन की भूमिका बिहार की राजनीति की दिशा तय करेगी.

मिड-डे मील में मिली मरी छिपकली, 15 छात्र बीमार

बांका। मध्य विद्यालय गोरवा मारन में मंगलवार को मिड-डे मील में घोर लापरवाही का मामला सामने आया है. विद्यालय में छात्रों को परोसे गए चावल में मरी हुई छिपकली मिलने के बावजूद भोजन बच्चों को परोस दिया गया. इसके चलते करीब 15 छात्र-छात्राएं बीमार हो गए, जिन्हें तत्काल बांका सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर में छात्रों को चावल और सोयाबड़ी का भोजन दिया जा रहा था. इसी दौरान कक्षा छह की छात्रा उषा कुमारी की थाली में एक मरी हुई छिपकली देखी गई. छात्रा द्वारा इसकी जानकारी शिक्षकों को दी गई, लेकिन शिक्षिका ने छिपकली को हटाकर भोजन परोसना जारी रखा. छात्रों के अनुसार, शिक्षकों के दबाव में डर के बावजूद कई बच्चों ने वही खाना खा लिया. भोजन करने के कुछ घंटों बाद बच्चों को सिर दर्द, पेट दर्द और उल्टी जैसी शिकायतें होने लगीं. परिजन जब स्कूल में भोजन की स्थिति के बारे में जान पाए, तो बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे. डॉक्टरों के मुताबिक, सभी छात्र अब खतरे से बाहर हैं और इलाज जारी है. घटना की जानकारी मिलते ही बीडीओ व शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूल पहुंचे. हालांकि, प्रारंभिक तौर पर प्रशासन ने मामले को दबाने की कोशिश की, लेकिन परिजनों के विरोध के चलते जांच शुरू करनी पड़ी.

न्यूज अपडेट

ऑपरेशन लंगड़ा के तहत मोस्ट वांटेड रौशन शर्मा गिरफ्तार

पटना। बिहार में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन लंगड़ा' के परिणाम दिखने लगे हैं. इसी क्रम में पुलिस ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मोस्ट वांटेड अपराधी रौशन शर्मा को जहानाबाद से गिरफ्तार किया. उसे पूछताछ के लिए पटना लाया गया, जहां उसकी निशानदेही पर पुलिस फुलवारीशरीफ स्थित उसके साथी के ठिकाने पर पहुंची. छापेमारी के दौरान रौशन शर्मा ने पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर फरार होने की कोशिश की. पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं रुका तो उसके पैर में गोली मार दी गई. घायल हालत में उसे पहले फुलवारीशरीफ अस्पताल ले जाया गया और फिर पीएमसीएच रेफर किया गया. फिलहाल वह पुलिस अभिरक्षा में इलाजरत है. पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि रौशन शर्मा के खिलाफ हत्या, बस स्टैंड फायरिंग, अवैध हथियार रखने सहित दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं.

नर्सिंग कॉलेज के छात्र को ससुर ने मारी गोली, मौत

दरभंगा। हत्या का एक मामला सामने आया है, जहां डीएमसीएच के बीएससी नर्सिंग कॉलेज के छात्र की हत्या उसके ही ससुर ने कर दी. जिसके बाद नाराज छात्रों ने आरोपी को पकड़कर जमकर पीट दिया. जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया है. मृतक की पहचान राहुल कुमार के रूप में की गई है. मिली जानकारी के अनुसार राहुल सुपौल जिले के पिपरा गांव का रहने वाला था और डीएमसीएच में बीएससी नर्सिंग कॉलेज में दूसरे सेमेस्टर का छात्र था. वहीं आरोपी प्रेम शंकर झा सहरसा जिले के वनगांव निवासी है. बताया जा रहा है कि राहुल अपने ही कॉलेज की प्रथम सेमेस्टर में पढ़ने वाली छात्रा से प्रेम करता था और कुछ दिन पहले ही अंतरजातीय विवाह कर लिया था. जिससे लड़की के पिता काफी नाराज थे. घटना की जानकारी बेंता थाना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया.

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद विहार गौरव उद्यान का नीतीश कुमार ने किया शिलान्यास, कहा

पार्क का लोकेशन अत्यंत मनमोहक है

संवाददाता।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में बनने वाले 'देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद विहार गौरव उद्यान' (वेस्ट टू वंडर थीम पार्क) का शिलान्यास किया. यह थीम पार्क 14.98 करोड़ रुपये की लागत से पटना में जेपी गंगा पथ और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल के मध्य 10 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा. शिलान्यास कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस पार्क का निर्माण भव्य और व्यवस्थित ढंग से किया जाएगा, जिससे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों दोनों को लाभ होगा. उन्होंने इसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्क का लोकेशन अत्यंत मनमोहक है. एक ओर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि है, तो दूसरी ओर गंगा तट पर निर्मित जेपी गंगा पथ है, जो इसे एक विशिष्ट पहचान देगा. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस थीम पार्क के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए. नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा स्वीकृत इस परियोजना में बिहार के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा. पार्क में बिहार की महान विभूतियों जैसे कि आर्यभट्ट, चाणक्य, सम्राट अशोक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी की प्रेरणादायक गाथाओं को दर्शाया जाएगा.

कारोबार

स्टॉक मार्केट में श्री लोटस डेवलपर्स की मजबूत शुरुआत

नई दिल्ली। मुंबई में रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज बनाने वाली कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत की. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 150 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई पर इसकी एंट्री 179.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 178 रुपये के स्तर पर हुई. इस तरह ये शेयर करीब 19 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन हासिल करने में सफल रहा. लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर में और तेजी आ गयी. सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी के शेयर 188.23 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे.

ब्राजील बना भारत की ढाल खुलकर समर्थन में आया

नयी दिल्ली। भारत और ब्राजील के बीच रिश्तों में एक नया मोड़ आया है, जब ब्राजील ने अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ भारत का खुलकर समर्थन किया. ब्राजील के राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नहीं, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करना पसंद करेंगे. यह बयान कई संकेत देता है—पहला, ब्राजील अमेरिका की टैरिफ नीति से नाराज़ है; दूसरा, ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य होने के नाते वह अमेरिकी वर्चस्व का विरोध करता है और तीसरा, भारत उसका अहम ट्रेडिंग पार्टनर है. ब्राजील भारत का पांचवां सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है.

स्टॉक मार्केट में बीडी इंडस्ट्रीज की फीकी एंट्री

नयी दिल्ली। कंपनी के शेयर 108.25 रुपये के स्तर ट्रेड कर रहे थे. इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 0.23 प्रतिशत के मुनाफे में हैं. बीडी इंडस्ट्रीज का 45.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.81 गुना सब्सक्राइब हो सका था.

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की बातचीत ठंडे बस्ते में चली गई, राजनीतिक गलतफहमियां हैं बड़ी वजह

एजेंसी।नयी दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की बातचीत फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है. इस समझौते को लेकर दोनों देशों के अधिकारी पहले काफी आशावादी थे, लेकिन हालात ने ऐसा होने से रोक दिया. भारत को उम्मीद थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद इस समझौते की घोषणा करेंगे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ. इसके बाद अमेरिका ने भारत से आने वाले कई सामानों पर 25% टैक्स लगा दिया, जो बातचीत में आई ठहराव का एक बड़ा कारण बना. साथ ही, रूस से तेल खरीदने पर भी अमेरिका ने कुछ प्रतिबंध लगाने की बात कही, जिसने भारत-अमेरिका संबंधों में और जटिलता पैदा कर दी. रॉयटर्स के अनुसार, इस समझौते के टूटने के पीछे कई वजहें हैं. राजनीतिक गलत फहमियां, कड़वाहट और गलत संकेत प्रमुख कारण रहे. अमेरिका ने जापान और यूरोपीय संघ के साथ बड़े व्यापार समझौते कर लिए हैं, वहीं पाकिस्तान को भी बेहतर शर्तें दी गई हैं. भारत-अमेरिका के बीच लगभग 190 अरब

डॉलर का व्यापार होता है और दोनों ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, इसलिए इस समझौते को लेकर उम्मीदें बहुत बड़ी थीं.भारत को लग रहा था कि जब व्यापार मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका का दौरा करेंगे और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस दिल्ली आएंगे, तो हालात सुधरेंगे. भारत ने समझौते के लिए कई रियायतें भी दीं. उदाहरण के लिए, भारत ने अमेरिका से आने वाले औद्योगिक सामानों पर टैक्स हटाने का प्रस्ताव रखा, जो अमेरिका के निर्यात का 40% हिस्सा हैं. इसके अलावा, भारत अमेरिका से कारों और शराब पर भी टैक्स कम करने को तैयार था. साथ ही, भारत अमेरिका से ऊर्जा और रक्षा सामग्री की खरीद भी बढ़ाने को तैयार था, जो वाशिंगटन की मुख्य मांग थी. अधिकारी बताते हैं कि पांचवें दौर की बातचीत के बाद कई मतभेद दूर हो गए थे और समझौते की उम्मीदें बढ़ी थीं. भारत को उम्मीद थी कि अमेरिका डेयरी उत्पादों पर उसकी मांग मान लेगा, लेकिन ट्रंप ने और भी ज्यादा रियायतें देने की शर्त रखी. व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि भारत के साथ बातचीत में कई मुद्दों पर प्रगति हुई, लेकिन कभी ऐसा लगा ही नहीं कि कोई अच्छा समझौता होने वाला है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2025 में वाशिंगटन का दौरा किया था और दोनों देशों ने साल 2025 तक समझौता करने तथा साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा था. ट्रंप ने भी बड़े समझौते की बात कही थी, जिससे भारत को उम्मीदें और बढ़ गईं. लेकिन भारत ने अपनी स्थिति कड़ी कर ली, खासकर कृषि और डेयरी क्षेत्रों में, जो भारत सरकार के लिए बेहद संवेदनशील हैं. एक और बड़ा विवादास्पद मुद्दा भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर था. ट्रंप बार-बार भारत-पाकिस्तान विवाद में मध्यस्थता की बात करते रहे, जिससे बातचीत में तनाव बढ़ा. प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप को इस मामले में कॉल करने से परहेज किया. भारतीय अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान पर ट्रंप की टिप्पणियां भारत को पसंद नहीं आईं. एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका की भूमिका को स्वीकार करना था, लेकिन अंतिम निर्णय भारत के हाथ में होना चाहिए था. एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी ने इस समझौते के विफल होने की जिम्मेदारी भारतीय पक्ष के खराब फैसलों को भी दी. उन्होंने कहा कि शीर्ष भारतीय सलाहकारों ने प्रक्रिया को ठीक तरह से संभाला नहीं और जरूरी राजनयिक समर्थन की कमी थी. वहीं, अमेरिका ने वियतनाम, इंडोनेशिया, जापान और यूरोपीय संघ के साथ बेहतर समझौते कर लिए. कुल मिलाकर, राजनीतिक गलतफहमियां, ट्रेड टैरिफ, संवेदनशील क्षेत्र जैसे कृषि-डेयरी और भारत-पाकिस्तान विवाद के मध्यस्थता प्रयास इस समझौते के ठहराव के मुख्य कारण रहे.

स्टॉक मार्केट में टाक्यों नेटवर्क्स की सपाट शुरुआत

एजेंसी।नई दिल्ली

आईटी सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी टाक्यों नेटवर्क्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ एंट्री हुई. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 3.43 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 55.85 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर 53.06 रुपये लोअर सर्किट लेवल पर आ गया. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.74 प्रतिशत का नुकसान हो गया हैटाक्यों नेटवर्क्स का 20.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से एक अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 21.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 13.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 37 गुना सब्सक्रिप्शन आया था.इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 19.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था.

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.92 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं.

आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

'भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट आकलन' पुस्तक का हुआ विमोचन

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को 'भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट आकलन' नामक पुस्तक का विमोचन किया. यह पुस्तक जीवंत और जटिल भारतीय हथकरघा और टिकाऊ फैशन एवं विचारशील उपभोग में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है. केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि स्थायित्व की दिशा में वास्तविक प्रगति के लिए वस्त्र उत्पादन के प्रत्येक चरण में कार्बन प्रभाव को मापना आवश्यक है. प्रत्येक चरण पर आंकड़ों का परिमाणीकरण किए बिना सुधार के क्षेत्रों को चिन्हित करना या हमारे कार्यों की प्रभावशीलता का आकलन करना असंभव है.

शेयर बाजार पर दबाव सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है. आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी. हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछाल कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक दोबारा लाल निशान में गिर गए.

त्योहार

दिल्ली में राखी बाजार में लबुबु डॉल राखी का जबरदस्त क्रेज

युवाओं और बच्चों के बीच लोकप्रिय हो रहीं राखियां

एजेंसी।नयी दिल्ली

राखी का त्योहार करीब आते ही दिल्ली के बाजारों में राखियों की खरीदारी शुरू हो गई है. इस बार राखी मार्केट में खास तौर पर लबुबु डॉल वाली राखियों का ज़बरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. सोशल मीडिया पर भी लबुबु डॉल का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, जिससे ये राखियां युवाओं और बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय हो रही हैं. दिल्ली के कमला मार्केट से लेकर सदर बाजार तक कई दुकानों में लबुबु राखी की मांग जबरदस्त है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फेमस बॉलीवुड

ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे, शरवरी वाघ और इंटरनेशनल सिंगर रेहाना भी लबुबु डॉल के साथ नजर आई हैं, जिसने इस राखी को और भी खास बना दिया है. कमला मार्केट की दुकान चलाने वाले सुरेश कुमार ने बताया कि खासकर 15 से 18 साल के युवाओं में लबुबु डॉल वाली राखियां बहुत पसंद की जा रही हैं. वहीं एफएनपी ग्लोबल के सीईओ पवन गादिया ने बताया कि उनके स्टोर्स पर रोजाना करीब 500 लबुबु राखियों की डिमांड आती है, जबकि वीकेंड पर ये संख्या और बढ़ जाती है. सबसे ज्यादा मांग मेट्रो सिटीज से आ रही है. सदर बाजार की योगी राखी की दुकान के मालिक मनीष कुमार के अनुसार, लबुबु राखी की डिमांड इतनी अधिक थी कि स्टॉक जल्दी ही खत्म हो गया. यह राखी न केवल बच्चों में बल्कि भईया-भाभी के लिए भी काफी लोकप्रिय हो रही है. आमतौर पर भईया-भाभी की राखियों में कार्टून या डॉल डिजाइनों की मांग कम होती है, लेकिन इस बार लबुबु डॉल की राखी ने इस परंपरा को भी बदल दिया है. लबुबु राखी की खासियत इसके अलग-अलग फेस एक्सप्रेशन हैं. कुछ राखियों में डॉल की एक आंख पर ऐरो का निशान है, तो कुछ में आइब्रो की मदद से क्यूटनेस बढ़ाई गई है.

जरूरी कदम उठाता रहेगा आरबीआई: संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रेस कांफ्रेंस में संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि मैंने कभी नहीं कहा कि यूपीआई हमेशा के लिए मुफ्त रह सकता है. मैंने बस इतना कहा था कि यूपीआई लेनदेन से जुड़ी लागतें हैं और किसी न किसी को उनका भुगतान करना होगा. इसलिए इस मॉडल की स्थिरता के लिए हमारे लिए ये जरूरी है कि सामूहिक रूप से या व्यक्तिगत रूप से कोई न कोई भुगतान करे. उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश के नागरिकों का हित और कल्याण सबसे ऊपर है. देश के नागरिक विशेष रूप से समाज के सबसे निचले तबके पर खड़े लोग हमारे अस्तित्व का मूल कारण हैं. इसके अलावा उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मृतकों के बैंक खातों, लॉकर के दावों के निपटान के लिए प्रक्रिया को सुगम और मानकीकृत बनाएगा.

मेहुल कलर्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत

नई दिल्ली। देश में मास्टरबैच और पिगमेंट्स को बनाने और उसकी सप्लाई करने वाली कंपनी मेहुल कलर्स एंड मास्टरबैचेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 18.06 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 85 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 89.25 रुपये अपर सर्किट लेवल पर आ गया. हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया. दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 86.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. इस तरह पहले दिन के पहले सत्र के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.14 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है. मेहुल कलर्स एंड मास्टरबैचेज का 21.66 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 30,08,000 नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

न्यूज अपडेट

इजराइल की गाजा में पूर्ण सैन्य नियंत्रण की योजना पर विचार

तेल अवीव । इजराइल सरकार गाजा पट्टी के उस 25 प्रतिशत क्षेत्र में भी सेना तैनात करने पर विचार कर रही है, जो अभी उसके नियंत्रण में नहीं है. हालांकि इस संभावित कदम को लेकर सैन्य नेतृत्व और देश की अधिकांश जनता में चिंता जताई जा रही है कि इससे हमास के कब्जे में बचे बंधकों की रिहाई की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं. एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अपनी सुरक्षा कैबिनेट की बैठक इसी सप्ताह बुला सकते हैं. मंगलवार को नेतन्याहू ने तीन घंटे लंबी सुरक्षा बैठक की, जिसमें आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जामिर ने सैन्य विकल्पों की प्रस्तुति दी.

सीबीआई ने एसआई को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के एक उपनिरीक्षक (एसआई) को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया. यह मामला उत्तरी दिल्ली के एक थाने का है, जहां पर तैनात एसआई विजय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति से उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार न करने और उसे अग्रिम जमानत दिलाने में मदद करने के बदले 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. सीबीआई के मुताबिक, शिकायत मिलने पर सीबीआई ने 5 अगस्त को एसआई विजय सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया और जांच शुरू की. आरोप है कि शिकायकर्ता से विजय सिंह की 40 हजार रुपये पर बात तय हुई. इसके बाद सीबीआई ने 5 अगस्त को आरोपित को शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ लिया.

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, शव बरामद हुआ

बीजापुर/रायपुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर इलाके में बुधवार सुबह से चल रही मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया है. जवानों ने मारे गए नक्सली के शव के साथ हथियार भी बरामद किया है. वहीं इलाके में दोनों ओर से फायरिंग जारी है. हालांकि अभी इसकी विस्तृत रिपोर्ट आनी बाकी है. वहीं, मुठभेड़ की पुष्टि बीजापुर जिला के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने की है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र के ग्राम इतावार के पास मुठभेड़ जारी है. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है. अब तक एक माओवादी का शव बरामद किया गया है, साथ ही मौके से हथियार भी मिले हैं.

कैलाश मानसरोवर यात्रा रोकी गई, भारी बारिश का फिर अलर्ट

हल्द्वानी । कुमाऊं मंडल में बीते तीन दिनों से लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है. भारी बारिश के चलते कैलाश मानसरोवर यात्रा रोक दी गई है. इसी बीच मौसम विभाग ने फिर अगले 24 घंटे में कुमाऊं के छह जिलों में अत्यंत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बुधवार को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा को स्थिति सामान्य होने तक रोका गया है. यात्रा का चौथा दल धारचूला तक तो सुरक्षित पहुंच गया है, लेकिन धारचूला से लिपुलेख के बीच लगातार भूस्खलन के कारण सुरक्षा की दृष्टि से यात्रा को वहीं पर रोक दिया गया है. उन्होंने बताया कि प्रशासन की कोशिश है कि यात्रा दल को जल्द ही बूंदी या गुंजी सुरक्षित पहुंचाया जा सके.

राज्यसभा में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक को सदस्यों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । राज्यसभा में बुधवार को पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गयी. इसके बाद बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी. सत्यपाल मलिक दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे. उप सभापति हरिवंश नारायण ने राज्यसभा में दिवंगत सदस्य के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश से 2 बार संसद के उच्च सदन के सदस्य बने. पहली बार वे 1982 में सदन के सदस्य बने. इसके बाद वे वर्ष में 1989 में सदन के सदस्य रहे. उप सभापति हरिवंश ने कहा कि सत्यपाल मलिक बिहार, गोवा, मेघालय व जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे.

अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सौंपने के लिए समन

वाशिंगटन । हाउस ओवरसाइट कमेटी अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने मंगलवार को अमेरिकी न्याय विभाग को समन जारी किया. विभाग से कहा गया है कि वह नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोपित जेफरी एपस्टीन से जुड़ी पूरी फाइलें सौंप दे. कॉमर ने दूसरा समन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन की गवाही के लिए जारी किया गया है. कॉमर ने कहा कि वह चाहते हैं कि न्याय विभाग 19 अगस्त तक या उससे पहले पूरी फाइलें सौंप दे. एबीसी न्यूज के अनुसार, कॉमर ने यह जानकारी देते हुए कहा कि विभाग एपस्टीन और मैक्सवेल के मामलों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी को सार्वजनिक करने का प्रयास कर रहा है.

हिमाचल में मूसलाधार बारिश से भूस्खलन और बाढ़ जैसे हालात, कई जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

4 नेशनल हाईवे और 613 सड़कें अवरुद्ध

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. राज्य के अधिकांश जिलों में बीती रात से जारी भारी वर्षा के चलते जगह-जगह भूस्खलन और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आज कई जिलों में स्कूल-कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है. मौसम विभाग ने 12 अगस्त तक राज्य के कई क्षेत्रों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है. सबसे ज्यादा असर सोलन, शिमला, मंडी, कुल्लू और सिरमौर जिलों में देखा गया है. सिरमौर और सोलन जिलों के सभी शिक्षण संस्थानों व आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं. वहीं, शिमला जिले के ठियोग, चौपाल, रामपुर, सुन्नी, जुब्बल, डोडरा क्वार और कुमारसेन, कुल्लू के आनी और निरमंड तथा मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल में भी आज शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है. लगातार बारिश से प्रदेश में कई सड़कें और नेशनल हाईवे बंद हो गए हैं. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक प्रदेश में चार नेशनल हाईवे और 613 सड़कें भूस्खलन के कारण बंद हो गई हैं. इनमें मंडी जिले में सबसे ज्यादा 375 सड़कें बाधित हैं. इसके अलावा कुल्लू में 89, सिरमौर में 38, सोलन में 29, कांगड़ा में 23, शिमला में 22 और चंबा में 18 सड़कें अवरुद्ध हैं.

शिमला-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर सोलन के चक्की मोड़ में भूस्खलन के कारण यातायात बाधित है. मंडी जिले में एनएच-3 और एनएच-21 विभिन्न स्थानों पर बंद पड़े हैं, वहीं कुल्लू में एनएच-305 और किन्नौर में एनएच-5 भी भूस्खलन और फ्लैश फ्लड के कारण बाधित है.

बिजली और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है. प्रदेश में कुल 1491 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो चुके हैं. इनमें सोलन जिले में सर्वाधिक 709, कुल्लू में 457 और मंडी में 301 ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं. पेयजल परियोजनाओं की बात करें तो अब तक 265 स्कीमें बाधित हुई हैं, जिनमें कांगड़ा की 120 और मंडी की 86 योजनाएं प्रमुख हैं.

बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक सोलन जिला के कसौली में सर्वाधिक 145 मिमी बारिश दर्ज की गई है. इसके अलावा धर्मपुर में 122, गोहर में 120, मेलरान में 103, बग्गी में 95, नगरोटा सुरियां में 93, नैनादेवी में 86, सुंदरनगर में 80, कांगड़ा में 71 और बिलासपुर में 70 मिमी बारिश हुई है

शिमला के चिड़गांव में पब्बर नदी में गिरी कार, तीन लोगों की मौत

खराब मौसम के बीच शिमला जिला के रोहड़ू उपमण्डल के चिड़गांव क्षेत्र में बीती मध्यरात्रि एक कार अनियंत्रित होकर पब्बर नदी में जा गिरी. हादसे में तीन लोगों की मौत हुई, वहीं एक घायल है. मृतकों की पहचान विशाल, अभय और हिमांशु के रूप में हुई है. इस मॉनसून सीजन में अब तक प्रदेश में 194 लोगों की मौत हो चुकी है. सबसे अधिक 42 मौतें मंडी में हुई हैं. इसके बाद कांगड़ा में 31, शिमला, कुल्लू और चंबा में 18-18, सोलन में 13, हमीरपुर और ऊना में 12-12, किन्नौर में 11, बिलासपुर में 8, लाहौल-स्पीति में 6 और सिरमौर में 5 लोगों की जान गई है.

प्रदेश में 1738 मकानों को नुकसान पहुंचा : भारी बारिश और भूस्खलन से अब तक प्रदेश में 1738 मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें 463 घर पूरी तरह से ढह गए हैं. अकेले मंडी जिले में 1102 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 387 पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं. इसके अलावा प्रदेश में 295 दुकानें और 1610 गौशालाएं भी प्रभावित हुई हैं. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार अब तक प्रदेश को कुल 1852 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है.

इसमें लोक निर्माण विभाग को 971 करोड़ और जलशक्ति विभाग को 633 करोड़ रुपये की क्षति पहुंची है. मौसम विभाग के अनुसार लगातार बारिश के कारण आने वाले दिनों में नुकसान और बढ़ सकता है. इस मॉनसून सीजन में अब तक फ्लैश फ्लड की 55, बादल फटने की 28 और भूस्खलन की 48 घटनाएं हो चुकी हैं. सबसे अधिक 16 बार मंडी जिले में बादल फटा और 12 बार भूस्खलन हुआ. वहीं, लाहौल-स्पीति में फ्लैश फ्लड की 30 घटनाएं दर्ज की गई हैं.

शिकागो में आग्नेयास्त्र व मशीनगन का जखीरा बरामद, 41 गिरफ्तार

एजेंसी । शिकागो

संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी इलिनोइस राज्य के प्रमुख शहर शिकागो में संघीय और स्थानीय अधिकारियों ने आग्नेयास्त्र और मशीनगन का जखीरा पकड़ा है. इन हथियारों की आपूर्ति शिकागो और पूरे अमेरिका में अपराधियों को की जानी थी. इस सिलसिले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया.

अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) और शिकागो पुलिस विभाग ने पांच अगस्त को 41 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की. इनमें एक ऐसा व्यक्ति भी शामिल है, जिसे पहले सामूहिक गोलीबारी की धमकी देने का दोषी ठहराया जा चुका है. अधिकारियों ने बताया कि एटीएफ और पुलिस ने 171 आग्नेयास्त्र और 64 मशीनगन बरामद की हैं. दो माह तक चले इस धरपकड़ अभियान का नेतृत्व शिकागो के एटीएफ के क्राइम गन इंटेलिजेंस सेंटर ने किया. शिकागो के पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, यह अभियान विभाग के लिए बड़ी सफलता है. बंदूक हिंसा में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए 41 लोगों में से 18 पर संघीय अदालत में मुकदमा चल रहा है. यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब देश भर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है. गिरफ्तार लोगों में कुछ ऐसे हैं जो एक सामान्य हैंडगन को मशीन गन में बदल सकते हैं.

पाकिस्तान सेना के मेजर समेत तीन सैन्यकर्मियों को मार गिराया : बीएलए

इस्लामाबाद । बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के नुश्की जिले में मंगलवार रात हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसके हमले पाकिस्तान की सेना के एक मेजर समेत तीन सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए. बीएलए ने दावा किया कि उसकी खुफिया शाखा जिराब की पुख्ता सूचना पर मेजर के काफिले को निशाना बनाया गया. द बलूचिस्तान पोस्ट ने बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच के हवाले से यह खबर प्रसारित की है. यह हमला रात करीब 8:00 बजे नुश्की जिले के गरगिना इलाके में एक सड़क किनारे लगे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन को निशाना बनाकर किया गया. मृतकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में होने का दावा किया गया है. पाकिस्तान की सेना ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है.

कर्तव्य भवन जन सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प का प्रतीक : प्रधानमंत्री

- अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मिसाल बने इस भवन को राष्ट्र को समर्पित कर बहुत ही गौरवान्वित हूं.

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कर्तव्य भवन को राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसे जन सेवा के प्रति सरकार के अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक बताया. उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन न केवल नीतियों और योजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन में मदद करेगा, बल्कि राष्ट्र के विकास को भी नई गति प्रदान करेगा. प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए कई पोस्ट किये. प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा कि कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन जन-जन की सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक है. यह ना केवल हमारी नीतियों और योजनाओं को लोगों तक तेजी से पहुंचाने में मददगार बनने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी. अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मिसाल बने इस भवन को राष्ट्र को समर्पित कर बहुत ही गौरवान्वित हूं. उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इसे गढ़ने वाले हमारे श्रमयोगियों की अथक मेहनत और संकल्प-शक्ति का आज देश साक्षी बना है. उनसे संवाद कर अत्यंत प्रसन्नता हुई है. प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान रखा गया है, जिसके लिए हमारा देश संकल्पबद्ध है. आज इसके प्रांगण में एक पौधा लगाने का भी सुअवसर मिला.

छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी प्लांट में हादसा

दो मजदूरों की मौत और 5 मजदूर गंभीर

बिलासपुर/रायपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सीपत थाना अंतर्गत एनटीपीसी के सीपत स्थित प्लांट में बुधवार को एक 60 टन वजनी ऐश टैंक के गिरने से 2 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 5 गंभीर रूप से घायल हैं. सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मजदूरों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब बॉयलर मेंटेनेंस डिपार्टमेंट में वार्षिक मरम्मत का कार्य चल रहा था. प्लांट के यूनिट-5 में चल रहे एनुअल मेंटेनेंस कार्य के दौरान प्री-एयर हीटर प्लेटफॉर्म अचानक टूट गया, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर नीचे गिर पड़े. सूचना के बाद स्थानीय पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे गए, रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है. अब तक 7 मजदूरों को बाहर निकाला गया है, जिनमें 2 की मौके पर ही मौत हो चुकी है, जबकि 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है. इन्हें पास के एनटीपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक मृतक की पहचान मजदूर श्याम साहू (27 वर्ष) के रूप में हुई है. मृतक के परिजन पंचराम साहू ने बताया कि श्याम सीपत के पोड़ी इलाके का रहने वाला था. स्थानीय लोगों और मजदूर संगठनों ने इस हादसे पर गहरी नाराजगी जताते हुए एनटीपीसी प्रबंधन से जवाब मांगा है. फिलहाल हादसे को लेकर एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है.

विरोध : मुख्यमंत्री ने झाड़ग्राम में आयोजित रैली में चुनाव आयोग और भाजपा पर लगाया आरोप

चुनाव आयोग भाजपा का दास बनकर काम कर रहा है

- केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा चार अधिकारियों को निलंबित करने और एफआईआर दर्ज करने का किया विरोध-

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को झाड़ग्राम में आयोजित रैली से चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग "भाजपा का दास" बनकर काम कर रहा है और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के नाम पर राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की साजिश रची जा रही है. मुख्यमंत्री ने केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा राज्य के चार अधिकारियों को निलंबित किए जाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश पर कड़ा विरोध जताया. निलंबित अधिकारियों में दो इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और दो असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एईआरओ) शामिल हैं. ममता ने सीधे तौर पर आयोग को चुनौती देते हुए इस आदेश को नहीं लागू करने की चेतावनी दी. उन्होंने सवाल उठाया कि किस अधिकार से राज्य के चार अधिकारियों को सस्पेंड किया गया?" उन्होंने स्पष्ट घोषणा की, मैं किसी अधिकारी को सस्पेंड नहीं करूंगी. ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगाल की भाषा और संस्कृति पर 'हमला' का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों को "बांग्लादेशी" कहकर गिरफ्तार किया जा रहा है और उनके साथ दुर्व्यवहार हो रहा है. उन्होंने फिर से भाषा आंदोलन का आह्वान करते हुए झाड़ग्राम में रैली निकाला और लोगों से अपनी भाषा और पहचान की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की. मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए बंगाल के मतदाता सूची से नाम काटने की योजना बनाई जा रही है. ममता ने साफ चेतावनी दी, किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं काटा जाएगा. ममता बनर्जी ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा, सरकारी अधिकारियों की रक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है. हम अपने कर्मचारियों और अधिकारियों को हर हाल में सुरक्षा देंगे. उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर राज्य के अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं होगा.

ईरान ने इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोपी को फांसी दी

नयी दिल्ली । ईरान ने बुधवार को अलग-अलग मामलों में दो लोगों को फांसी पर लटका दिया. सरकारी मीडिया के अनुसार, एक व्यक्ति पर इस्राइल के लिए जासूसी करने और दूसरे पर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का सदस्य होने का आरोप है. न्यायालय समाचार वेबसाइट मिजान ऑनलाइन की एक रिपोर्ट में कथित जासूस की पहचान रूजबेह वादी के रूप में की गई है, जिस पर इस्राइल की खुफिया सेवा, मोसाद को गोपनीय जानकारी देने का आरोप है. रिपोर्ट्स के अनुसार अधिकारियों ने कहा कि वादी ने एक ईरानी परमाणु वैज्ञानिक के बारे में जानकारी दी थी, जो जून में ईरान पर इस्राइली हवाई हमलों में मारे गए थे. रिपोर्ट में वैज्ञानिक की पहचान या वादी की गिरफ्तारी के समय और स्थान की जानकारी नहीं है.

पाक तहरीक-ए-इंसाफ के 9 सांसद अयोग्य घोषित

- 9 मई की हिंसा से संबंधित मामलों में इन सांसदों को दोषी ठहराए जाने के बाद आया है

एजेंसी । इस्लामाबाद

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बड़ा झटका देते हुए, पाकिस्तान चुनाव आयोग ने सीनेटर शिबली फराज और उमर अयूब खान जैसे प्रमुख नेताओं सहित नौ पीटीआई सांसदों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है. यह फैसला एक आतंकवाद-रोधी अदालत द्वारा 9 मई की हिंसा से संबंधित मामलों में इन सांसदों को दोषी ठहराए जाने के बाद आया है. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिन सांसदों की सदस्यता रद्द की गई है, उनमें नेशनल असेंबली के पांच सदस्य शामिल हैं. इनमें नेशनल असेंबली-18 हरिपुर से उमर अयूब, नेशनल असेंबली-143 साहिवाल-III से राय हसन नवाज, नेशनल असेंबली-185 डीजी खान-2 से जरताज गुल, नेशनल असेंबली-96 फैसलाबाद-2 से राय हैदर अली और नेशनल असेंबली-104 फैसलाबाद-एक्स से साहिबजादा हामिद रजा का नाम शामिल है. इनके अलावा, पंजाब असेंबली के तीन सदस्यों के नाम भी रद्द किए गए. जिनमें पंजाब असेंबली-73 सरगोधा-3 से मुहम्मद अंसार इकबाल, पंजाब असेंबली-98 फैसलाबाद-I से जुनैद अफजल और पंजाब असेंबली-203 साहिवाल-6 से राय मुहम्मद मुर्तजा इकबाल शामिल हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट, चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर, थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.